हर खबर पर हमारी पकड़

नजफगढ़ मैट्रो

नई दिल्ली से प्रकाशित हिंदी पाक्षिक समाचार पत्र

पेज-07 : सलमान खान के जन्मदिन पर करण

वर्ष: 12, अंक: 74, पृष्ठ: 12 || नई दिल्ली 15 दिसंबर से 30 दिसंबर, 2023 RNI No. DELHIN/2009 28409 || मूल्य: ₹ 5

पेज-06 : एक जोड़ी जूते के नीचे दबा दबदबा

एटीएफ की कीमत में चार फीसदी की कटौती, नई दरें लागू

नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों ने नव वर्ष 2024 के पहले दिन सोमवार को विमान टरबाइन ईंधन (एटीएफ) की कीमत में चार फीसदी की कटौती की है। ये लगातार तीसरा महीना है, जब एटीएफ के दाम कम हुए हैं। नई दरें लागू हो गई हैं। सार्वजनिक क्षेत्र की पेट्रोलियम कंपनियों की जारी अधिसूचना के मुताबिक एटीएफ के दाम में 4,162.5 रुपये यानी 3.9 फीसदी की कटौती की गई है। इस कटौती के बाद राजधानी दिल्ली में विमान ईंधन की कीमत 1,01,993.17 रुपये प्रति किलोलीटर हो गई है। एटीएफ की कीमत में लगातार तीसरी बार कटौती की गई है। इससे पहले दिसंबर, 2023 में एटीएफ की कीमत में 5,189.25 यानी 4.6 फीसदी की कटौती की गई थी जबकि नवंबर में एटीएफ के दाम में लगभग छह फीसदी (6,854.25 रुपये प्रति किलोलीटर) की कटौती की गई थी। दरअसल, किसी एयरलाइंस की परिचालन लागत में एटीएफ का हिस्सा करीब 40 फीसदी बैठता है। ऐसे में विमान ईंधन के दाम में कटौती होने से वित्तीय रूप से दबाव झेल रही विमानन कंपनियों को राहत मिलेगी। उल्लेखनीय है कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) पिछले महीने की औसत अंतरराष्ट्रीय कीमत के आधार पर प्रत्येक महीने की पहली तारीख को एटीएफ की कीमतों में संशोधन करती हैं।

नव वर्ष की पूर्व संध्या पर शराब पीकर वाहन चलाने पर 495 लोगों का चालान

नई दिल्ली

नए साल की पूर्व संध्या पर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले 495 लोगों का चालान किया। यह जानकारी दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने दी। पुलिस के मुताबिक खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वाले 47 लोगों का चालान किया गया। गलत तरीके से सामान ढोने पर 132 और अनुचित पार्किंग करने पर 3,452 वाहनों का चालान किया गया।

राम मंदिर: जजों ने सर्वसम्मति से फैसला किया था

'विवादित स्थल पर एक ट्रस्ट द्वारा राम मंदिर के निर्माण के पक्ष में फैसला सुनाने वाले पांच न्यायाधीशों ने सर्वसम्मति से फैसला किया था'

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के ऐतिहासिक अयोध्या फैसले के चार साल से अधिक समय बाद भारत के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने अहम टिप्पणी की है। सोमवार को चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा कि विवादित स्थल पर एक ट्रस्ट द्वारा राम मंदिर के निर्माण के पक्ष में फैसला सुनाने वाले पांच न्यायाधीशों ने सर्वसम्मति से फैसला किया था। निर्णय के लिए कोई लेखकत्व जिम्मेदार नहीं होगा। इसे आसान भाषा में समझें तो अयोध्या मामले में फैसला किसने लिखा है, इसक उल्लेख नहीं किया जाएगा।

4 साल पहले लिया गया था फैसला

गौरतलब है कि, 9 नवंबर, 2019 को, एक सदी से भी अधिक समय से चले आ रहे एक विवादास्पद मुद्दे का निपटारा किया गया था। इसके लिए तत्कालीन सीजेआई रंजन गोगोई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की पीठ ने मंदिर के निर्माण पर फैसला सुनाया था। पीठ ने सुनवाई में उत्तर प्रदेश के पवित्र शहर में एक मस्जिद के लिए वैकल्पिक पांच एकड़ का भूखंड खोजा जाएगा। संविधान पीठ में शामिल सीजेआई चंद्रचूड़ ने नाम न छापने के मुद्दे पर खुलकर बात की और कहा, जब न्यायाधीश एक साथ बैठे, जैसा कि वे किसी फैसले से पहले करते हैं, तो सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि यह 'अदालत का निर्णय' होगा।

5 न्यायाधीशों की पीठ ने लिया था फैसला

सीजेआई ने कहा कि 'जब पांच न्यायाधीशों की पीठ फैसले पर विचार-विमर्श करने के लिए बैठी, जैसा कि हम सभी फैसला सुनाए जाने से पहले करते हैं, तो हम सभी ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यह अदालत का फैसला होगा और इसलिए, किसी भी व्यक्तिगत न्यायाधीश को कोई लेखकत्व नहीं दिया गया है।' चीफ जस्टिस ने कहा, 'इस मामले में संघर्ष का एक लंबा इतिहास है, देश के इतिहास पर आधारित विविध दृष्टिकोण हैं।

'हिंदुओं की यह आस्था निर्विवाद थी'

चीफ जस्टिस ने कहा कि फैसला किया कि यह अदालत का फैसला होगा। अदालत एक स्वर से बात करेगी और ऐसा करने का विचार यह स्पष्ट संदेश देना था कि हम सभी न केवल अंतिम परिणाम में बल्कि फैसले में बताए गए कारणों में भी एक साथ खड़े हैं।' शीर्ष अदालत की पीठ ने 2019 में कहा था कि हिंदुओं की यह आस्था निर्विवाद थी कि भगवान राम का जन्म इसी स्थान पर हुआ था और वह प्रतीकात्मक रूप से भूमि के मालिक थे। अदालत ने कहा था कि फिर भी, यह भी स्पष्ट है कि हिंदू कारसेवकों द्वारा 16वीं शताब्दी की तीन गुंबद वाली संरचना का विनाश, जो वहां राम मंदिर बनाना चाहते थे, एक गलती थी जिसका समाधान किया जाना चाहिए।

इसका आस्था और विश्वास से कोई लेना-देना नहीं है और इसके बजाय मामले को तीन पक्षों - सुन्नी मुस्लिम वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा, एक हिंदू समूह और राम लला विराजमान के रूप में नामित प्रतीकात्मक भगवान राम के बीच भूमि पर स्वामित्व विवाद के रूप में माना जाता है।

राम मंदिर निर्माण पर 1,045 पन्नों का था फैसला

1,045 पन्नों के फैसले का हिंदू राजनेताओं और समूहों ने व्यापक स्वागत किया, जबकि मुस्लिम नेतृत्व ने कहा कि वे फैसले को स्वीकार करेंगे, भले ही उन्होंने इसे त्रुटिपूर्ण बताया। फिर भी, उन्होंने शांति का आह्वान किया और सभी राजनीतिक दलों के नेताओं ने नोट किया कि अब आगे बढ़ने का समय आ गया है।

5 न्यायाधीशों की पीठ ने लिया था फैसला

सीजेआई ने कहा कि 'जब पांच न्यायाधीशों की पीठ फैसले पर विचार-विमर्श करने के लिए बैठी, जैसा कि हम सभी फैसला सुनाए जाने से पहले करते हैं, तो हम सभी ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि यह अदालत का फैसला होगा और इसलिए, किसी भी व्यक्तिगत न्यायाधीश को कोई लेखकत्व नहीं दिया गया है।' चीफ जस्टिस ने कहा, 'इस मामले में संघर्ष का एक लंबा इतिहास है, देश के इतिहास पर आधारित विविध दृष्टिकोण हैं।

सुन्नी मुस्लिम वक्फ बोर्ड, निर्मोही अखाड़ा, एक हिंदू समूह और राम लला विराजमान के रूप में नामित प्रतीकात्मक भगवान राम के बीच भूमि पर स्वामित्व विवाद के रूप में माना जाता है।

रंजीता मेहता ने मुख्यमंत्री मनोहर लाल का पुष्पगुच्छ भेंट कर किया स्वागत

चंडीगढ़। चंडीगढ़ रेलवे स्टेशन पर हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल से हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद की मानद महासचिव रंजीता मेहता ने भेंट की और पुष्पगुच्छ भेंट कर मुख्यमंत्री मनोहर लाल का स्वागत किया। रंजीता मेहता ने मुख्यमंत्री को नव वर्ष की शुभकामनाएं व बधाई दी, और अनिल थापर के साथ मिलकर उन्हें साईं संध्या के लिए निमंत्रण भी दिया।

श्री राधा-कृष्ण के आदेश से खुला मथुरा में सैनिक स्कूल: राजनाथ सिंह

मथुरा

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि साल के पहले दिन साधु संतों का आशीर्वाद मिलना बड़े सौभाग्य की बात है। राम मंदिर आंदोलन में दीदी मां साध्वी रितंभरा का अहम योगदान था। समाज को ही दीदी ने परिवार मान लिया है। हमारे देश के ऋषियों ने पूरी धरा पर रहने वाले समाज को परिवार माना है। जिस क्षेत्र में कान्हा रहते हैं वहां तो दिव्यता रहेगी ही रहेगी। कृष्ण वह हैं जो आपको आकर्षित करते हैं, कृष्ण के नाम में ही सुख है। इसलिए कृष्ण की इस नगरी में मेरा मन प्रसन्न है। उन्होंने कहा कि वृंदावन में विदेशी भगवान के दर्शन करते हैं और रम जाते हैं, अधिकांश यहां बस जाते हैं।

यहां शांति की अनुभूति होती है। उन्हें भगवान कृष्ण और राधा रानी की भक्ति करके वृंदावन में शांति मिलती है। यहां रिक्शा वाला भी राधे- राधे बोलता है। राधे- राधे बोलने वाले लोग मिलेंगे तो वह वृंदावन में ही मिलेंगे। यहां चाय पीना हो, पान खाना हो, कचौड़ी खानी हो सब जगह राधे- राधे बोलते यहां के निवासी मिलेंगे। राधे-राधे उनके जीवन में बसा है। यह यहीं संभव है। यहां सैन्य स्कूल मैंने नहीं, राधा- कृष्ण के आदेश से खुला है। दीदी मां से अनुरोध है कि जो स्वामी परमानंद आदेश दिया है, उसको पूरा करें।

'फ्रांस से लौटी 'डंकी उड़ान' में सवार बच्चे के लापता होने की खबरें गलत'

अहमदाबाद

गुजरात के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) विकास सहाय ने सोमवार को उन खबरों को गलत करार दिया जिसमें कहा गया कि फ्रांस से भारत लौटी 'डंकी उड़ान' में सवार दो साल का बच्चा लापता हो गया है। यह विमान 26 दिसंबर को 276 यात्रियों के साथ मुंबई पहुंचा था। विमान, एयरबस ए340 को मानव तस्करी के संदेह में चार दिनों के लिए फ्रांस में रोक दिया गया था।

इसमें 303 यात्री सवार थे। यह विमान संयुक्त अरब अमीरात से फ्रांस पहुंचा था और इसे निकारागुआ जाना था। निकारागुआ का इस्तेमाल अक्सर अवैध प्रवासियों द्वारा अमेरिका जाने के लिए किया जाता है।

अवैध यात्राओं को 'डंकी फ्लाइट्स' कहा जाता है

इस तरह की अवैध यात्राओं को 'डंकी फ्लाइट्स' कहा जाता है। यह शब्द पंजाब में चोरी-छिपे अमेरिका या कनाडा जाने वाले लोगों के लिए इस्तेमाल किया जाता है। विकास सहाय ने कहा, बच्चे का पता नहीं चल पाने का दावा करने संबंधी रिपोर्ट गलत है।

भारत और पाक ने एक दूसरे को बताए अपने परमाणु ठिकाने

नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान ने एक दूसरे को अपने परमाणु ठिकानों की सूचना साझा की है। दरअसल, दोनों देशों ने तीन दशक से अधिक समय से जारी अभ्यास को जारी रखा है।

दोनों में हो रखा समझौता

भारत और पाकिस्तान ने सोमवार को एक द्विपक्षीय समझौते के तहत अपने परमाणु प्रतिष्ठानों की सूची का आदान-प्रदान किया। दोनों देशों के बीच हुआ यह समझौता एक-दूसरे के परमाणु हथियारों पर हमला करने से रोकता है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा कि सूची का आदान-प्रदान परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के खिलाफ हमला रोकने के एक समझौते के प्रावधानों के तहत हुआ।

विदेश मंत्रालय का आया बयान

विदेश मंत्रालय ने कहा कि ये नई दिल्ली और इस्लामाबाद में राजनयिक चैनलों के माध्यम से एक साथ ये सूचना साझा की गई। भारत और पाकिस्तान ने आज राजनयिक चैनलों के माध्यम से नई दिल्ली और इस्लामाबाद में एक साथ परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं की सूची का आदान-प्रदान किया, जो भारत और पाकिस्तान के बीच परमाणु प्रतिष्ठानों और सुविधाओं के खिलाफ हमले को रोकने के लिए हुए समझौते के तहत हुआ।

कोहरे की वजह से नए साल के पहले दिन दिल्ली आने वाली 21 ट्रेनें लेट

नई दिल्ली

कोहरे की वजह से नए साल के पहले दिन दृश्यता कम रही है। इसकी वजह से विभिन्न मार्गों से चलकर दिल्ली पहुंचने वाली 21 ट्रेनें 45 मिनट से आठ घंटे की देरी से चल रही हैं।

रेलवे जनसंपर्क विभाग के मुताबिक इन ट्रेनों में बिहार के दरभंगा से नई दिल्ली आने वाली 02569 क्लोन स्पेशल एक्सप्रेस, गया से नई दिल्ली आने वाली 12397 महाबोधि एक्सप्रेस, बनारस से नई दिल्ली आने वाली 15127 काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस, मध्य प्रदेश के डॉक्टर अंबेडकर नगर से श्रीमाता वैष्णो देवी कटरा जाने वाली 12919 मालवा एक्सप्रेस, खजुराहो से नई दिल्ली होते हुए कुरूक्षेत्र जाने वाली 11841 गीता एक्सप्रेस, जबलपुर से दिल्ली के हजरत निजामुद्दीन स्टेशन तक की ट्रेन 12189 महाकौशल एक्सप्रेस विलंबित रहीं।

लाठी और गोली के दम पर सरकार चला रही है बीजेपी-जेजेपी- हुड्डा

गेस्ट टीचर्स, किसान, मजदूर, कर्मचारी समेत हर वर्ग पर बीजेपी-जेजेपी ने करवाया लाठीचार्ज- हुड्डा -हर वर्ग चाहता है गठबंधन सरकार से मुक्ति, कांग्रेस की सरकार बनाना चाहती है जनता- हुड्डा

कांग्रेस के कार्यक्रमों को मिल रहा जबरदस्त समर्थन, सत्ता परिवर्तन करके ही दम लेंगे कांग्रेसी- हुड्डा

रोहतक : बीजेपी-जेजेपी की सरकार सिर्फ लाठी और गोली के दम पर चल रही है जबकि लोकतंत्र में लोगों का दिल जितने से सरकारें चलती हैं। यह कहना है पूर्व मुख्यमंत्री और नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा का। हुड्डा रोहतक में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर अतिथि अध्यापकों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में उन्होंने इसे निंदनीय कार्रवाई बताया। उन्होंने कहा कि बीजेपी-जेजेपी सिर्फ लाठी और गोली की भाषा जानती है। गेस्ट टीचर ही नहीं इससे पहले किसान, मजदूर, कर्मचारी, कच्चे कर्मचारी, सफाई कर्मी समेत हर वर्ग इस सरकार के अत्याचार का शिकार हो चुका है। यही वजह है कि हर वर्ग इस सरकार से मुक्ति चाहता है। जनता ने हरियाणा में कांग्रेस की सरकार बनाने का मन बना लिया है।

भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस के सभी

कार्यक्रमों को जनता का जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। भारत जोड़ो यात्रा, विपक्ष आपके समक्ष और हाथ से हाथ जोड़ो अभियान की कामयाबी के बाद अब पार्टी ह्यजन आक्रोश रैलीह्न के जरिए लगातार जनसंपर्क में जुटी हुई है। सभी नेता लगातार जनता के बीच में हैं। जब तक हरियाणा को बेरोजगारी, अपराध, नशे, कर्ज और जनता पर अत्याचार में नंबर वन बनाने वाली सरकार को उखाड़ कर नहीं फेंक देते, तब तक कांग्रेसी चैन की सांस नहीं लेंगे। खिलाड़ियों द्वारा पुरस्कार वापसी पर हुड्डा ने कहा कि खिलाड़ी देश की शान हैं। उन्हें न्याय के लिए लंबा संघर्ष करना पड़ रहा है।

7 दिन चलेगा रामलला का प्राण-प्रतिष्ठा समारोह

मानसी शर्मा /- अयोध्या में रामलला के भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह का समय नजदीक आ गया है। 22 जनवरी को रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा होगी। प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान सात दिनों तक चलेगा। जिसकी शुरूआत 16 जनवरी को होगी।

जनवरी में प्राण प्रतिष्ठा समारोह से पहले राम पथ और अयोध्या की अन्य प्रमुख सड़कों पर दुकानों के शटर को हिंदू प्रतीकों की कलाकृतियों से सजाया गया है। इन कलाकृतियों में मंदिर की आकृति के साथ-साथ जय श्री टॉम के नारे और स्वास्तिक चिह्न भी शामिल हैं।

अयोध्या में 7 दिन चलेगा प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान

16 जनवरी:मंदिर ट्रस्ट की ओर से नियुक्त यजमान द्वारा प्रायश्चित, सरयू नदी के तट पर दशविध स्नान, विष्णु पूजन और गोदान होगा।

17 जनवरी:रामलाल की मूर्ति के साथ शोभायात्रा अयोध्या भ्रमण करेगी, श्रद्धालु मंगल कलश में सरयू का जल लेकर मंदिर पहुंचेंगे।

18 जनवरी:गणेश अंबिका पूजन, वरुण पूजन, मातृका पूजन, ब्राह्मण वरण, वास्तु पूजन आदि से विधिवत अनुष्ठान आरंभ होगा।

19 जनवरी:अग्नि स्थापना, नवग्रह स्थापना और हवन होगा।

20 जनवरी:मंदिर के गर्भग्रह को सरयू के जल से धोने के बाद वास्तु शांति और अन्नाधिवास कांड होंगे।

21 जनवरी:125 कलशों से मूर्ति से दिव्या स्नान के बाद शय्याधिवास कराया जाएगा।

22 जनवरी:सुबह पूजन के बाद मध्यान्ह काल में मृगशिरा नक्षत्र में टामलला के विग्रह की प्राण-प्रतिष्ठा होगी।

अयोध्या रेलवे स्टेशन का नाम हुआ अयोध्या धाम

उत्तर प्रदेश के अयोध्या रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर अयोध्या धाम जंक्शन कर दिया गया है। यह घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा पुनर्विकसित रेलवे स्टेशन के उद्घाटन से कुछ दिन पहले की गई है। अयोध्या से भारतीय जनता पार्टी (इखढ) सांसद लल्लू सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'अयोध्या जंक्शन अब अयोध्या धाम जंक्शन बन गया है।'

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में जनभावनाओं का सम्मान करते हुए नाम बदलने का फैसला लिया गया है। मोदी 30 दिसंबर को मंदिर शहर में पुनर्विकसित स्टेशन और नवनिर्मित हवाई अड्डे का उद्घाटन करेंगे। राम मंदिर का अभिषेक समारोह 22 जनवरी को प्रधान मंत्री की उपस्थिति में आयोजित किया जाएगा

महाराष्ट्र में कांग्रेस को शिवसेना ने दिया झटका, 23 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव- संजय राउत

मानसी शर्मा /- साल 2023 का अंत होने में अब सिर्फ दो दिन ही बाकी है। 2024 में लोकसभा चुनाव होने वाले है। सभी पार्टियों चुनाव की तैयारियों में जुट गई है। वहीं भाजपा से मुकाबला करने के लिए 28 दलों ने एक गठबंधन बनाया गया है। उसका नाम 'कठऊकअ'रखा गया है। लेकिन अभी तक सभी पार्टियों में सीटों का बंटवारा नहीं हुआ है। ममता बनर्जी के बाद शिवसेना में कांग्रेस के आगे अपनी शर्त रख दी है।

शिवसेना नेता संजय राउत ने कहा कि अलग होने के बाद महाराष्ट्र में सबसे बड़ी पार्टी शिवसेना है, कांग्रेस एक राष्ट्रीय पार्टी है। हमारी बात कांग्रेस के बड़े नेताओं के साथ अच्छे रूप से चल रही है। हमने कहा कि हम महाराष्ट्र में लोकसभा के लिए हमेशा 23 सीटों पर लड़ते आए हैं। हमने पहले तय किया था कि जो जीती हुई सीटें हैं उन पर बाद में बात होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने महाराष्ट्र में कोई सीट नहीं जीती है, कांग्रेस महाराष्ट्र में जीरो से शुरूआत करेगी लेकिन कांग्रेस महा विकास अघाड़ी में हमारा महत्वपूर्ण साथी है। महाराष्ट्र में कांग्रेस, ठउढ, शिवसेना मिलकर काम करेंगे और इससे हमें, ठउढ या कांग्रेस हाईकमान को कोई तकलीफ नहीं है।

23 सीटों पर लड़ेंगे चुनाव- संजय राउत

संजय राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में हम टूट के बावजूद सबसे बड़ी पार्टी हैं। हम 23 सीटों पर चुनाव लड़ते आए हैं। पिछले चुनाव में हम इनमें से 18 सीटों पर जीते थे। इस बार भी हम इतने ही सीटों पर चुनाव लड़ेंगे. हालांकि, राउत ने कहा कि महाराष्ट्र में शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी मिलकर चुनाव लड़ेंगे।

ममता ने दिया झटका

शिवसेना से पहले पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने भी इंडिया गठबंधन को झटका दिया है। उन्होंने कहा कि वह पश्चिम बंगाल में किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करेंगी। वह भाजपा के खिलाफ अपने दम पर चुनाव लड़ेंगी। वह कांग्रेस और वाम दलों के साथ कोई गठबंधन नहीं करेंगी।

मक्के के आटे से तैयार होती ये स्पेशल डिश

मानसी शर्मा /- सर्दी की शुरूआत के साथ साथ लोगों के खाने पीने में भी में कई तरह के बदलाव आने लगते हैं। सर्दी के मौसम में लोग गर्म तासीर की डिश खाना ज्यादा ही पसंद करते हैं। ऐसे ही अलवर में कई लोग मेवाड के नाम से जाने वाली डिश ढोकला को काफी ज्यादा ही पसंद करते हैं। ये डाल ढोकला अलवर में किसी ढाबे पर नहीं बल्कि, लोग अपने घर के भीतर ही तैयार करते हैं। इसे दूर दूर से लोग परिवार के लोग खाने आते हैं। ये बहुत ही ज्यादा फेमस डिश है, जिसका स्वाद बहुत ही ज्यादा स्पाइसी होता है। इसलिए सर्दियों में लोग इसे खाना बहुत पसंद करते हैं।

अलवर शहर के रहने वाले दिनेश ने बताया कि मेवाड़ी डिश दाल ढोकला मक्का के आटे बना हुआ होता है, इसे स्वादिष्ट बनाने के लिए इसमें लोग खास तरह के स्पाइसेज का यूज करते हैं। मसालों के साथ इसमें प्याज, लहसुन, हरी मिर्च, धनिया इस डिश का स्वाद डबल करते हैं।

कैसे रेडी करें ढोकला

सबसे पहले मक्का का आटे में बारीक कटा अदरक, छोटी हरी मिर्च और हरा धनिया डालते हैं। साजी को पानी में उबालकर मसाला डालकर आटे में मिलाते हैं। बाद में आटे के छोटे छोटे ढोकले को हाथ से तैयार करते हैं फिर एक बार पूरे आटे के ढोकले तैयार कर इसे बड़े से बर्तन में एक के उपर एक जमाते हैं, चूंकि ढोकला डिश पूरी तरह भाप में तैयार की जाती है। फिर कुछ ही देर बाद बर्तन में भाप बनने लगती है और तकरीबन एक घंटे जब ढोकले भाप में पूरी तरह से पककर रेडी हो जाता है।

तितली और कच्चे तेल में तैयार होती है ये डिश

दुकानदार दिनेश ने बताया कि वैसे तो ज्यादातर पके हुए तेल में तैयार की जाती है और अलग से तेल के साथ नहीं खाई जाती। लेकिन मेवाड़ी डिश ढोकला अकेली ऐसी डिश है, जो तितली के कच्चे तेल के साथ खाई जाती है। वैसे मारवाड़ में ढोकला की तरह दाल ढोकली तैयार की जाती है, लेकिन ये मक्के के आटे से तैयार नहीं की जाती और इसमें मसाले व अन्य चीजें का उपयोग भी कम ही किया जाता है।

रोग के हिसाब से खाएं विभिन्न रंगों के फल-सब्जियां, बिमारी से मिलेगी निजात

खतरनाक बीमारियों को खत्म करने में सहायक होते है अलग-अलग रंग के फूड

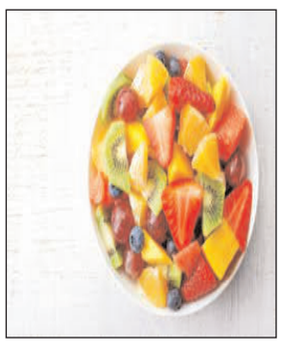

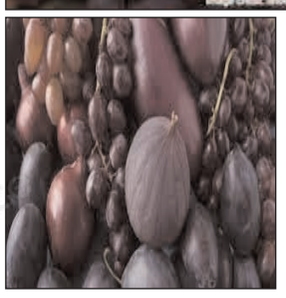

सेहत/शिव कुमार यादव/- विभिन्न रंगों के फूड्स के कई सारे फायदे होते है। इनका सबसे बड़ा फायदा खतरनाक बिमारियों को खत्म करने से जुड़ा है। अमेरिका में विभिन्न रंगों के फूड्स पर एक शोध में सामने आया है कि अलग-अलग रंग की फल व सब्जियां खतरनाक बिमारियों को ठीक करने में सहायक होती है। अमेरिकी डॉक्टरों की माने तो रोग के हिसाब से कौन से रंग की फल व सब्जी खानी चाहिए यह रंग के गुणों पर आधारित होता है। ये कलरफुल फूड्स आपको कई सारे फायदे देते हैं और हर बीमारी के लिए अलग फूड जरूरी होता है। इनके रंग में असली गुण छिपे होते हैं जिनका असर किसी दवा की तरह होता है। अमेरिकी डॉक्टर ने सभी रंगों के बारे में बताया है।

एक्सपर्ट रंगीन खाद्य पदार्थों को सेहत के लिए काफी स्वास्थ्यवर्धक मानते हैं। इनके कलर में ही असली ताकत होती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि कौन-से रंग का फूड कौन सी बीमारी में खाना चाहिए। अगर नहीं तो अमेरिकी डॉक्टर मार्क हाइमन ने इसके बारे में पूरी जानकारी दी है। डॉ. मार्क हाइमन कहते हैं कि आप जितने रंगीन खाद्य पदार्थ खाते हैं आपको उतना ही एंटी इंफ्लामेटरी, डिटॉक्सिफाइंग, फाइटोन्यूट्रिएंट और एंटीऑक्सीडेंट्स मिलते हैं। इन तत्वों के अंदर दवा जितनी शक्ति होती है जो बीमारियों को जल्दी ठीक करने में कारगर साबित होते हैं। दो रंग की चीजें मिलाकर खाने से ज्यादा फायदा होता है।

लाल रंग के फूड

सेब, टमाटर, चेरी, अनार, स्ट्रॉबेरी, तरबूज, चुकंदर, लाल शिमला मिर्च, लाल बंद गोभी जैसे कई सारे फूड्स का रंग लाल होता है। इस रंग के फूड्स में फ्लेवोन्स, लाइकोपीन, कैराटोनोइड्स, फलोरेटिन जैसे फाइटोकेमिकल होते हैं। जो इम्यून सिस्टम मजबूत करने, सूजन कम करने और एंटीऑक्सीडेंट बढ़ाने में मदद करते हैं।

संतरी रंग के फूड

संतरा, पपीता, गाजर, कद्दू, शकरकंद, हल्दी, आम का कलर संतरी और हल्का पीला जैसा होता है। ऐसे फूड्स में अल्फा कैरोटीन, कुरकुमिन, बीटा कैरोटीन, कैरोटेनोइड्स होते हैं। जो फैट सॉल्यूबल टिश्यू को एंटीऑक्सीडेंट्स देने, एंडोक्राइन सिस्टम हेल्दी बनाने और फर्टिलिटी सुधारने में मदद करते हैं।

पीले रंग के फूड

नींबू, अनानास, केला, पीली शिमला मिर्च, पीली प्याज आदि का रंग चटक पीला होता है। ऐसे खाद्य पदार्थ जिंजेरोल, प्रीबायोटिक फाइबर, लुटिन, रुटिन, जीआक्सैंथिन देते हैं। जो पाचन तंत्र, गैस्ट्रिक प्रॉब्लम्स को मजबूत बनाते हैं और डायबिटीज में अच्छे होते हैं।

हरे रंग के फूड

एवोकाडो, नाशपाती, शिमला मिर्च, गोभी, भिंडी, ब्रोकली, पालक, सरसों आदि बहुत हेल्दी फूड्स हैं। जिनमें फाइटोस्टेरोल, टैनिन, सल्फोराफेन, टायरोसोल, थियाफ्लेविन आदि होते हैं। यह चीजें आपकी नसों और खून के लिए बढ़िया होती हैं, इसलिए दिल के मरीजों को यह खाना चाहिए।

नीले रंग के फूड

बैंगन, ब्लूबेरी, नीली गोभी, नीले आलू, नीली गाजर जैसे फूड में फ्लेवेनोइड्स, फेनोलिक एसिड, एंथोसाइनिडिन आदि होते हैं। जो कि एंटीऑक्सिडेंट देते हैं और यह आपके दिमाग के लिए बहुत ताकतवर होते हैं। इनसे मूड, याददाश्त, काम करने की क्षमता बढ़ती है।

JDU के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने दिया इस्तीफा , पार्टी की कमान बिहार के सीएम के हाथ

मानसी शर्मा /- दिल्ली में हो रही जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से बड़ी खबर सामने आई है। बता दें कि जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष ललन सिंह ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। हालांकि इसके बाद अब सवाल उठ रहा है कि क्या नीतीश कुमार पार्टी की कमान संभालेंगे। वहीं ललन सिंह ने इस्तीफे की वजह अभी सामने नहीं आई है।

ललन सिंह ने जेडीयू अध्यक्ष का छोड़ा पद

दरअसल खऊव अध्यक्ष पद से ललन सिंह ने इस्तीफा दे दिया है। यहा फैसला खऊव की बैठक में ललन सिंह ने लिया है। वहीं नीतीश कुमार खऊव के नए अध्यक्ष बने है। ललन सिंह ने

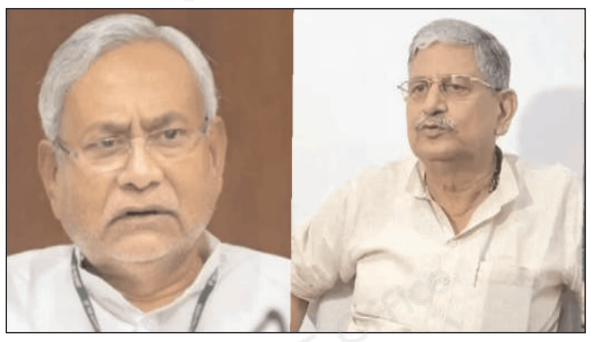

अध्यक्ष पद के लिए नीतीश के नाम का प्रस्ताव रखा था। जिससे आला कमान ने मान लिया। नीतीश कुमार को कमान की जिम्मेदारी संभालने के बाद साथियों ने जोश में नारे लगाए। कहा- देश का सेट कैसा हो नीतीश कुमार जैसा।

पार्टी की कमान बिहार के सीएम के हाथ

इस बैठक में दिल्ली के राष्ट्रीय अध्यक्षों का कहना है कि हम फैसले लेने वाले अपने नेताओं के साथ हैं। बिहार ही नहीं बल्कि देश नीतीश कुमार की ओर देख रहा है। वहीं कार्यकताओं ने कहा कि नीतीश कुमार और ललन सिंह को कोई फर्क नहीं पड़ता। यह बदल गया है क्योंकि देश में अलोकप्रिय चुनाव हो रहे हैं। ये इंडिया अलायंस की मजबूरी है कि वो नीतीश कुमार को लेकर आएं।

वहीं ललन सिंह ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा, कि चुनाव में मेरी सक्रियता को देखते हुए मैं अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे रहा हूं और राष्ट्रपति पद के लिए नीतीश कुमार का नाम प्रस्तावित कर रहा हूं। इसके अलावा राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने जेडीयू अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के दौरान पद से इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही सभी अटकलों पर विराम लग गया है।

बर्फ की तरह गिरने लगे डैंड्रफ, तो इन आसान तरीकों से पाएं छुटकारा

मानसी शर्मा /- स्कैल्प में जमी रूसी(ऊंल्लि१४ा) अक्सर कम होने का नाम ही नहीं लेती है। रूसी बालों में दूर से ही नजर आने लगती है। इसी के साथ कई बार झड़ झड़कर कपड़ों तक में गिरती है। ऐसे में व्यक्ति के न केवल कपड़े खराब होते हैं, बल्कि उसे शर्मिंदगी भी झेलनी पड़ती है। लेकिन ऊंल्लि१४ा को जड़ से खत्म करना कोई मुश्किल का काम भी नहीं है।

इसलिए आज हम आपको इन उपायों को बताने वाले हैं,जिसे अपनाकर आप बालों से रूसी को खत्म यानी कि हटा सकते हैं।

दही और मेथी

ऊंल्लि४ा को हटाने के लिए अपने बालों पर दही (उ४१ि) को इच्छानुसार सादा भी लगा सकते हैं। लेकिन ज्यादा फायदा चाहते हैं तो इसे मेथी के साथ मिक्स करके लगाएं। दरअसल मेथी में एक निकोटेनिक नाम का एसिड पाया जाता है, जो बालों को मजबूत बनाता है। साथ ही स्कैल्प में जमे हुए रूसी को हटाने में कारगर भी होता है। आप दही में मेथी के बीज को पीसकर बालों में आधे घंटे के लिए लगा सकते हैं। फिर बालों को वॉर्म वाटर से अच्छे से साफ कर लें।

एलोवेरा के साथ नीम

एलोवेरा और नीम दोनों में ही एंटी बैक्टेरियल और एंटी इन्फ्लेमेटरी गुणों से भरपूर एलोवेरा और नीम को एकसाथ मिक्स करके बालों में लगाने से डैंड्रफ की समस्या दूर हो जाती है। इसे इस्तेमाल करने के लिए करीब 10 नीम के पत्तों को लें और उसमें 2चम्मच एलोवेरा जैल को मिला लें। फिर सिर में आधा घंटा लगा कर छोड़ दें।

नारियल के तेल में नींबू

अपने सिर में नारियल का तेल और नींबू को एक साथ मिक्स करके भी लगा सकते हैं। इस मिश्रण से आपके सिर का डैंड्रफ जड़ से खत्म हो सकता है। इस मिश्रण को एक साथ मिलाएं फिर स्कैल्प पर अच्छे से लगा लें। आधे घंटे के बाद इसे गुनगुने पानी से धो लें।

ये है बॉलीवुड की सबसे अमीर फैमिली..अरबों में है कमाई

Bollywood का खानदान यानि कि सलीम खान का परिवार बरसों से Bollywood में एक्टिव हैं। सलीम खान से शुरू हुआ Bollywood का सफर अब उनकी तीसरी पीढ़ी तक पहुंच चुका है। सलमान खान के पिता सलीम खान बॉलीवुड के मशहूर राइटर रहे हैं। जिन्होंने कई सारी हिट मूवीज दी हैं। वहीं,हिट लेखक और हिट एक्टर्स से भरपूर ये फैमिली धन संपत्ति के मामले में भी किसी से कम नहीं है। यदि आप इस परिवार की कुल प्रॉपर्टी के बारे में जानेंगे तो सुनकर चौंक जाएंगे। लेकिन हैरान कर देने वाली बात तो ये है कि रंह्लेंल्ल डॅंल्ल अपने दोनों भाइयों की कुल आय पर अकेले ही भारी पड़ते हैं। वहीं, पिता रंह्लीी डॅंल्ल भी इस मामले में सबसे आगे हैं।

एक्टर Salman Khan, Khan family के नाम पर दर्ज प्रॉपर्टी के लगभग पचास फीसदी के अकेले के मालिक रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार Salman Khan की networthh 2 हजार करोड़ रुपए है। और कई सारी मीडिया रिपोर्ट्स भी ये बताती हैं की यदि सही सही आंकलन करें तो उनकी संपत्ति 2916 करोड़ रुपए है। इस रिपोर्ट के अनुसार पूरे खान परिवार की मिली जुली नेटवर्थ तकरीबन 5259 करोड़ रुपए है। जिसमें से यदि रंह्लेंल्ल डॅंल्ल के नाम दर्ज हिस्सा निकालकर कर कैलकुलेट कर लिया जाए तो वो 5259 करोड़ रुपए होता है।

अपने दोनों सगे भाइयों पर भारी पड़ रहे Salman Khan

इसके अलावा **Salman Khan** के परिवार के अन्य सदस्यों की यदि बात करें तो रंह्लेंल्ल डॅंल्ल के दोनों भाई Arbaj Khan और Sohail Khan नेटवर्थ के मामले में उनसे बहुत पीछे हैं। रिपोर्ट के अनुसार दोनों की संपति को मिलाकर उनकी नेटवर्थ तकरीबन 9 सौ करोड़ रुपए होती है। साथ ही इसमें एक्टर अरबाज खान की नेटवर्थ 500 करोड़ रुपए और सोहेल खान की नेटवर्थ 333 करोड़ रुपए है। वहीं पिता सलीम खान भी दोनों से कई आगे हैं। उनकी नेटवर्थ 1000 करोड़ रुपए है। जो हेलन, सलमा खान और उनकी बच्चों में बच्चों में बराबर से डिवाइड हैं।

बीएसपी होगी इंडिया गठबंधन में शामिल?

मानसी शर्मा /- मायावती की पार्टी (ये है बॉलीवुड की सबसे अमीर फैमिली..अरबों में है कमाई (बीएसपी) ने कठऊकअ गठबंधन में शामिल होने के लिए बड़ी शर्त रख दी है। शर्त के अनुसार मायवती विपक्ष के साथ तभी मिलेंगी जब उनकी शर्त मंजूर की जाएगी। (ये है बॉलीवुड की सबसे अमीर फैमिली..अरबों में है कमाई (बीएसपी) पार्टी के मुताबिक अगर आगामी लोकसभा चुनाव में मायावती को पीएम उम्मीदवार के रूप में पेश किया जातो है, तो बीएसपी इंडिया ब्लॉक में शामिल हो सकती है।

सत्ता छीनने के लिए काफी- मलूक नागर

दरअसल, बिजनौर से बसपा सांसद मलूक नागर ने कहा कि मायावती को पीएम उम्मीदवार के रूप में पेश करके, इंडिया गठबंधन आगामी LOK SABHA चुनाव में बीजेपी को लगातार तीसरी बार जीतने से रोक सकता है। साथ ही उन्होंने कहा कि, ह्लगठबंधन के लिए जीत का फॉमूर्ला स्पष्ट है। अगर बसपा गठबंधन में शामिल होती है ,तो वोट प्रतिशत 50 फीसदी से ऊपर चला जाएगा। जो बीजेपी (इखढ) से सत्ता छीनने के लिए काफी है। और ह्लमायावती को प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार बनाए जाने से भगवा ब्रिगेड द्वारा लुभाए गए दलित

मतदाता भी वापस आ जाएंगे

कांग्रेस को इस बात के लिए मायवती से माफी मांगनी चाहिए साथ ही बसपा प्रमुख के करीबी सहयोगी नागर ने कहा कि, मायावती देश की सबसे बड़ी दलित नेता हैं और सभी राज्यों में उनका समर्थन किया जाता है। लेकिन ह्लकांग्रेस को 2018 के विधानसभा चुनावों के बाद मध्यप्रदेश और राजस्थान में बसपा विधायकों को हटाने के लिए भी माफी मांगनी चाहिए। वहीं आपकों बता दें,कि नागर का बयान यूपीसीसी अध्यक्ष अजय राय के उस बयान के बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था, ह्लदेश में मौजूदा राजनीतिक परिदृश्य और दलितों की स्थिति को देखते हुए, बहुजन समाज पार्टी प्रमुख मायावती को गंभीरता से इंडिया गठबंधन में शामिल होने पर विचार करना चाहिए.

रक्षा सहायता के US को राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने दिया धन्यवाद

मानसी शर्मा /- यूक्रेन के राष्ट्रपति व्लादिमीर जेलेंस्की ने गुरुवार को मौजूदा प्राधिकरण के तहत यूक्रेन के लिए उपलब्ध हथियारों के अंतिम शेष पैकेज को जारी करने के लिए अमेरिका को धन्यवाद दिया। बता दें युद्ध में हथियार को लेकर अनिश्चितता बनी हुई थी। व्लादिमीर जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर कहा, ह्लमैं कल घोषित किए गए 250 मिलियन डॉलर के सैन्य सहायता पैकेज के लिए राष्ट्रपति जो बिडेन, कांग्रेस और अमेरिकी लोगों को धन्यवाद देता हूं।ह्व उन्होंने आगे कहा, ह्लन केवल यूक्रेन और यूरोप में बल्कि संयुक्त राज्य अमेरिका में भी स्वतंत्रता और सुरक्षा की रक्षा के लिए, हमें चल रही रूसी आक्रामकता का जवाब देना जारी रखना चाहिए।

Russia-Ukraine War वित्तीय सहायता से यूक्रेन को मजबूती

राष्ट्रपति जो बिडेन ने यूक्रेन का समर्थन करना प्राथमिकता बना दिया है और अमेरिकी हथियार और वित्तीय सहायता पश्चिम समर्थक देश को कहीं अधिक बड़ी हमलावर रूसी सेना के खिलाफ लड़ाई में मदद करने में महत्वपूर्ण रही है। रिपब्लिकन ने इस प्रयास को रोकने की कोशिश की है। जेलेंस्की ने कहा कि अंतिम पैकेज में प्रदान किए गए उपकरण जिनमें वायु रक्षा मिसाइलें, टैंक रोधी हथियार और खदान साफ करने वाले उपकरण शामिल हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने इस वर्ष 24 अरब डॉलर से अधिक के 34 सैन्य सहायता पैकेजों और एफ-16 जेट प्रदान करने के लिए अमेरिका को धन्यवाद दिया।

भारत में कोरोना से दहशत..अब तक इतने लोगों की गई जान..इतने केस

मानसी शर्मा /- स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, भारत में अब तक कोरोना ने 4,50,10,944 लोगों को अपना शिकार बना चुका है। वहीं, 5,33,346 लोगों ने अपनी जान गंवाई है। बता दें कि ओमिक्रॉन (डटकउफडठ) के सब वैरिएंट खठ.1 के अब तक 109 केस सामने आए हैं। इससे पहले बुधवार को दिल्ली में खठ.1 का पहला केस मिला था। दिल्ली से पहले नोएडा में भी खठ.1 का केस मिल चुका है। नए वैरिएंट का भारत में पहला केस केरल में मिला था। देश में कोरोना वायरस के मामलों में अचानक वृद्धि के बाद दिल्ली AIIM ने अस्पतालों के लिए गाइडलाइन जारी की है।

दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने जानकारी दी कि दिल्ली में खठ.1 का पहला मामला सामने आया है। दरअसल, दिल्ली में तीन सैंपल जीनोम सिक्वेंसिंग के लिए भेजे गए थे, और उनमें से एक में खठ.1 की पुष्टि हुई, जबकि दो में ओमीक्रोन वैरिएंट मिला है। एक दूसरे अधिकारी ने कहा कि 52 साल की महिला में JN.1 वैरिएंट की पुष्टि हुई है। महिला को तीन से चार हफ्ते पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया था। महिला में कोरोना के सामान्य लक्षण थे। उन्हें खांसी और सांस लेने में दिक्कत थी। हालांकि, महिला की तबीयत अब ठीक है, उन्हें अस्पताल से भी छुट्टी देकर घर भी भेजा जा चुका है।

कितना खतरनाक है JN.1 वैरिएंट?

कोरोना का JN.1 वैरिएंट दूसरे वैरिएंट की अपेक्षा अधिक संक्रामक बताया जा रहा है जो तेजी से अन्य वैरिएंट की फैल रहा है। हालांकि, अभी तक इस वैरिएंट से कोई गंभीर खतरा सामने नहीं आया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने JN.1 वैरिएंट को वैरिएंट ऑफ इंटरेस्ट के तौर पर बताया है। WHO के अनुसार, इससे जनता को कोई बड़ा खतरा नहीं है। इस वैरिएंट पर पहले से मौजूद वैक्सीन असरदार हैं।

इससे पहले बुधवार को देश में कोरोना के 529 नए मामले सामने थे। इस दौरान 3 लोगों की मौत हो गई थी। इनमें से दो ने कर्नाटक और एक ने गुजरात में जान गंवाई थी।

बीमार लोगों को रखनी होगी ये सावधानी

डाक्टरों की मानें तो सर्दियों में खांसी और जुकाम के दौरान इस वेरिएंट से बचने के लिए स्वच्छता बेहद जरूरी है। पहले की तरह बार-बार हाथ धोना और स्कूल या काम से छुट्टी लेकर इसे रोकने के कारगर उपाय जारी रखने चाहिए। बच्चों और 65 साल से ज्यादा उम्र के लोगों को इससे काफी सतर्क रहने की जरूरत है। चिकित्सकों ने आगे कहा कि इसने साथ ही मधुमेह, ब्रोंकाइटिस या अस्थमा, हृदय व कैंसर रोगियों को घर से बाहर निकलते समय अतिरिक्त सावधानी बरतनी चाहिए।

31 दिसंबर को इन 11 राज्यों में होगी झमाझम बारिश

मानसी शर्मा /- देश के कई राज्यो में इन दिनों भयंकर ठंड का कहर जारी है। ठंड के साथ ही कोहरा भी लोगों को खूब परेशान कर रहा है। इसी बीच भारत मौसम विज्ञान विभाग यानी कटऊ ने देश के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में घने कोहरे (ऋॅ्र) को लेकर अलर्ट जारी की है।

आईएमडी (कटऊ) के मौसम बुलेटिन के मुताबिक, अगले 3-4 दिनों के दौरान उत्तर पश्चिम भारत में घना से बहुत घना कोहरा पड़ने की उम्मीद है। आज पंजाब (ढ४ल्ल्नु), हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली (ऊ्रँ) में बहुत घना कोहरा छाया है। मौसम विभाग ने राजस्थान, उत्तर-पश्चिम मध्य प्रदेश (टॅं ढ१ँ्रँ), असम, मेघालय, नागालैंड (ठँल्ल्ला), मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में घने कोहरे की स्थिति की भी भविष्यवाणी की है।

घने कोहरे और कंपकंपा देने वाली ठंडी लहरों के साथ ही भारत के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में 30 दिसंबर से बारिश होने के भी आसार हैं।

31 दिसंबर 2023 से 2 जनवरी 2024 के दौरान ताजा पश्चिमी विक्षोभ के कारण, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, गिलगित, बाल्टिस्तान मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ में हल्की बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने 30 और 31 दिसंबर को तमिलनाडु में भारी बारिश की भी चेतावनी जारी की है।

आईएमडी ने कहा कि ताजा पूर्वी लहर के प्रभाव में, 30 दिसंबर से 02 जनवरी, 2024 तक दक्षिण तमिलनाडु और केरल में हल्की से मध्यम बारिश होने के आसार हैं। स्काईमेट वेदर की रिपोर्ट के अनुसार अगले दो दिनों तक पंजाब, हरियाणा, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कई हिस्सों में रात और सुबह के दौरान घना से बहुत घना कोहरा जारी रह सकता है। साथ ही ओडिशा, उत्तरी राजस्थान, उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश और पूर्वोत्तर भारत के कुछ हिस्सों में कोहरा छा सकता है।

केरल में भी बारिश

केरल में हल्की बारिश की संभावना है। 30 दिसंबर से तमिलनाडु में बारिश की गतिविधियां बढ़ेंगी और हल्की से मध्यम बारिश के साथ कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

8 मसालों से तैयार की जाती है चाउमिन, स्वाद ऐसा कि मिनटों में बिक जाती हैं 100 से ज्यादा प्लेटें

मानसी शर्मा /- फास्ट फूड (लोगों की पसंद बन चुका है। वीकेंड्स के दौरान स्पेशल तौर पर फ्रेश फील करने के लिए और खुद को खुश करने के लिए फास्ट फूड एक बार तो जरूर ही खाते हैं। इन फास्ट फूड में चाउमीन को स्पेशल तौर पर खाते हैं। ऐसे ही बिहार /समस्तीपुर के मोहिउद्दीननगर के बीच बाजार में तकरीबन 11 साल पुराना है स्पेशल चाउमिन का स्टॉल लगता है। जैसे जैसे शाम ढलना शुरू हो जाती है, लोगों की भीड़ अपने आप बढ़ती जाती है। क्योंकि यहां कि बनी चाउमिन इतनी मशहूर है कि मिनटों में लोग इसे सफाचट कर देते हैं।

दुकान लगते ही यहां पर चाउमिन प्रेमियों की भीड़ लगना शुरू हो जाती है। प्रतिदिन तकरीबन 20 किलो से भी ज्यादा उपर चाउमिन की खपत होती है। 20 किलो चाउमिन में लगभग 400 प्लेट से भी ज्यादा मात्रा में चाउमिन बनकर तैयार हो जाता है। ये दुकान हाजीपुर झ बछवारा मुख्य मार्ग के मोहिउद्दीननगर बीच बाजार में है। इन चीजों से बनाकर किया जाता है

तैयार डाला जाता है सीक्रेट मसाला

मोहिउद्दीननगर बीच बाजार के दुकानदार पंकज कुमार गुप्ता का कहना है कि 11 सालों से लगातार एक ही जगह पर वो दुकान चलाते हुए आ रहे हैं। ये चाउमिन आठ तरह के स्पेशल मसालों से तैयार की जाती है। साथ ही इसमें बीटरूट, गोभी, हरी मिर्च, गाजर, प्याज , अदरक लहसुन पेस्ट सहित सीक्रेट मसाला भी डाला जाता है। जिससे इसका स्वाद डबल हो जाता है।

क्या है इसका दाम

चाउमिन को सलाद सहित 2 तरह के सॉस के साथ परोसा जाता है। टोमेटो और ग्रीन चिली सॉस का प्रयोग किया जाता है। इसी कारण शाम आते ही यहां लोगों का जमावड़ा लग जाता है। कीमत की बात करें तो क्वांटिटी के हिसाब से 15 रुपए से लेकर के 30 रुपए तक की प्लेटें यहां मिलती हैं। 11 साल से लेकर के आज तक रोजाना इतनी ही भीड़ भाड़ यहां लगती है।

NCR में मुकेश अंबानी लेकर आ रहे हैं लग्जरी हाउसिंग प्रोजेक्ट..

मानसी शर्मा /- रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दिल्ली-एनसीआर में वर्ल्ड क्लास स्मार्ट सिटी बनाएंगे। बता दें कि इसे मॉडल इकनोमिक टाउनशिप लिमिटेड या मेट सिटी का नाम दिया गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने कहा है कि उसके पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई मॉडल इकोनामिक टाउनशिप लिमिटेड गुरुग्राम के पास एक विश्व स्तरीय स्मार्ट सिटी डेवलप कर रही है।

देश के दिग्गज उद्योगपति मुकेश अंबानी दिल्ली से सटे गुरुग्राम के पास एक वर्ल्ड क्लास स्मार्ट सिटी का निर्माण कर रहे हैं। मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस की ओर से इस स्मार्ट सिटी को बसाया जा रहा है।

विश्व स्तरीय स्मार्ट सिटी डेवलप होगी

इसे मॉडल इकनोमिक टाउनशिप लिमिटेड या मेट सिटी का नाम दिया गया है। रिलायंस इंडस्ट्रीज (फी्रल्लू कल्ल४२३१्१२) ने बताया है कि उसके पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई मॉडल इकोनामिक टाउनशिप लिमिटेड गुरुग्राम के पास एक विश्व स्तरीय स्मार्ट सिटी डेवलप कर रही है। कंपनी के अनुसार स्मार्ट सिटी एक एकीकृत औद्योगिक शहर होगा।

7 देशों की मल्टीनेशनल कंपनियां शामिल

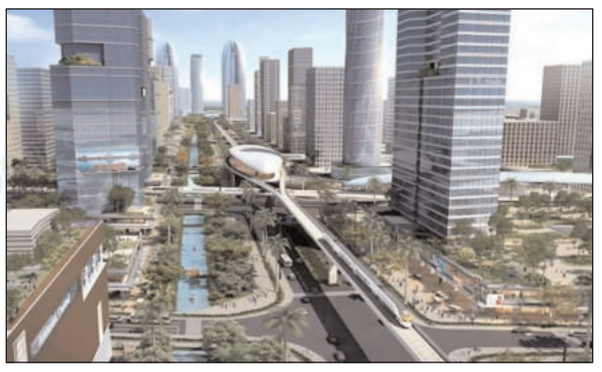

इसमें जापान की 4 दिग्गज कंपनियां शामिल होंगी। रिलायंस का मॉडल इकोनॉमिक टाऊनशिप (टएळ) उत्तर भारत में सबसे तेजी से उभरता शहर है। यह सबसे तेजी से बढ़ती इंटीग्रेटेड सिटी भी बन चुकी है। वित्त वर्ष 2022-23 की बात करें तो यहां मल्टीपल ब्रांड की करीब 450 ज्यादा कंपनियों का जमावड़ा लग चुका है। यहां आने वाली कंपनियों में 7 देशों की मल्टीनेशनल कंपनियां शामिल हैं। रिलायंस की मेट सिटी को सालभर में 2 अवार्ड भी मिल चुके हैं।

8000 एकड़ पर बसाया जा रहा शहर

रिलायंस की 100 प्रतिशत सब्सिडियरी वाली इस कंपनी ने हरियाणा के झज्जर जिले में 8 हजार एकड़ जमीन पर वर्ल्ड क्लास ग्रीनफील्ड स्मार्ट सिटी (ऋ१ील्ल्प्री्र रें१३ ङ३८) बनाने का प्रोजेक्ट शुरू किया है। यहां पहले फेज में 19 सौ एकड़ जमीन पर सिटी बनाने का लाइसेंस मिला है। कंपनी यहां अब तक 88 सौ करोड़ का निवेश लैंड इन्फ्रास्ट्रक्चर पर कर चुकी है। इसमें 5 इंडस्ट्रियल सेक्टर है, जबकि 2 प्रोजेक्ट एससीओ के हैं। अभी तक यहां 25 हजार से ज्यादा रोजगार मिलेगें हैं।

अन्य शहरों से मे मिलेगी मजबूत कनेक्टिविटी

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रिलायंस के इस नए शहर की सबसे खास बात इसकी कनेक्टिविटी है।

दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और क्षेत्र के अन्य शहरों से इसकी मजबूत कनेक्टिविटी है। यह शहर रणनीतिक रूप से कुंडली मानेसर पलवल (ङटढ) एक्सप्रेसवे के साथ और नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पास स्थित है। इसका दिल्ली-मुंबई औद्योगिक कॉरिडोर के डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के साथ रेल संपर्क होगा।

कतर में भारत के 8 पूर्व नौसैनिकों की मौत की सजा पर लगी रोक-भारत की अपील पर कतर सरकार ने लगाई रोक, मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- कतर में मौत की सजा पाए 8 पूर्व भारतीय नौसैनिकों को गुरुवार (28 दिसंबर) को बड़ी राहत मिली है। कतर कोर्ट ने भारत की अपील पर मौत की सजा पर रोक लगा दी है। कतर में गुरुवार को सुनवाई के दौरान भारत के राजदूत और अन्य अधिकारी, परिवार के सदस्यों के साथ कोर्ट में उपस्थित थे। विदेश मंत्रालय की ओर से कहा गया कि हम मामले की शुरूआत से ही उनके साथ खड़े हैं और हम सभी कानूनी सहायता देना जारी रखेंगे। हम इस मामले को कतर अधिकारियों के समक्ष भी उठाना जारी रखेंगे। इस मामले की कार्यवाही की गोपनीयता और संवेदनशील के कारण, इस समय कोई और टिप्पणी करना उचित नहीं होगा।

विदेश मंत्रालय ने कहा, ह्लविस्तृत फैसले की कॉपी का इंतजार है। हमारी कानूनी टीम अगले कदम को लेकर आठों भारतीयों के परिवारों के संपर्क में हैं। सुनवाई के दौरान एंबेसडर और अधिकारी कोर्ट में मौजूद रहे ह्व मंत्रालय ने आगे कहा कि हम आठों लोगों के परिवार के साथ शुरूआत से खड़े रहे हैं। मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ये सही नहीं होगा कि हम इसके बारे में ज्यादा बोलें। हम मामले को लगातार कतर प्रशासन के सामने उठा रहे हैं और उठाते रहेंगे।

कौन हैं आठ भारतीय?

भारतीय नौसेना के आठ पूर्व कर्मी की पहचान कैप्टन नवतेज सिंह गिल, कैप्टन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कैप्टन सौरभ वशिष्ठ, कमांडर अमित नागपाल, कमांडर पूर्णेंदु तिवारी, कमांडर सुगुनाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता और नाविक रागेश गोपाकुमार के रूप में हुई है।

जेडीयू में सब नॉर्मल है!, नीतीश कुमार से मिले ललन सिंह

-बैठक के लिए दोनों एकसाथ गाड़ी में हुए रवाना,

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग को लेकर राजनीतिक गलियारों में तमाम तरह की अटकलें लगाई जा रही है। इसी बीच ललन सिंह ने नीतीश कुमार से उनके निवास स्थान पर मुलाकात की। कुछ देर बाद जेडीयू में सब ठीक है कहकर दोनो एक साथ एक ही गाड़ी में राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग के लिए रवाना हो गए।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जनता दल ?नाइटेड (जेडीयू) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की मीटिंग दिल्ली में गुरुवार (28 दिसंबर) को होनी है। ये बैठक ऐसे समय हो रही है जब राजनीतिक गलियारों में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही है। चर्चा है कि जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह और नीतीश कुमार के बीच सब कुछ ठीक नहीं होने के कारण वो इस्तीफा दे सकते हैं। इस बीच सूत्रों ने बताया कि ललन सिंह अगर राष्ट्रीय अध्यक्ष पद छोड़ते हैं तो नीतीश कुमार ही पार्टी प्रमुख की जिम्मेदारी लेंगे। इसके अलावा कयास लगाए जा रहे हैं कि नीतीश कुमार एक बार फिर बीजेपी के साथ गठबंधन कर सकते हैं हालांकि इन तमाम अटकलों को दोनों नेताओं ने खारिज करते हुए कहा कि सब नॉर्मल है।

नीतीश कुमार ने क्या कहा?

नीतीश कुमार ने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है, सब नॉर्मल है। हर साल हमारी पार्टी में मीटिंग की परंपरा रही है। इस कारण हमारी बैठक हो रही है. ऐसा कुछ खास नहीं है।

राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने क्या कहा?

ललन सिंह ने कटाक्ष करते हुए कहा कि इस्तफी देना होगा तो आप सबको बुला लेंगे। उन्होंने कहा, ह्लआप लोगों से परामर्श कर लेंगे। इसके बाद इस्तीफा में क्या-क्या लिखना ये बता देना। पार्टी की नियमित बैठक है. नैरेटिव तय मत करो. जेडीयू एक है। बीजेपी जितनी भी ताकत लगा लेगी, लेकिन कुछ नहीं होने वाला ह्व उन्होंने आगे कहा कि नीतीश कुमार हमारे नेता हैं। आप जितना भी कुछ कर लीजिए कुछ नहीं होने वाला। कुछ नहीं मिलेगा।

केसी त्यागी ने भी किया खारिज

जेडीयू नेता केसी त्यागी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी में अकेले जब इंदिरा गांधी की तस्वीर लगती है या फिर बीजेपी के कार्यक्रम में पीएम मोदी की फोटो लगती है तो कोई चर्चा नहीं होती। नीतीश कुमार हमारे सर्वमान्य नेता हैं। उनकी (नीतीश कुमार) अकेले की फोटो से भी हमारा कार्यक्रम संचालित हो जाता है।

नागपुर की रैली में राहुल गांधी का भाजपा पर बड़ा हमला

बोले- भाजपा के सांसद मुझसे छुप कर मिले और कहा कि किसी की नही सुनी जाती

नागपुर/नई दिल्ली/- गुरूवार 28 दिसंबर को नागपुर में कांग्रेस के 139वें स्थापना दिवस पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बीजेपी पर हमला करते हुए कहा कि दो विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है। साथ ही उन्होने दावा किया कि बीजेपी के कई सांसद मुझसे छुपकर मिलते हैं और कहते है कि अब सहा नही जाता है। ऊपर से आदेश आता है, हमें पालन करना पड़ता है, फिर चाहे अच्छा लगे या नहीं लगे, बीजेपी में किसी की नही चलती।

उन्होंने कहा, हमारे प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष नाना पटोले ने सवाल किया कि जीएसटी से किसानों का क्या फायदा हुआ तो ये सवाल उन्हें अच्छा नहीं लगा। उन्हें पार्टी ने बाहर का रास्ता दिखा दिया। राहुल गांधी ने कहा कि हमसे सवाल किया जाता है कि कांग्रेस ने क्या किया? आजादी से पहले देश में आते तो 500 से 600 से राजा मिलते और अंग्रेज थे। हिंदुस्तान की जनता को इस देश में कोई अधिकार नहीं था।

Noida से दिल्ली..स्कूलों में विंटर ब्रेक को लेकर नया अपडेट पढ़िए

मानसी शर्मा /- देश के कई राज्यों में इन दिनों भयंकर ठंड पड़ रही है। कुछ राज्यों में दिन ब दिन ठंड बढ़ती ही जा रही है, जिस वजह से बच्चों को सुबह स्कूल जाने में काफी समस्या का सामना हो रही है। इतना ही नहीं सड़कों पर वाहन चलाने में भी लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। हाल ही में स्टूडेंट के लिए एक बड़ी अपडेट सामने आई है। आपको बता दें कि सर्दियों की छुट्टियों का ऐलान कर दिया गया है। आईए जानते हैं किस राज्य में कब से लेकर कब तक रहेंगे स्कूल बंद।

उत्तर प्रदेश के शिक्षा निदेशालय की तरफ से बड़ी खबर सामने आ रही है। यह खबर नोएडा, ग्रेटर नोएडा समेत यूपी के सभी स्कूलों से जुड़ी है। दरअसल, नोएडा, ग्रेटर नोएडा समेत पूरे यूपी में स्कूलों में सर्दियों की छुट्टियां घोषित कर दी गई है। विंटर वोकेशन घोषित होने के बाद कड़ाके की ठंड में स्कूल कालेज जाने वाले छात्र छात्राओं को काफी राहत मिलेगी।

Noida School Winter Vacation 2024

राजधानी दिल्ली समेत आस पास के इलाकों में कड़ाके ठंड पड़ने के साथ ही जबरदस्त कोहरा भी पड़ना शुरू हो गया है। कोहरे के कारण यूपी के अलग अलग हिस्सों में सड़क हादसे भी हो रहे हैं। कोहरा और ठंड के प्रकोप के चलते स्कूल कालेजों में छात्र छात्राओं की उपस्थित भी काफी कम हो गई है।

सर्दी और कोहरे को देखते हुए यूपी के शिक्षा विभाग ने स्कूलों में शरदकालीन छुट्टियां घोषित करने का फैसला किया है। यूपी के शिक्षा निदेशालय से मिली जानकारी के मुताबिक, गाजियाबाद, नोएडा, ग्रेटर नोएडा समेत पूरे उत्तर प्रदेश में स्कूलों के लिए सर्दी की छुटियों की तारीखों की घोषणा हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार यूपी के स्कूलों में 31 दिसंबर 2023 से 14 जनवरी 2024 तक शीतकालीन अवकाश रहेगा। इसके बाद स्कूल 15 जनवरी से नियमित तौर पर खोले जाएंगे।

दिल्ली में 6 जनवरी तक स्कूल बंद ठंड को देखते हुए दिल्ली में भी राज्य सरकार के भी सरकारी और प्राइवेट स्कूलों में सर्दी की छुटियां जनवरी 2024 के पहले सप्ताह के दौरान घोषित करने के निर्देश जारी किए हैं। शिक्षा निदेशालय के सर्कुलर के मुताबिक राष्ट्रीय राजधानी के स्कूलों में 1 जनवरी से 6 जनवरी तक छुट्टी रहेगी। इसके बाद 7 जनवरी को रविवार होने के कारण स्कूलों को अब 8 जनवरी 2024 से खोला जाएगा। 1 जनवरी से लेकर 6 जनवरी तक किसी भी स्कूल में फिजिकल कक्षाएं नहीं ली जाएंगी।

हरियाणा में 16 जनवरी से खुलेंगे स्कूल

हरियाणा में भी ठंड को देखते हुए हरियाणा सरकार ने प्रदेश के सभी सरकारी तथा प्राइवेट स्कूलों में एक से 15 जनवरी तक विंटर वेकेशन का फैसला किया है। हरियाणा में 16 जनवरी को फिर से स्कूल खोले जाएंगे। इस संबंध में प्रदेश के सभी जिलों के जिला शिक्षा अधिकारियों एवं जिला मौलिक अधिकारियों एवं खंड शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी कर दिए गए हैं।

राजस्थान में भी छुट्टियां

राजस्थान में स्कूलों के लिए विंटर वेकेशन की तारीखों का ऐलान पहले ही कर दिया गया था। आधिकारिक अपडेट के मुताबिक राजस्थान के स्कूलों में 24 दिसंबर से ही सर्दी की छुट्टियां चल रही हैं और ये 5 जनवरी तक जारी रहेंगी। हिमाचल प्रदेश में भी स्कूलों में विंटर वेकेशन घोषित कर दी गई हैं। शिक्षा विभाग के सर्कुलर के मुताबिक स्कूलों में 1 जनवरी से विंटर वोकेशन रहेगा। पंजाब के स्कूलों में सर्दी की छुट्टियां पहले से ही चल रही हैं। पंजाब में 24 से 31 दिसंबर 2023 तक स्कूल रखने की घोषणी की गई है।

कृषि विज्ञान केन्द्र उजवा में इंटरफेस कार्यकम की शुरूआत

-केंद्र में अटल टिंकरिंग लैब्स से जुड़े दिल्ली के 5 स्कूलों में किया गया एक एक्सपोजर विजिट का आयोजन

नजफगढ़/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- नीति आयोग का अटल नवाचार मिशन (एआईएम) और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार ने देश भर के स्कूली छात्र-छात्राओं के बीच कृषि क्षेत्र से संबंधित नवाचार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्रों (केवीके) और कृषि प्रौद्योगिकी प्रबंधन एजेंसी (आत्मा) के साथ अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल) को जोड़ने की शुरूआत की थी, जिससे विधार्थियो को शिक्षा एवं कृषि वैज्ञानिकों के सहयोग कृषि नवाचार विकसित करने का प्लेटफार्म उपलब्ध करवाया जाए। इस पहल में 11 कृषि विज्ञान केन्द्रों को 55 अटल टिकरिंग प्रयोगशालाओं से जोड़ा गया, जिसमें से एक कृषि विज्ञान केन्द्र, दिल्ली भी है, जो राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के विधालयों को एक कृषि के संबधित नवाचार को बढ़ावा देने के लिए प्लेटफार्म उपलब्ध करवायेगा।

इसी संदर्भ में, 27 दिसम्बर, 2023 को दिल्ली के अटल टिंकरिंग लैब्स (एटीएल) से जुड़ी हुई 5 स्कूलें महाराजा अग्रसेन मॉडल स्कूल, पीतमपुरा, डी.ए.वी पब्लिक स्कूल, वसंत कुंज, ज्ञान मंदिर पब्लिक स्कूल, नारायणा विहार, बाल भारती पब्लिक स्कूल, द्वारका और रामजस इंटरनेशनल स्कूल, आर के पुरम के छात्रों के लिए कृषि विज्ञान केंद्र, उजवा, दिल्ली में एक एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य छात्रों और शिक्षकों को केन्द्र में की जा रही कृषि के सबंधित गतिविधियों के बारे में जागरुक करना। क्योकिं कृषि विज्ञान केंद्र, जो ह्लएकल खिड़की कृषि ज्ञान संसाधन और क्षमता विकास केंद्रह्व के रूप में कार्य करता है एवं कृषि से संबंधित नवाचार का समर्थन करने के लिए इन ए. एक्टिवेट टी.एल से जुड़े स्कूलों के छात्रों के साथ सहयोग करेगा। कार्यक्रम के शुरूआत में केवीके, दिल्ली के अध्यक्ष डॉ. डी के राणा ने कार्यक्रम की शुरूआत की और किसानों और अन्य हितधारकों के बीच आधुनिक कृषि पद्धतियों पर ज्ञान और जानकारी का प्रसार करने में केवीके की भूमिका पर विस्तृत जानकारी दी। साथ में ही, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि केवीके नई और बेहतर प्रौद्योगिकियों, फसल किस्मों और पशुधन नस्लों को बढ़ावा देकर टिकाऊ कृषि को बढ़ावा दे रहे हैं और भूमि उत्पादकता बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कृषि क्षेत्र की समस्याओं का समाधान खोजने के लिए ह्लएकीकृत शिक्षण दृष्टिकोणह्व अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस अवसर पर डॉ. ऋतु सिंह, विशेषज्ञ (गृह विज्ञान) ने केवीके के द्वारा किसान कल्याण विभिन्न गतिविधियों के बारे में जागरुक किया। उन्होंने कृषि की विभिन्न चुनौतियों से निपटने के लिए केन्द्र के सहयोग से क्षमता स्थापित करने के बारे में बात की।

कार्यक्रम के दौरान वैज्ञानिकों ने केन्द्र के विभिन्न प्रयोगात्मक एवं प्रदर्शन इकाईयों जैसे प्रौधोगिकी पार्क, हाइड्रोपोनिक्स प्रणाली, शेड नेट में नर्सरी तैयार करना, सूक्ष्म सिंचाई नर्सरी, सौर फार्म प्रदर्शन इकाई, गृह वाटिका, छत पर बागवानी मॉडल, पॉली हाउस, वर्मीकम्पोस्ट इकाई, मशरूम उत्पादन इकाई, प्राकृतिक खेती, कस्टम हायरिंग सेंटर, बकरी पालन, स्वचालित मौसम वेधशाला एवं कृषि ड्रोन का भ्रमण करवाते हुए विस्तृत जानकारी दी एवं साथ में विधार्थियों के परियोजना के संबंधित प्रश्नोत्तरी एवं विभिन्न कृषि मुद्दों पर भी चर्चा की गई ताकि युवाओं के माध्यम से कृषि में नए नवाचारों को बढ़ावा देकर टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने और किसानों के जीवन में सुधार ला सकें इसी उम्मीद के साथ भविष्य के सहयोग की योजना बनाकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

पुतिन ने पीएम मोदी को रूस आने का दिया न्यौता

मॉस्को/नई दिल्ली/- रूस दौरे पर गये भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बुधवार को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि ह्लगातार दूसरे साल भारत के साथ हमारा व्यापार बढ़ा है। इस साल विकास दर, पिछले साल के मुकाबले भी ज्यादा रही। हम कई अहम क्षेत्रों में साथ मिलकर काम कर रहे हैं। साथ ही हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि दुनिया में जारी उथल-पुथल के बावजूद हमारे एशियाई पारंपरिक दोस्त भारत और उसके लोगों के साथ हमारे रिश्ते लगातार मजबूत हो रहे हैं ह्व वार्ता के दौरान पुतिन ने दोस्त पीएम मोदी को रूस आने का न्यौता भी दिया। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात के दौरान रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने पीएम मोदी को द्विपक्षीय संबंधों, भू-राजनैतिक मुद्दों और यूक्रेन संघर्ष के मुद्दे पर चर्चा के लिए रूस आने का न्यौता दिया। पुतिन ने कहा कि हमें खुशी होगी कि अगर हमारे दोस्त पीएम मोदी रूस आएं। इससे हम सभी मौजूदा मुद्दों पर बातचीत कर सकेंगे।

गरीबों को कंपकपाती ठंड से बचाने का बीड़ा उठा रही पायल लाठ-मानवता की मिसाल बनी पायल, मिशन राहत के तहत गनियारी हॉस्पिटल पहुंची एक नया सवेरा वेलफेयर फाउंडेशन की टीम

बिलासपुर/छत्तीसगढ़/शिव कुमार यादव/- पायल एक नया सवेरा वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से गनियारी अस्पताल बिलासपुर में 300 जरूरतमंद लोगों को सर्दी से बचाव के लिए ब्लैंकेट, स्वेटर, और बिस्किट वितरित किया गया। इस योजना का मुख्य उद्देश्य गरीबों को संक्रमणों और सर्दी से बचाकर उन्हें जानलेवा ठंड से निजात दिलाना था।

इस अवसर पर फॉउंडेशन की संस्थापिका पायल लाठ ने कहा कि यह समर्पित कदम मानवता के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। विशेषकर, इस ठंड में यह उपहार एक महत्वपूर्ण सेवा साबित हुई है जो हर समाज में मदद पहुंचाने का उद्देश्य रखता है। एक नया सवेरा वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्ष पायल लाठ ने बताया इस नेक कार्य में पूनम अग्रवाल, राजवीर लाठ एवं श्रुति केडिया खेड़िया की उल्लेखनीय भागीदारी रही। सर्दी में गरीब परिवार के लोगों की हालत खराब को देखते हुए पायल एक नया फॉउंडेशन की संस्थापिका पायल शब्द लाठ शहर और आसपास के गाँवों में जरूरतमंदों को लगातार गर्म कपड़े वितरित कर रही हैं। पायल का कहना है कि झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाले गरीब कंपकपाती ठंड में कैसे रात काटते हैं, इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। इसी दर्द को समझते हुए पायल एक नया सवेरा फाउंडेशन गरीबों में गर्म कपड़े बांटने का काम करती आ रही है। मेरी सलाह है कि हम सभी को गर्म कपड़ों का दान देकर गरीबों की मदद करनी चाहिए। गरीबों की दुवाएं लेकर हम अपना जीवन धन्य कर सकते है। गरीब की सहायता करना सबसे बड़ा पुण्य का काम है। पायल एक नया सवेरा फाउंडेशन गरीब लोगों में स्वेटर, जैकेट और शॉल गरीबों को प्रदान करती आ रही है।

रूस के खिलाफ अमेरिका ने की यूक्रेन के लिए 250 मिलियन डॉलर के नए पैकेज की घोषणा,

वाशिंगटन/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- अमेरिका के विदेश विभाग ने एक बार फिर यूक्रेन की मदद के लिए सैन्य सहायता पैकेज की घोषणा की है। विदेश विभाग ने 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर की सहायता का एलान किया है। विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सहायता पैकेज जारी करने की जानकारी दी। बिल्कंन ने कहा कि सहायता पैकेज यूक्रेन को 250 मिलियन अमेरिकी डॉलर तक के हथियार और सैन्य उपकरण प्रदान करता है। इसमें गोला-बारूद सहित अन्य सैन्य उपकरण शामिल है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यह अंतिम सहायता पैकेज है, जो बाइडन प्रशासन बिना सांसदों की रजामंदी के यूक्रेन को दे सकता है। इसके बाद अब बिना कांग्रेस की इजाजत के अमेरिका यूक्रेन की मदद नहीं कर पाएगा।

सहायता पैकेज के लिए इसी महीने अमेरिका गए थे जेलेंस्की

बता दें, इसी महीने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की अमेरिका के दौरे पर आए थे। उन्होंने व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रूस के खिलाफ जारी युद्ध के बीच सहायता राशि की मांग की थी। उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस और अमेरिका के वरिष्ठ अधिकारियों से भी मुलाकात की थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, यूक्रेन के सहायता पैकेज का प्रस्ताव फिलहाल कांग्रेस में लंबित है। इसी पैकेज को पास करवाने के लिए जेलेंस्की ने बाइडन सहित विभिन्न अधिकारियों से मुलाकात की थी। जेलेंस्की ने कांग्रेस नेताओं ने अनुरोध किया है कि वे जल्द फंडिंग की अनुमति दे दें।

बाइडन ने रूस पर भी साधा पर निशाना

जेलेंस्की के साथ बैठक के दौरान बाइडन ने कहा था कि कांग्रेस को छुट्टियों पर जाने से पहले यूक्रेन को लंबित राशि देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा था कि हमने देखा है कि जब तानाशाह मौत और विनाश की कीमत नहीं चुकाते तो क्या होते हैं। उन्हें बढ़ावा मिलता है और वह बढ़ते रहते हैं।

रूस की आक्रमकता में आई कमी

एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, रूस ने जब युद्ध शुरू किया था तो उसके पास 3,60,000 सैनिक थे लेकिन युद्ध के मैदान में देश ने अपने 3,15,000 जवानों को खो दिया। मॉस्को के अब तक 3500 में से 2,200 टैंक तबाह हो चुके हैं। इनके अलावा, 13,600 पैदल सेना के लड़ाकू वाहनों और बख्तरबंद कर्मियों के वाहक में से 13,600 भी नष्ट हो गए है। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि नवंबर के अंत तक रूस जमीनी बलों के हथियारों के अपने भंडार का एक चौथाई से अधिक खो चुका है। इतने बड़े नुकसान से कहीं न कहीं रूस की आक्रमता में कमी आई है, लेकिन फिर भी मॉस्को हार मानने को तैयार नहीं है।

इजराइल-हमास युद्ध के चलते भुखमरी के कगार पर पंहुचा गाजा, लोग दाने-दाने को मोहताज

गाजा/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- युद्ध की विभिषिका झेल रही गाजा पट्टी की जनसंख्या भुखमरी के कगार पर पहुंच गई है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर जल्द ही युद्धविराम नहीं हुआ तो हालात बद से बदतर हो जाएंगे। विश्व स्वास्थ्य संगठन का दावा है कि गाजा में हालात इस कदर खराब हैं कि वहां के 36 अस्पतालों में से महज 15 ही आधी-अधूरी सुविधाओं के साथ काम कर रहे हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने दी चेतावनी

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) के चीफ टेड्रोस गैब्रेसिस ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि गाजा में युद्धविराम के लिए तुरंत कदम उठाए जाएं वरना गाजा में गंभीर मानवीय संकट पैदा हो सकता है। फिलहाल गाजा में भुखमरी और गंभीर बीमारियां फैलने का खतरा मंडरा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि गाजा में लोग उनके राहत सामग्री के काफिले को लूट रहे हैं। अस्पतालों में दवाईंयां, मेडिकल सप्लाई, खाना और ईंधन लेकर जा रहे काफिले को भूख से परेशान लोग रास्ते में ही लूट रहे हैं, जिससे उनकी सप्लाई बाधित हो रही है।

गाजा में तुरंत युद्धविराम करने की जरूरत

डब्लूएचओ चीफ ने कहा कि अगर खाने की सप्लाई ऐसे ही बाधित होती रही तो उनके लिए गाजा में राहत कार्य करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। बीते हफ्ते संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक में गाजा में मानवीय मदद पहुंचाने पर सहमति बनी लेकिन संघर्ष विराम को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ। इस पर डब्लूएचओ चीफ का कहना है कि मानवीय मदद की सप्लाई से उन्हें थोड़ी उम्मीद बनी है कि गाजा में हालात बेहतर होंगे लेकिन गाजा में तुरंत युद्धविराम करने की जरूरत है।

गाजा में स्वास्थ्य व्यवस्था हुई तबाह

गाजा में स्वास्थ्य व्यवस्था तबाह हो गई है। गाजा के अस्पतालों में दवाईयां, डॉक्टरों और अन्य मेडिकल सप्लाई की भारी कमी है। अस्पतालों में लोग शरण लिए हुए हैं। गाजा के अल शिफा अस्पताल में ही 50 हजार लोग शरण लिए हुए हैं। वहीं अल अमाल अस्पताल में 14 हजार लोग रह रहे हैं। गाजा के अधिकतर अस्पताल क्षतिग्रस्त हैं और बुरी तरह से तबाह हो चुके हैं। बड़ी संख्या में लोग पलायन कर रहे हैं।

निज्जर हत्याकांड को लेकर कनाडा पुलिस का बड़ा दावा

कहा- हत्याकांड में दो संदिग्धों की जल्द गिरफ्तारी संभव

ओटावा/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- निज्जर हत्याकांड को लेकर कनाडा पुलिस ने बड़ा दावा किया है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि हफ्ते भर में निज्जर हत्याकांड से जुड़े दो संदिग्धों को कनाडा पुलिस गिरफ्तार कर सकती है। दरअसल भारत और कनाडा के बीच हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड बड़े विवाद का विषय बना हुआ था। मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि दोनों कथित संदिग्ध फिलहाल पुलिस सर्विलांस पर हैं और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार किया जा सकता है।

निज्जर हत्याकांड के बाद से ही कनाडा में हैं दोनों संदिग्ध

कनाडा के मीडिया ने सूत्रों के हवाले से दावा किया है कि दोनों संदिग्धों ने निज्जर की हत्या के बाद से ही कनाडा नहीं छोड़ा है और उसके बाद से ही पुलिस उन पर नजर रखे हुए है। जांच टीम ने मीडिया रिपोर्ट्स की जानकारी होने की बात कही लेकिन इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। बता दें कि बीते जून में कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत में खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी।

कनाडा के पीएम ने भारत पर लगाए थे आरोप

कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने सितंबर में कनाडा की संसद में बयान जारी कर आरोप लगाया था कि निज्जर की हत्या में भारत के एजेंट्स का हाथ है। भारत ने कनाडा के आरोपों को बेबुनियाद बताकर खारिज कर दिया था। इस घटना के बाद दोनों देशों के रिश्तों में भी तनाव आ गया है। बुधवार को कनाडा की पुलिस ने बताया कि जब आरोप तय हो जाएंगे, उसके बाद निज्जर हत्याकांड में कथित संदिग्धों की संलिप्तता के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। निज्जर हत्याकांड पर बीते दिनों भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने राज्यसभा को बताया कि कनाडा ने अभी तक कोई पुख्ता सबूत नहीं दिए हैं।

भारत ने पाकिस्तान से की मोस्ट वांटेड आतंकी हाफिज सईद के प्रत्यर्पण की मांग

-मुंबई हमले का मास्टरमाइंड है आतंकी हाफिज सईद

इस्लामाबाद/नई दिल्ली/- भारत ने पाकिस्तान से लश्कर ए तैयबा के संस्थापक और खूंखार मोस्ट वांटेड आतंकी हाफिज सईदी के प्रत्यर्पण की मांग की है। पाकिस्तानी मीडिया के हवाले से ये खबर आई है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत ने हाफिज सईद के प्रत्यर्पण के लिए पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय से औपचारिक मांग की है। बता दें कि हाफिज सईद पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड है। भारत सरकार ने पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय से हाफिज सईद को भारत प्रत्यर्पित करने की कानूनी कार्रवाई शुरू करने की अपील की है। हालांकि पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने अभी तक इस पर कोई एक्शन नहीं लिया है।

भारत में मोस्ट वॉन्टेड है हाफिज सईद

बता दें कि हाफिज सईद एक पाकिस्तानी आतंकी और आतंकी संगठन लश्कर ए तैयबा का संस्थापक है और जम्मू कश्मीर में कई आतंकी घटनाओं में शामिल रहा है। भारत में वह मोस्ट वॉन्टेड आतंकियों की लिस्ट में शामिल है। साल 2008 में मुंबई में हुए आतंकी हमले और पुलवामा हमले का मास्टरमाइंड भी हाफिज सईद ही है। कुछ साल पहले तक हाफिज सईद पाकिस्तान में खुला घूम रहा था और अपने संगठन के लिए चंदा जुटा रहा था लेकिन अंतरराष्ट्रीय दबाव बढ़ने के बाद साल 2019 में हाफिज सईद को पाकिस्तान में गिरफ्तार किया गया और आतंक के वित्त पोषण के आरोप में उसे 15 साल जेल की सजा सुनाई गई। बीते साल भी पाकिस्तान की अदालत ने हाफिज सईद को आतंकी घटनाओं के लिए पैसे जुटाने के आरोप में 31 साल जेल की सजा सुनाई थी।

पाकिस्तान में चुनाव लड़ रही हाफिज सईद की पार्टी

अमेरिका ने भी हाफिज सईद को आतंकी घोषित किया हुआ है और उस पर एक करोड़ डॉलर का इनाम घोषित किया हुआ है।

गौरतलब है कि पाकिस्तान में हाफिज सईद भले ही कथित तौर पर जेल में बंद है लेकिन पाकिस्तान में अगले साल होने वाले आम चुनाव में उसकी पार्टी पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार रही है। हाफिज सईद का बेटा तल्हा सईद भी लाहौर सीट से पार्टी का उम्मीदवार है। पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग प्रतिबंधित संगठन जमात उद दावा की राजनीतिक शाखा है।

स्केटिंग में दूसरी बार नेशनल चैपियन बनी नोएडा की समृद्धि-7 साल की उम्र में स्केटिंग में जीते 32 गोल्ड मेडल,

नोएडा/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- नोएडा की 7 साल की समृद्धि ने दूसरी बार नेशनल चैंपियनशिप में बेंगलुरु में आयोजित राष्ट्रीय स्केटिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतकर नोएडा का नाम रोशन कर दिया है। उनकी इस उपलब्धि पर नोएडा वासियों व स्कूल प्रबंधन ने समृद्धि को बधाई दी है।

जब समृद्धि स्केटिंग से दौड़ लगाना शुरू करती है तो अच्छे-अच्छों को पीछे छोड़ देती है। ग्रेटर नोएडा की रहने वाली समृद्धि ने साढ़े 3 साल की उम्र में स्केटिंग सीखना शुरू किया था और अभी तक 32 से ज्यादा गोल्ड जीत चुकी है। आज 7 साल की उम्र में समृद्धि 2 बार की नेशनल चैंपियन हैं। ये सभी मेडल डिस्ट्रिक्ट, स्टेट और नेशनल लेवल पर जीते गए हैं।

हाल ही में समृद्धि दूसरी बार नेशनल चैंपियन बनी हैं। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए समृद्धि ने बहुत मेहनत की है। समृद्धि बताती हैं कि वो सुबह जल्दी उठ जाती हैं। स्कूल जाने से दो घंटे पहले ट्रैप पर जाकर स्केटिंग की प्रैक्टिस करती हैं। यही नहीं, स्कूल के लौटने के बाद भी वो स्केटिंग की प्रैक्टिस करती हैं। समृद्धि बताती हैं कि वो अपनी डाइट का भी बेहद ख्याल रखती हैं। सात साल की समृद्धि सिर्फ वही खाना खाती हैं जिससे उन्हें एनर्जी मिले और स्टैमिना बढ़े। समृद्धि की उम्र अभी महज सात साल है लेकिन समृद्धि का सपना इस छोटी सी उम्र में भी बहुत बड़ा है। वह चाहती हैं कि अब वो देश के लिए ओलंपिक में मेडल लेकर आएं। यूं तो समृद्धि स्केटिंग में माहिर हैं लेकिन वह कहती हैं कि वह बड़ी होकर जज बनना चाहती हैं।

ऑक्सफोर्ड ग्रीन पब्लिक स्कूल न केवल अपनी शिक्षा बल्कि बच्चों के समग्र विकास के लिए पूरे जनपद में अपनी विशिष्ट पहचान रखता है। ऑक्सफोर्ड के विद्यार्थियों ने पढ़ाई के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता और खेलों में भी विद्यालय का नाम रौशन किया है। विद्यालय की उपलब्धियों में एक और विशिष्ट उपलब्धि जुड़ी है। विद्यालय की कक्षा 1 की छात्रा समृद्धि ने बेंगलुरु में आयोजित राष्ट्रीय स्केटिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीता है। जनपद, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर अनेक मेडल जीतने वाली समृद्धि को नेशनल स्केटिंग प्रतियोगिता में गोल्ड मेडल जीतने पर प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रबंध निदेशिका नूतन भाटी ने समृद्धि के परिजनों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय अपने बच्चों को वो सब सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है, जो उनके विभिन्न क्षेत्रों में विकास और नाम चमकाने के लिए आवश्यक हैं। विद्यालय द्वारा वर्ष दर वर्ष हासिल की जा रही शानदार उपलब्धियों के चलते क्षेत्र के लोगों का अटूट विश्वास ऑक्सफोर्ड स्कूल पर बना हुआ है। वही विद्यालय की प्रधानाचार्या मीनाक्षी बांगर ने भी समृद्धि और उसके परिवार को शुभकामनाएं दीं।

राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान गर्भगृह में मौजूद रहेंगे 5 लोग...

-पीएम मोदी, सीएम योगी, राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, संघ प्रमुख मोहन भागवत व मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास के नाम का हुआ खुलासा

अयोध्या/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- अयोध्या में प्रभु रामलला के नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसको लेकर विशेष कार्यक्रम तैयार किए जा रहे हैं। मंदिर के उद्घाटन समारोह को लेकर अयोध्या को अलग ही लुक दिया गया है। पूरे शहर को सजाया गया है। वहीं, प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान राम मंदिर में मौजूद रहने वाले गणमान्य के नाम भी सामने आ गए हैं। दरअसल, मंदिरों में भगवान के प्राण प्रतिष्ठा का समारोह काफी अलग प्रकार का होता है। इस दौरान कुछ ही लोगों के गर्भगृह में मौजूदगी होती है। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के दौरान भी गर्भगृह में केवल पांच लोग रहेंगे। इस यज्ञ के यजमान के रूप में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंदिर के गर्भगृह में उपस्थित रहेंगे। उनके अलावा यूपी की राज्यपाल आनंदी बेन पटेल, संघ प्रमुख मोहन भागवत, यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ और राम मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास इस कार्यक्रम के दौरान मौजूद रहेंगे।

रामलला के आंखों से हटाई जाएगी पटटी

नए मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम की रूपरेखा भी सामने आई है। भगवान राम के बालरूप प्रभु रामलला की प्रतिमा की आंखों पर पट्?टी लगी होगी। 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दौरान उनकी आखों से यह पट्?टी हटाई जाएगी। इस समय पीएम नरेंद्र मोदी गर्भगृह में मौजूद रहेंगे। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के लिए आचार्यों की तीन टीमों का गठन किया गया है।

आचार्यों के पहली टीम की अगुआई स्वामी गोविंद देव गिरी करेंगे। वहीं, आचार्यों की दूसरी टीम को कांची कामकोटि शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती लीड करेंगे।

आचार्यों की तीसरी टीम में काशी के 21 विद्वान रहेंगे। रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की प्रक्रिया का भी विवरण भी सामने आया है। शास्त्रों के अनुसार, प्राण- प्रतिष्ठा के समय गर्भगृह का परदा बंद रहता है। पट्टी हटाने के बाद मूर्ति को आइना दिखाया जाता हैं। मान्यता है कि भगवान अपने नए आवास में पहले खुद का चेहरा देखते हैं। इसके बाद वे अपने धाम से भक्तों को दर्शन देते हैं। इसको लेकर विधि को पूरा कराए जाने की तैयारी की गई है। पूरे शहर को इस कार्यक्रम के लिए सजाया जा रहा है। शहर की प्रमुख सड़कों को सूरज की थीम वाले स्तंभों से सजाया जा रहा है। 30 फीट ऊंच स्तंभों पर एक सजावटी गोला बना हुआ है। यह रात की लाइटिंग में सूर्य का आभास देता है। धर्म पथ पर ऐसे 40 स्तंभ लगाए जा रहे हैं।

मेरे चुनाव में उतरने से हिन्दुओं को मिलेगी हिम्मत- सवेरा प्रकाश

बोली पाकिस्तान में भी मोदी जैसे नेता की जरूरत

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- पाकिस्तान में अगले साल 8 फरवरी को होने वाले आम चुनाव में इस बार काफी कुछ नया देखने को मिल रहा है। इस बार पाकिस्तान में भारत के मोस्ट वांटेड आतंकी हाफिज सईद की पार्टी भी चुनाव लड़ रही है वही एक हिन्दू महिला डाक्टर भी चुनाव मैदान में है। जिसकारण पड़ोसी मुल्क में सियासी गर्माहट देखने को मिल रही है। चुनाव के मद्देनजर उम्मीदवारों ने अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। इस बीच पाकिस्तान में एक नाम चर्चा का विषय बना हुआ हैं। दरअसल, एक हिंदू महिला डॉक्टर सवेरा प्रकाश भी इसबार खैबर पख्तूनख्वा की बुनेर सीट से चुनाव लड़ रही है। उनका कहना है कि पाकिस्तान में भी एक मोदी जैसे नेता की जरूरत है और उनके चुनाव लड़ने से हिन्दुओं को ताकत मिलेगी।

डॉ सवेरा प्रकाश पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा की बुनेर सीट से पाकिस्तान की राजनीतिक पार्टी पाकिस्तान पीपल्स पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ रही हैं हालांकि उनके लिए यह चुनाव बिल्कुल भी आसान नहीं है। फिर भी मीडिया से हुई खास बात-चीत के दौरान उन्होंने अपनी मुश्किलों के बारे में खुलकर बताया है।

76 सालों में पहली बार कोई हिन्दू महिला उम्मीदवार

25 वर्षीय सवेरा प्रकाश ने बताया कि 76 सालों में पहली बार ऐसा हुआ है कि कोई हिन्दू महिला चुनावी मैदान में उतरी है लेकिन मुझे जनता का भरपूर साथ और आशीर्वाद मिल रहा है। अल्पसंख्यक होने के बाद भी मुझे बहुत सपोर्ट मिल रहा है। यहां लोगों ने मुझे डॉटर ऑफ बुनेर का टाइटल दे दिया है, जो मेरे लिए सम्मान की बात है। मुझे खुद विश्वास नहीं हो रहा कि मुझे इतना प्यार मिल रहा है।

अल्पसंख्यकों को हिम्मत मिलेगी

सवेरा आगे कहती है कि पाकिस्तान में कोई अल्पसंख्यक महिला आगे नहीं आ रही थी, ऐसे में मेरे लिए यह बेहद हिम्मत का काम था, जो मैंने कर दिखाया। हार जीत अलग बात है लेकिन मेरे चुनाव में खड़े होने के बाद अल्पसंख्यक महिलाओं के अंदर हिम्मत आएगी। आगे सवीरा कहती है कि मैं एक मध्यमवर्गीय परिवार से ताल्लुक रखती हूं, और चुनाव जीतने के बाद मैं अल्पसंख्यकों के मुद्दों पर काम करूंगी। हमें जो संवैधानिक अधिकार मिला हुआ है, इसका अर्थ हमें समझने की जरूरत है।

पाकिस्तान को भी मोदी जैसे नेता की जरूरत

पाकिस्तान की पहली हिंदू महिला उम्मीदवार ने कहा कि पाकिस्तान को भी मोदी जैसे किसी नेता की जरूरत है, आज के दौर में पाकिस्तान में अस्थिरता है, अर्थव्यवस्था भी कमजोर हुई है ऐसे में यहां स्थिरता की जरूरत है।

डायमंड बुक्स के चेयरमैन नरेन्द्र कुमार वर्मा को मिला अटल गौरव सम्मान-2023

-प्रधानमंत्री संग्रहालय में अटल फाउंडेशन ने किया अटल गौरव सम्मान का आयोजन

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- भारत रत्न एवं भूतपूर्व प्रधनमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की स्मृति में दिया जाने वाला पुरस्कार डायमंड बुक्स के चेयरमैन श्री नरेन्द्र कुमार वर्मा को दिया गया है। प्रधानमंत्री संग्रहालय में अटल फाउंडेशन द्वारा अटल गौरव सम्मान -2023 का आयोजन किया गया।

अटल जी के विचारों को जीवित रखने के लिए जितना बन पड़ा डायमंड बुक्स ने अपने प्रकाशन के माध्यम से हमेशा प्रयास किया है। समाज को सभ्य बनाने के लिए युगपुरुष अटल जी बहुत ही प्रासंगिक हैं। अटल जी के जीवन काल में अटल जी के भाषणों, कविताओं और उनके व्यक्तित्व पर कई पुस्तकें विभिन्न भारतीय भाषाओं में प्रकाशित कर अटल जी के संदेश को जन-जन तक पहुँचाने में डायमंड बुक ने भरसक प्रयास किया है। अटल जी का व्यक्तित्व और भारत के लिए उनका योगदान युगों तक प्रासंगिक रहेगा।

इतिहास में पहली बार शीतकालीन चारधाम यात्रा आरंभ

-ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद करेंगे 7 दिवसीय यात्रा का नेतृत्व

हरिद्वार/शिव कुमार यादव/- इतिहास की पहली शीतकालीन चारधाम यात्रा की शुरूआत बुधवार से हरिद्वार से शुरू हो गई। ज्योतिषपीठ के शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के नेतृत्व में 27 दिसंबर, बुधवार से उत्तराखंड स्थित चार धामों की यात्रा की जा रही है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद वो करने जा रहे हैं, जो देश के इतिहास में आज तक नहीं हुआ है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सुबह 8 बजे हरिद्वार से शीतकालीन चारधाम यात्रा पर रवाना हो गए। यात्रा 2 जनवरी तक चलेगी।

शीतकालीन चारधाम यात्रा क्यों

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का कहना है कि चार धाम यात्रा साल भर होना चाहिए। बर्फबारी और ठंड के कारण कुछ माह के लिए यात्रा बंद रहती है। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का कहना है कि वे खुद यात्रा पर जाएंगे और देखेंगे कि किस तरह की समस्याएं आती हैं। इससे देशभर के लोगों में संदेश जाएगा और वे 12 माह चार धाम यात्रा पर जाने के लिए प्रेरित होंगे।

शीतकालीन चार धाम यात्रा 27 दिसंबर से प्रारंभ होकर 2 जनवरी तक चलेगी। यात्रा का समापन हरिद्वार में होगा।

-27 दिसंबर को सुबह 8 बजे हरिद्वार से यात्रा शुरू होने के बाद चारधाम यात्रा परंपरा के अनुसार सबसे पहले यमुना जी की शीतकालीन पूजा के लिए खरसाली गांव में यमुना मंदिर में पहला पड़ाव होगा।

-28 दिसंबर को यात्रा आगे बढ़ेगी और उत्तरकाशी के रास्ते 29 दिसंबर को हर्षिल में गंगा जी की शीतकालीन पूजा स्थल मुखवा गांव पहुंचेगी।

-30 दिसंबर को उत्तरकाशी विश्वनाथ के दर्शन होंगे। यहां से केदारनाथ के शीतकालीन पूजा स्थल ओंकारेश्वर का मार्ग तय किया जाएगा।

-अगले दिन यानी 31 जनवरी को यात्रा बद्रीनाथ के शीतकालीन पूजा स्थल जोशीमठ पहुंचेगी। इस तरह चारधाम यात्रा पूरी करने के बाद स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके अनुयायी 2 जनवरी को हरिद्वार पहुंच जाएंगे।

गुरू लंगर के बाद अब सति भाई साई दास सेवा दल की चाय सेवा

-प्रतिदिन सुबह 6:30 बजे से 8:30 बजे तक रहेगी चाय सेवा जारी

नजफगढ़/शिव कुमार यादव/- ठिठुरती ठंड और मौसम के बदलाव को देखते हुए जरूरतमंदो की सेवा हेतु परम पूजनीय श्री गुरु गद्दीनशीन महंत श्री रामसुखदास महाराज जी की कृपा से सति भाई साई दास सेवा दल, नजफगढ़ ने गुरू लंगर के बाद अब चाय सेवा शुरू की है। चाय सेवा का शुभारंभ 30 दिसंबर से किया जाएगा।

बता दें कि आप सभी के सहयोग एवं सर्व सहमति से नित प्रतिदिन दिनांक 11 सितंबर 2023 से गुरु का लंगर सेवा (दोपहर 1 से 2 बजे) शुरू गई थी जिसको 29 दिसंबर को लंगर 108वें दिवस में प्रवेश कर जाएगा। इसकी सफलता को देखते हुए अब कड़ाके की ठंड में जरूरतमंदो की सेवा हेतु चाय सेवा का शुभारंभ 30 दिसंबर से किया जा रहा है। गुरू का लंगर पहले की तरह जारी रहेगा।

गुरू का लंगर व चाय सेवा गत वर्षो की भांति इस वर्ष भी सेवा दल यह सेवा नजफगढ़ 3 स्थानों पर करेगा।

1 श्री राम द्वार, नजदीक सोम बाजार चौक
(सुबह 6:30 बजे से 8 बजे तक)

2 हनुमान मंदिर तूड़ा मंडी
(सुबह 7:30 से 8:30 तक)

3 छावला स्टैंड (लेबर चौक)
(सुबह 7:30 से 8:30 तक)

चाय सेवा को सुबह 6:30 बजे बहादुरगढ़ स्टैंड (श्री चमन लाल जी दुकान) से झंडी दिखा कर सुबह 7:20 पर स्थानः- श्री राम द्वार, बहादुरगढ़ बस स्टैंड, नजफगढ़ से हनुमान मंदिर एवं छावला स्टैंड हेतू रवाना किया जाएगा। इसके साथ ही आप भी अपनी खुशियां जैसे जन्मदिन, शादी की सालगिरा एवं बुजुर्गो की यादें, हमारे साथ बांट सकतें हैं। हम उस दिन की सेवा आप के परिवार की तरफ से चलवाएगें। जो सज्जन गुरु का लंगर व चाय सेवा में दान देना चाहते है, आप नकद एवं सामान देकर यह सेवा कर सकते हैं।

संपर्क सूत्र :
श्री चमन लाल सिंधवानी जीः- 9810715255
श्री दीपक आनंद जीः- 9213777541
श्री मनोज आनंद जीः- 9250272517
श्री कपिल आनंद जीः 9891810880
श्री सुशील सिंधवानी जीः 925010177

भारत जोड़ो यात्रा के बाद राहुल की भारत न्याय यात्रा-14 जनवरी से 20 मार्च तक चलेगी, मणिपुर से मुंबई तक 6200 किमी का सफर

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- 2024 के लोकसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस के युवराज एक बार फिर भारत यात्रा पर निकल रहे है। इस बार राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा नही, भारत न्याय यात्रा शुरू कर रहे हैं। यह यात्रा 14 जनवरी से मणिपुर से शुरू होकर 20 मार्च को मुंबई में खत्म होगी। इस दौरान यात्रा 14 राज्य और 85 जिलों को कवर करेगी। इस दौरान राहुल गांधी बस से और पैदल 6 हजार 200 किलोमीटर से ज्यादा की यात्रा करेंगे। हालांकि भारत जोड़ो यात्रा से राहुल गांधी पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में सिर्फ तेलंगाना को ही अपने साथ जोड़ पाये थे अब भारत न्याय यात्रा से 2024 में कांग्रेस की क्या स्थिति रहेगी इस पर सबकी नजर है।

इस संबंध में कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और जयराम रमेश ने बुधवार को पार्टी हेडक्वार्टर में मीडिया को बताया कि भारत जोड़ो यात्रा के बाद कांग्रेस पार्टी भारत न्याय यात्रा करेगी। यह मणिपुर से शुरू होकर नगालैंड, असम, मेघालय, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड, ओडिशा, छत्तीसगढ़, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात से होते हुए महाराष्ट्र में समाप्त होगी।

मल्लिकार्जुन खड़गे न्याय यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे

कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे इस यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। भारत न्याय यात्रा का मकसद आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक न्याय है। इस यात्रा में राहुल युवाओं, महिलाओं और हाशिए पर पड़े लोगों से मुलाकात करेंगे। बस यात्रा से ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचा जाएगा। यात्रा में कुछ छोटे हिस्से को रुक-रुक कर पैदल भी कवर किया जाएगा। इसके अलावा 28 दिसंबर को कांग्रेस के स्थापना दिवस के मौके पर पार्टी नागपुर में महारैली करेगी। इसका नाम है- हैं तैयार हम। इस महारैली से 2024 लोकसभा चुनाव का शंखनाद होगा।

145 दिनों की भारत जोड़ो यात्रा कर चुके हैं राहुल

इससे पहले राहुल गांधी ने 7 सितंबर 2022 से 30 जनवरी 2023 तक भारत जोड़ो यात्रा की थी। 145 दिनों की यात्रा तमिलनाडु के कन्याकुमारी से शुरू होकर जम्मू-कश्मीर में खत्म हुई थी। तब राहुल ने 3570 किलोमीटर की यात्रा में 12 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों को कवर किया था।

श्रीनगर में यात्रा के समापन के मौके पर शेर-ए-कश्मीर क्रिकेट स्टेडियम में राहुल ने कहा था- मैंने यह यात्रा अपने लिए या कांग्रेस के लिए नहीं बल्कि देश की जनता के लिए की है। हमारा उद्देश्य उस विचारधारा के खिलाफ खड़ा होना है जो इस देश की नींव को नष्ट करना चाहती है। यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने 12 सभाओं को संबोधित किया था, 100 से ज्यादा बैठकें और 13 प्रेस कॉन्फ्रेंस की थीं। उन्होंने चलते हुए 275 से ज्यादा चचाओं में हिस्सा लिया, जबकि कहीं रुककर 100 के करीब चचाएं कीं।

नेता, लेखक, सैन्य दिग्गज भी यात्रा में शामिल हुए भारत जोड़ो यात्रा के दौरान मशहूर हस्तियों, लेखकों, सैन्य दिग्गजों की भागीदारी भी रही। इनमें पूर्व सेना प्रमुख जनरल (रिटायर्ड) दीपक कपूर, पूर्व नौसेना प्रमुख एडमिरल (रिटायर्ड) एल रामदास और पूर्व ल्ट गवर्नर रघुराम राजन, पूर्व वित्त सचिव अरविंद मायाराम भी शामिल हुए थे।

भारत ने पहली बार यूएई से रुपए में खरीदा कच्चा तेल

-रूस से नहीं बनी बात लेकिन यूएई में भारत को हासिल हुई बड़ी सफलता!

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- भारत ने रूस के बाद पहली बार संयुक्त अरब अमीरात से तेल खरीद के लिए रुपये का इस्तेमाल किया है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता भारत स्थानीय मुद्रा में तेल की खरीद को बढ़ावा दे रहा ताकि वो अन्य तेल आपूर्तिकताओं के साथ भी इस तरह का सौदा कर सके। हालांकि भारत ने रूस से भी रुपए में कच्चा तेल खरीदा था लेकिन यह डील पूरी तरह से सिरे नही चढ़ सकी जिसकारण अब भारत ने यूएई से यह डील की है। भारत कच्चे तेल की खरीद के लिए तीन स्तरीय रणनीति अपना रहा है जिसमें वैश्विक स्तर पर स्थानीय मुद्रा को बढ़ावा देने के लिए यह भारत की ओर से उठाया गया एक ऐतिहासिक कदम है। यह कदम तेल आपूर्तिकताओं में विविधता लाने, लेनदेन लागत में कटौती करने और रुपये को एक व्यवहार्य व्यापार निपटान मुद्रा के रूप में स्थापित करने के भारत के व्यापक प्रयासों का हिस्सा है और रूसी तेल पर लगे 60 डॉलर प्रति बैरल के प्राइस कैप जैसे किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का उल्लंघन न करना शामिल है।

भारत की इस तीन स्तरीय रणनीति ने अरबों डॉलर बचाने में मदद की है क्योंकि रूस-यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदना शुरू किया जिससे भारी मुनाफा हुआ है। इसी के साथ ही भारत अब डॉलर की अदला-बदली में होने वाली लागत से बचने के लिए रुपये में व्यापार को बढ़ावा देना चाहता है। भारत ने जुलाई में यूएई के साथ रुपये के निपटान के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किया था और इसके तुरंत बाद इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी) ने अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी (एडीएनओसी) से दस लाख बैरल कच्चे तेल की खरीद के लिए भारतीय रुपये में भुगतान किया। भारत ने रूस से भी कुछ मात्रा में कच्चे तेल की खरीद के लिए रुपये का इस्तेमाल किया था हालांकि, रूस के साथ रुपये में व्यापार को लेकर बात बहुत ज्यादा आगे नहीं बढ़ पाई। अधिकारियों का कहना है कि विदेशी व्यापार के लिए दशकों से अमेरिकी डॉलर ही इस्तेमाल होता आया है लेकिन अब भारत डॉलर के इस्तेमाल को कम कर भारतीय रुपये में व्यापार को बढ़ावा देना चाहता है।

कई देशों से साथ रुपये में व्यापार करने की योजना

रुपये में विदेशी व्यापार को बढ़ावा देने के लिए भारत के केंद्रीय बैंक रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया ने पिछले साल से एक दर्जन से अधिक बैंकों को 18 देशों के साथ रुपये में ट्रेड सेटलमेंट की अनुमति दी है। इसके बाद से ही भारत, यूएई और सऊदी अरब जैसे बड़े तेल निर्यातकों से रुपये में भुगतान लेने को कह रहा है। अधिकारियों ने समाचार एजेंसी पीटीआई से कहा, ह्यरुपये में व्यापार की पहली सफलता इस साल अगस्त में मिली जब आईओसी ने एडीएनओसी को रुपये में भुगतान किया।ह्न

रातोंरात नहीं हो सकता मुद्रा का अंतरराष्ट्रीयकरण

अधिकारी ने कहा कि आनेवाले वक्त में इस तरह की और भी डील हो सकती है। उन्होंने कहा कि रुपये में व्यापार को लेकर कोई लक्ष्य निर्धारित नहीं किया जा सकता क्योंकि मुद्रा का अंतरराष्ट्रीयकरण एक लंबी प्रक्रिया है जो रातोंरात नहीं हो सकती। वहीं एक अधिकारी ने कहा, ह्यहमें इस बात का ध्यान रखना होगा कि इससे रुपये में ट्रेड सेटलमेंट लागत में वृद्धि न हो और यह व्यापार के लिए किसी भी तरह से हानिकारक न हो।ह्न एक अन्य अधिकारी का कहना है, ह्यजब हम छोटा-मोटा व्यापार कर रहे हों तब तो रुपये में व्यापार में कोई दिक्कत पेश नहीं आती लेकिन जब हमें लाखों डॉलर का तेल खरीदना हो तब रुपये में भुगतान में दिक्कत है।

अधिकारियों का कहना है कि रुपये का अंतरराष्ट्रीयकरण डॉलर की मांग को कम करने में मदद करेगा और डॉलर के उतार-चढ़ाव का भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रभाव भी कम होगा। अधिकारियों ने कहा है कि भारत ने पहली बार संयुक्त अरब अमीरात से तेल खरीद के लिए रुपये का इस्तेमाल किया है। दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल उपभोक्ता भारत स्थानीय मुद्रा में तेल की खरीद को बढ़ावा दे रहा ताकि वो अन्य तेल आपूर्तिकताओं के साथ भी इस तरह का सौदा कर सके। भारत कच्चे तेल की खरीद के लिए तीन स्तरीय रणनीति अपना रहा है जिसमें जितना हो सके सस्ता तेल खरीदना, आपूर्तिकर्ता देशों में विविधता लाना और रूसी तेल पर लगे 60 डॉलर प्रति बैरल के प्राइस कैप जैसे किसी भी अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का उल्लंघन न करना शामिल है।

पीएम जन धन योजना के 10 करोड़ बैंक खाते इनएक्टिव, आया बड़ा अपडेट!

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत कुल 51 करोड़ से ज्यादा बैंक खातों में से 10 करोड़ से ज्यादा अकाउंट इनएक्टिव हो चुके हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत कुल 51 करोड़ से ज्यादा बैंक अकाउंट में से 10 करोड़ से ज्यादा अकाउंट इनएक्टिव हो चुके हैं। इसमें से करीब पांच करोड बैंक अकाउंट महिलाओं के नाम से हैं, जो निष्क्रिय हो चुके हैं। इनॉपरेटिव हुए अकाउंट्स में कुल 12,779 करोड़ रुपये जमा हैं।

पिछले दिनों वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने राज्यसभा में पीएम जनधन योजना के तहत एक सवाल के जवाब में इसकी जानकारी दी थी। भागवत कराड ने कहा कि निष्क्रिय पीएमजेडीवाई खातों का प्रतिशत बैंकिंग क्षेत्र में कुल निष्क्रिय खातों के प्रतिशत के समान है। कराड ने आगे कहा कि कुल 103.4 मिलियन इनॉपरेटिव पीएमजेडीवाई खातों में से 49.3 करोड़ खाते महिलाओं के हैं। इनॉपरेटिव पीएमजेडीवाई खातों में डिपॉजिट कुल जमा का लगभग 6.12 फीसदी है।

क्यों बैंक अकाउंट हुए इनॉपरेटिव

राज्य मंत्री का कहना है कि खाते के इनॉपरेटिव होने के कई कारण हैं. इसका बैंक अकाउंट होल्डर्स से कोई सीधा संबंध नहीं है। कई महीने से अकाउंट से ट्रांजेक्शन नहीं करने के कारण भी यह खाता इनॉपरेटिव हो चुका होगा। भारतीय रिजर्व बैंक के दिशानिदेर्शों के अनुसार, अगर बैंक खाते में दो साल से अधिक समय तक कोई ग्राहक प्रेरित नहीं होता है, तो बचत और चालू खाते को निष्क्रिय माना जाता है। कराड ने कहा कि बैंक निष्क्रिय खातों के प्रतिशत को कम करने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं और सरकार द्वारा नियमित रूप से निगरानी की जा रही है।

वर्ल्ड स्ट्रेंथलिफ्टिंग प्रतियोगिता में सूची निर्माण ने जीता कांस्य

हैदराबाद/नई दिल्ली/- नजफगढ़ कि गोपाल नगर के नंदा एन्क्लेव की रहने वाली सूची निर्माण ने हैदराबाद में वर्ल्ड स्ट्रेंथलिफ्टिंग चैंपियनशिप-2023 में कांस्य पदक जीतकर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। सूची निर्माण की इस उपलब्धि से न सिर्फ उनके माता-- पिता व स्वजन ही नहीं, पूरे मोहल्ले के लोग काफी खुश हैं।

इस संबंध में सूची के पिता सब इंस्पेक्टर धनराज निर्माण ने बताया कि वह अपनी बेटी की कामयाबी पर गर्वित महसूस कर रहे हैं। उनकी बेटी ने परिवार के साथ राज्य और देश का नाम रोशन किया है। सूची के कोच देव खर्ब ने बताया कि सूची इस वर्ष कुल 15 पदक जीत चुकी है। सूची निर्माण ने इस कामयाबी के लिए अपने कोच देव खर्ब, माता-पिता, भाई और पूरे मोहल्ले के लोगों को श्रेय दिया है।

Skin Tips: चेहरा दिखेगा जवां..इस तेल से 3 दिन कीजिए मालिश

मानसी शर्मा /- धूल से चेहरा खराब होना बहुत आम सी बात हो गई है। कम उम्र में ही चेहरे में कई तरह के मार्क्स पड़ जाते हैं और फेस काफी डल डल सा लगने लगता है। ऐसे में यदि आप चेहरे को सुंदर बना के रखना चाहते हैं कि आपका फेस फ्रेश रहे और हर तरह के दाग धब्बे गायब हो जाएं तो इस खबर को अंत तक जरूर पढ़ें।

कुछ नेचुरल ऑयल ऐसे होते हैं जो आपकी तव्चा की सुंदरता को बरकरार रखने में आपकी काफी हद तक मदद कर सकते हैं। हफ्ते में तीन बार मसाज करेंगे तो एंटी एजिंग की सारी समस्या दूर हो जाएगी। ये तो आप भी जानते होंगें कि स्किन केयर रूटीन में मसाज कितना अहम भूमिका निभाता है।

इसलिए आज हम आपको कुछ बेस्ट से ऑप्शन लेकर के आए हैं, जो कि आपकी तव्चा को खूबसूरत बना के रखने में मददगार साबित हो सकते हैं

चेहरे की मसाज के लिए जानिए ये हैं कुछ प्राकृतिक तेल

बादाम का तेल

बादाम के तेल में जिंक, प्रोटीन, विटामिन ई, प्रोटीन और पोटैशियम की प्रचुर मात्रा पाई जाती है। ये स्किन की बनावट को लाइट करता है। इसलिए बादाम के तेल से मसाज स्किन से जुड़ी हर तरह की समस्या को दूर करने में मददगार साबित हो सकता है।

ऑलिव ऑयल

ऑलिव ऑयल से मसाज करते हैं तो ये हर तरह की एलर्जी रिएक्शन को ट्रिगर करने से रोक देता है। इसलिए आप ऑलिव ऑयल से चेहरे की मालिश कर सकते हैं। ऑलिव ऑयल सबसे बेहतरीन तेलों में से एक माना जाता है। ये तव्चा को हर प्रकार के पोषण देता है।

इसमें विटामिन डी, ए, ई की भरपूर मात्रा पाई जाती है। ये तव्चा में वहीं नेचुरल क्लींजर की तरह काम करती है

संपादकीय

हिंदी भाषा का मूल स्वरूप बदलता हिंग्लिश का हस्तक्षेप

हिंदी व्याकरण के दृष्टिकोण से एक समृद्ध भाषा है और इसका इतिहास भी बहुत अवार्चीन है प्रसिद्ध साहित्यकार कमलापति त्रिपाठी ने कहा है कि हिंदी भारतीय संस्कृति की आत्मा है भारत क्षेत्रफल तथा जनसंख्या की दृष्टि से एक वृहद तथा विशाल देश है यहां अलग-अलग क्षेत्र में अलग-अलग भाषाएं तथा बोलियां बोली जाती है किंतु संपूर्ण राष्ट्र को एक सूत्र में पिरोने वाली हिंदी भाषा ही है इसमें कोई संदेह नहीं कि इतिहास में विभिन्न काल खंडों विदेशी आक्रमणकारियों के भारत देश में आ जाने से तथा भारत में ही बस जाने से हिंदी भाषा को समृद्ध तथा विकासवान होने का अवसर मिलो विदेशी भाषा के कई शब्द हिंदी में ऐसे घुल मिल गए हैं जैसे वह मूलतः हिंदी के शब्द हों , किंतु अंग्रेजों के आने से अंग्रेजी भाषा ने ना केवल अंग्रेजी को भारत में संपूर्ण रुप स्थापित तथा प्रचलित करने भरसक प्रयास किया, बल्कि हिंदी के मूल स्वरूप को छिन्न-भिन्न करने हिंदी के कलेवर को नष्ट करने का प्रयास कियो ब्रितानी हुकूमत ने अपने कार्यकाल में अंग्रेजी के वर्चस्व को बढ़ावा देकर धीरे धीरे भारतीय जनमानस के दिलों दिमाग पर यह धारणा स्थापित कर दी कि अंग्रेजी के ज्ञान के बिना तथा इंग्लिश भाषा को आत्मसात किए बिना उनके जीवन में विकास नहीं आ सकतो तथा वह वैश्विक स्तर पर निम्नतर होकर सफलता की बुलंदियों को नहीं छू सकते इस प्रकार भारत की मूल संस्कृतिक भाषा हिंदी को अपने वर्चस्व के लिए संघर्षरत रहना पड़ रहा है अंग्रेजी हुकूमत की गुलामी के चलते भारत वासियों ने हिंदी के मूल स्वरूप को बचा तो लिया पर इसमें अंग्रेजी भाषा के अनावश्यक हस्तक्षेप को रोक पाने में सफल नहीं हो पाऐ जिसके कारण हिंदी को इंग्लिश भाषा की तुलना में निम्नस्तर माना जाने लगो मूलत हिंदी भाषा के शब्दों के साथ अंग्रेजी के शब्दों का लगातार इस्तेमाल करना ही हिंगलिश का इस्तेमाल करना माना जाता है उदाहरण के लिए हिंगलिश इस तरह की बोली हो सकती है आपका प्रोफेशन क्या है, आप किस ऑफिस में वर्क करते हैं, इस तरह के वाक्यों का प्रयोग आम हिंदुस्तानी बेधड़क करने लगा है, इस तरह अंग्रेजी भाषा की घुसपैठ भारतीय मूल भाषा हिंदी में कर चुका है अंग्रेजी के कई ऐसे शब्द जिनका अज्ञानता वश हिंदुस्तानी धड़ल्ले से उपयोग करता है वे शब्द मूलतः हिंदी में किए जाने पर शर्म आ जाती है पर क्योंकि यह अंग्रेजी भाषा है अतः भारतीय से धड़ल्ले से इस्तेमाल कर रहे हैं इस तरह धीरे-धीरे हिंदी भाषा को अंग्रेजी के शब्दों के इस्तेमाल के साथ पथभ्रष्ट करने का पूरा पूरा प्रयास किया गया है अब स्थिति इस कदर बिगड़ चुकी है कि हिंदी भाषा के अस्तित्व को बचाने के लिए हमें हर वर्ष हिंदी दिवस, हिंदी सप्ताह, हिंदी पखवाड़ा केंद्रीय कार्यालय में मनाने हेतु बाध्य होना पड़ रहा है मैंने बहुत विदेश यात्राएं की हैं, उसमें ब्रिटेन भी शामिल है, किंतु मैंने वहां पर किसी भी कार्यालय में इंग्लिश दिवस मनाते नहीं देखा, नाही फ्रांस दिवस मनाते पायो यह भारत देश में ही संभव है कि अपनी निजी भाषा हिंदी को बचाने के लिए हिंदी दिवस मनाने पर विवश हुए हैं हमारी मूल भाषा हिंदी धीरे धीरे हिग्लिश भाषा का स्वरूप लेते जा रही है. निसंदेह भारत की पवित्र भाषा हिंदी को अंग्रेजों द्वारा थोपी गई इंग्लिश दूषित करने के प्रयास में काफी हद तक सफल रही है हिंदी को हिंगलिश भाषा बनाने में दूरदर्शन के समाचार वाचक की बहुत बड़ी भूमिका रही है, क्योंकि भारत देश की बहुत बड़ी जनसंख्या दूरदर्शन को अलग-अलग चैनल में मनोरंजन तथा रोज की जानकारी के लिए समाचार सुनते हैं, और समाचार वाचक विशुद्ध रूप से दूरदर्शन में हिंगलिश भाषा का लगातार उपयोग और प्रयोग करते रहते हैं, जिससे आने वाली पीढ़ी इसी भाषा को बोलना लिखना पड़ता समझना चाहतीहिंदी भाषा को विकृत करने का काम इंग्लिश भाषा ने तो किया ही है, पर किसका प्रचार प्रसार दूरदर्शन तथा भारतीय फिल्मों ने भी बहुत किया है, क्योंकि भारतीय चित्रपट के दर्शक भारत में जनसंख्या के 70% लोग होते हैं, ऐसे में हिंदी भाषा का गलत स्वरूप ही आम जन तक पहुंच पाता है और यह बिगड़ा हुआ स्वरूप बच्चे तथा युवा बड़ी आसानी से सीख कर इसका लगातार प्रयोग कर रहे हैंहिन्लिश कोई भाषा नहीं है, हिंदी भाषा बोलते समय अंग्रेजी शब्दों का बहुत प्रयोग को ही हिंगलिश कहां गया है यह अलग मुद्दा है की इससे हिंदी भाषा का विस्तार हुआ है तथा हिंदी बोलने वालों की संख्या में बड़ी वृद्धि हुई है दक्षिण प्रदेश के रहने वाले लोग हिंदी भाषियों से हिंगलिश मैं ही बात करके अपनी बात समझाने का प्रयास करते हैंकिंतु हिंगलिश का बढ़ता प्रचलन हिंदी भाषा की गरिमा के दृष्टिकोण तथा विकास के लिए एक चिंतनीय पहलू भी है अतः हिंदी भाषा बोलने के दौरान अंग्रेजी के शब्दों का प्रयोग तथा चलन हिंदी के भविष्य के लिए अच्छे संकेत देने वाला नहीं है हिंदी भाषा का व्याकरण अत्यंत समृद्ध तथा विशाल है, हिंदी के पास ना तो शब्दों की कमी है, और ना ही बोलने वालों की ऐसे में हिंदी के बोलचाल के विशुद्ध शब्दों का उपयोग ज्यादा से ज्यादा जनमानस को किया जाना चाहिए,जिससे हिंदी भाषा के अस्तित्व की रक्षा हो कर आने वाली पीढ़ी हिंदी को अच्छे से समझ कर पढ़ना तथा लिखना सीखेगी

नये वर्ष से रामराज्य की सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी

– ललित गर्ग –

एक युगांतरकारी घटना के तहत भगवान श्रीराम पांच सौ वर्षों के बाद टेंट से मन्दिर में स्थापित होंगे। अयोध्या में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी श्रीराम मन्दिर का उद्घाटन 22 जनवरी, 2024 को करेंगे, निश्चित ही नये वर्ष से जन-जन को रामराज्य की सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी, भारत एक नये युग में प्रवेश करेगा। जितनी आस्था एवं भक्ति से जन-जन ने श्रीराम के प्रति भक्ति एवं आस्था व्यक्त की है, उतनी ही आस्था एवं संकल्प से अब हर व्यक्ति श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतारे एवं स्वयं को श्रीराममय बनाये। श्रीराम बनने की तैयारी करें। अब पुनर्जन्म श्रीराम का ही नहीं, हमारा भी हो। हमारे इर्द-गिर्द श्रीराम की बहुत-सी श्रेष्ठताएं हैं, जो हमें महानता तक ले जाती है और जीवन-मूल्यों की प्रतिष्ठा करती हैं।

नया वर्ष भारत के लिये वास्तविक रूप में रामराज्य की स्थापना का ऐतिहासिक वर्ष होगा। श्रीराम को ह्यमयार्दा पुरुषोत्तमह्व कहा गया है अर्थात पुरुषों में सबसे श्रेष्ठ उत्तम पुरुष। आज की जटिल, समस्याग्रस्त एवं अनैतिक स्थितियों के समाधान के लिये अपेक्षा है कि हर व्यक्ति श्रीराम बने, उत्तम पुरुष बने। हर व्यक्ति के सामने एक विचारणीय एवं बड़ा प्रश्न है कि वह आज का राम कैसे बने? राम वही बन सकता है जिसने स्वयं को पाने के लिये सकारात्मक यात्रा प्रारंभ की है, जिसमें लक्ष्य के प्रति पूर्ण समर्पण है। जिसमें कष्टों को सहने की सहिष्णुता और धैर्य है, प्रतिकूलताओं एवं कष्टों के बीच सुख और श्रेयस् खोज लेने की प्रकृति है। शब्दों के कोलाहल में मौन रहने का संकल्प है। जो पुरुषार्थ से अपना भाग्य बदलना जानता है। जिसमें प्राणीमात्र के प्रति प्रेम, करूणा एवं मैत्री का भाव है। जो अपने विरोधी या शत्रु से भी सीखने को वरीयता दे। जिसका जीवन सादगी एवं संयम का प्रेरक हो। जो बुराइयों एवं अत्याचार के खिलाफ मोर्चा लेने को तत्पर हो। उन्नत एवं आदर्श समाज एवं राष्ट्र रचना जिसका जीवन-सपना हो। जो स्व और पर के अभ्युदय के लिये तत्पर हो। श्रीराम के इन गुणों को अपनाते हुए हर व्यक्ति राम बनने की ओर प्रस्थान कर सकता है।

प्रभु श्रीराम के व्यक्तित्व में विलक्षण संतुलन मिलता है। शांत-गंभीर और सौम्य श्रीराम ने कभी अपना संतुलन नहीं खोया। उन्होंने कभी परिस्थिति को अपने ऊपर हावी होने नहीं दिया बल्कि हर परिस्थिति में दृढ़ता बनाए रखना ही उनका स्वभाव है। आज के मुश्किल समय में हमें यही सीखना है। अनिश्चितता और संशय भरे समय में जब हर कोई टूटा हुआ, भंवर में पड़ा महसूस कर रहा है, श्रीराम की कर्तव्य पथ पर डटे रहने की प्रेरणा काम आ सकती है। मैं तो कहूंगा यदि हम प्रभु श्रीराम के व्यक्तित्व का कुछ अंश भी, उनसे कुछ बूंद भी ग्रहण कर सकें, तो निश्चित ही अपने व्यक्तित्व और जीवन में बदलाव महसूस कर सकते हैं। ऐसा करते हुए हम व्यक्तिगत, पारिवारिक, सामाजिक, राष्ट्रीय एवं वैश्विक जीवन को उन्नत एवं आदर्शमय बना सकते हैं।

आज प्रभु श्रीराम के पुनर्जन्म से ज्यादा जरूरी है, अब हमारा पुनर्जन्म हो। हम श्रीराम के व्यक्तित्व से सीखें, उनके जीवन-आदर्शों पर अपने जीवन को ढ़ाले, जैसे श्रीराम अपने वचन के पक्के थे और इसके लिए बड़े से बड़ा त्याग किया। हमें भी वचनबद्ध होने की साधना करनी चाहिए। श्रीराम को खुद पर भरोसा था और उन्होंने साथ रहने वाले लोगों में भी भरोसा जगाया, हमें भी अपना भरोसा जगाना चाहिए। आगे बढने के लिए दृढ़ संकल्प काफी है। इसके बाद साधन की कमी राह में रोड़ा नहीं बनती। चाहे सेना कम हो या सुविधाओं का अभाव, श्रीराम ने रावण पर अपने दृढ़ संकल्प की बदौलत ही जीत हासिल की। अपनी संकल्प शक्ति से प्रभु श्रीराम की तरह व्यक्ति महानता के उस शिखर को भी छू सकता है, जहां देवता भी नहीं पहुंच पाए थे। एक युवा मन ने वन-गमन के फैसले को सहर्ष स्वीकार किया। तनिक भी विचलित नहीं हुए, बल्कि उस समय विलाप कर रहे मां, भाई और समाज के लोगों में भी अपने निर्णय पर अटल रहने की प्रेरणा जगा दी।

उद्देश्य को लेकर स्पष्ट होना जरूरी है, आपका लक्ष्य क्या है, यह पता होना चाहिए। भाषा-विवेक जरूरी है। अनुचित भाषा का प्रयोग प्रभु श्रीराम ने कभी नहीं किया। हर किसी का स्वागत मुस्कुरा कर करते और उसे तुरंत अपना बना लेते। कभी यह नहीं याद रखा कि औरों ने उनके साथ क्या और कैसा व्यवहार किया, सबके प्रति प्रेम भाव रखा और कर्म पथ पर अडिग रहे। दृष्टि संकुचित नहीं, बल्कि इसमें अथाह विस्तार था। वह परिवार केंद्रित नहीं रहा, बल्कि समस्त मानव जाति के प्रति प्रेम ही था उनका संदेश। अपनी महानता के बारे में कभी विचार नहीं किया, न इसका एहसास कराने की जरूरत समझी। जमीनी बने रहे। सांसारिक जीवन में आगे बढ़ने, नाम कमाने यानी ख्याति, यश, कीर्ति के लिए सद्गुणों और अच्छे कामों की बड़ी भूमिका होती है, क्योंकि गुण ही किसी भी इंसान को असाधारण और विलक्षण प्रतिभा का स्वामी बना देते हैं। इंसान को अपने जीवन में सफल होने के लिए किन खास गुणों पर ध्यान देना चाहिए ये रामजी के चरित्र के माध्यम से बताया गया है। उन्होंने मानवीय रूप में जन-जन का भरोसा और विश्वास अपने आचरण और असाधारण गुणों से ही पाया। उनकी चरित्र की खास खूबियों से ही वह न केवल लोकनायक बने, बल्कि युगान्तर में भी भगवान के रूप में पूजित हुए।

हम राम तो बनना चाहते हैं पर श्रीराम के जीवन आदर्शों को अपनाना नहीं चाहते, यह एक बड़ा विरोधाभास है। अजीब है कि जो हमारे जन-जन के नायक हैं, जिन प्रभु श्रीराम को अपनी सांसों में बसाया है, जिनमें इतनी आस्था है, जिनका पूजा करते हैं, हम उन व्यक्तित्व से मिली सीख को अपने जीवन में नहीं उतार पाते। जरा सोचिए क्या न्याय पाने के लिए कानून को तोड़ा जा सकता है? प्रभु श्रीराम ने तो न्याय के लिए बड़े से बड़ा त्याग किया। अपने-पराए किसी भी चीज की परवाह नहीं की। न्याय के लिए नियमों को सर्वोपरि रखा और मयार्दा पुरुषोत्तम कहलाए! पर हमने यह नहीं सीखा और न्याय के नाम पर नियमों को तोड़ना आम बात हो गई है। संयमित रहना है और नियमों का पालन करना चाहिए, इस बात को लोग गंभीरता से नहीं लेते।

आज का इंसान छोटी-छोटी बातों से, संकटों से विचलित हो जाता है। श्रीराम भी विचलित हुए जब लंका नरेश रावण द्वारा माता सीता का हरण कर लिया गया। श्रीराम का विचलन माता सीता को जल्दी से जल्दी रावण से मुक्त कराने को लेकर था, उनके मार्ग में जो सबसे बड़ी बाधा थी वह समुद्र था। इसे पार करने की चुनौती सबको परेशान कर रही थी। श्री लक्ष्मण चाहते थे कि समुद्र सुखाकर आगे बढ़ा जाए लेकिन प्रभु श्रीराम को यह मंजूर नहीं था। उन्होंने समुद्र से मार्ग दिखाने की विनम्र प्रार्थना की और अंततः समुद्र ने मार्ग बताया। जीवन में ऐसी परिस्थितियां आती रहती हैं। पर प्रभु की तरह यदि मुश्किल समय में हम संयम एवं विनम्रता बरतें तो आगे बढ़ने की राह जरूर मिल जाती है। श्रीराम ने सिखाया कि उतार-चढ़ाव तो जीवन का अंग है। दुख किसने नहीं सहा और किसे नहीं होगा, पर यदि संकल्प मजबूत रहे और संकट काल में संयम बनाए रखें तो हम बड़े से बड़े तूफान, झंझावात का सामना कर सकते हैं। हमें कठिनाइयों में भी अपनी नैतिक मयार्दाओं को नहीं खोना चाहिए। तमाम उतार-चढ़ाव में भी अपने पथ पर आगे बढ़ना ही श्रेष्ठ है, न कि बुराई के आगे समर्पण कर देना। प्रभु श्रीराम ने मयार्दा का जीवन जीकर जन-जन के लिये प्रेरणा बने। पर आज के मनुष्य ने अपने स्वार्थ के वशीभूत होकर प्रकृति, पदार्थ, प्राणी और पर्यावरण के सह-अस्तित्व को नकार दिया। हम अपने वैयक्तिक विचारों के आग्रह में बंधकर रह गये, हमने वैभव और विलासिता की दीवारों को ऊंची करने में जीवन खपा दिया। श्रीराम ने समता से जीने की सीख दी, पर हमने अनुकूलता-प्रतिकूलता के बीच संतुलन-धैर्य रखना भूल गये। श्रीराम ने अभय और मैत्री का सुरक्षा कवच पहनाया, हम प्रतिशोध और प्रतिस्पर्धा को ही राजमाग समझ बैठे। मेरा ईश्वर मैं ही हूं, मेरा राम मैं ही हूं-यह समझ तभी फलवान बन सकती है, जब व्यक्ति स्वयं श्रीराम को जीए और श्रीराम को जीने का तात्पर्य होगा- स्वयं का पुनर्जन्म।

एक जोड़ी जूते के नीचे दबा दबदबा

– बादल सरोज

ओलम्पिक मैडल जीतकर आने वाली अब तक की अकेली महिला कुश्ती खिलाड़ी साक्षी मलिक ने भारत की महिला खिलाडियों की प्रतिनिधि के रूप में टेबल पर रखे अपने जूतों के बिम्ब से तेल और पानी में भीगे जूतों की मार को असरदार बताने वाले मुहावरे को नया रूप दे दिया और बता दिया कि उनसे भी ज्यादा ताकतवर मारकता आंसुओं से भीगे जूतों में होती है। यह भी दिखा दिया कि कुछ जूते हजार जूतों के बराबर होते हैं।

जूतों और मनुष्य समाज का साथ नया नहीं है– होने को तो जब से आदिमानव ने चलना सीखा होगा तभी से पंजों के निचले हिस्से के बचाव के लिए पांवों के नीचे जन्नत का कोई न कोई उपाय आजमाया होगा। मानव इतिहास के खोजियों की मानें तो सबसे पुराने जूते कोई पांच से साढ़े पांच हजार साल पहले के मिले हैं। चमड़े के जूते करीब साढ़े तीन हजार साल पहले चलन में आये; हालांकि सैंडल्स जैसा कुछ पहने जाने का रिवाज तो और भी पहले लगभग 8 से 9 हजार साल पहले ही आरम्भ होने के प्रमाण मिले हैं ।

धरती के इस हिस्से में भले आर्यों के साथ नहीं आये, मगर लगता है यहां आकर उन्हें उसका महत्व पता चला और करीब–करीब वैदिक काल से ही कहीं पादुका, कहीं खड़ाऊ के रूप में मिलने लगे थे; बाद में मोजरी, खुस्सा, नागरा, पनहा से होते हुए चप्पल, जूते और जूती तक आ गए । अलबत्ता चमड़े के जूतों के मामले में ऊंच–नीच होती रही– शुरू में आये फिर धर्म–ए– शाकाहारी हुआ तो उन्हें धारण करना बंद कर दिया गया, मगर बाद में फिर आ गए।

जरूरत के अलावा इन्हें शान का भी प्रतीक माना गया– इस कदर कि बिना जूते बाहर निकलने की तौहीन से बचने के लिए जूते पहनते और उनके फीते बांधते में हुई देरी के चलते अवध के नवाब वाजिदअली शाह मारे भी गए। हालांकि बिना जूतों के नंगे पांव जाना स्वागत सत्कार के प्रोटोकॉल का सर्वोच्च रूप भी माना गया। बहरहाल पांवों को चलने में सहूलियत देने वाले जूते धीरे–धीरे इतने चलायमान हो गए कि खुद चलने लगे और चलते–चलते साहित्य और वर्तनी में आ पहुंचे। भारतीय समाज में जहां 'हमारे पांव–पांव उनके पांव चरण' का विभाजन ही विधान रहा वहां पाव नंगे ही रहे, पादुकाएं सिर्फ चरण कमलों के हिस्से में आईं ; और यह अतीत की बात नहीं है, देश के बड़े हिस्से में आज की ही बात है।

आज भी जिनके पांव, पांव हैं वे अगर चरणकमलधारियों के सामने से गुजरते हैं तो जूते उतारकर ही गुजरते हैं; कई बार तो अपने ही जूते सर पर धर कर ही गुजर पाते हैं। अभी इसी महीने तामिलनाडु के तिरुपुर में दलितों को जूते चप्पल पहनने से रोककर जाने का मामला सामने आया है, बुन्देलखण्ड और चम्बल के कुछ इलाकों में यह रोज की बात है। यही वजह रही कि शुरूआती सामाजिक प्रतिरोध आंदोलनों में जूते पहनकर निकलना भी एक बड़ी विरोध कार्रवाई की तरह इस्तेमाल किया गया। जूतों से मारा गया तो प्रतिरोध में जूते उछाले भी गये हैं। जूतों ने अगर राज किया है तो राज करने वाले जुतियाये भी गए हैं। जूतों का आविष्कार करने वाले शायद ही जानते होंगे कि उनके मनुष्य की चाल और उसके चलन को आसान बनाने के लिए बनाए गए ये

उपकरण आगे जाकर बहुविध और बहुआयामी हो जायेंगे। हाल के दौर में सबसे मशहूर रहा ईराकी पत्रकार मुंतजर अल जैदी का 10 नम्बर का जूता– जिसे उसने 15 वर्ष पहले 14 दिसंबर 2008 को बगदाद में तब के अमरीकी राष्ट्रपति बुश जूनियर पर उछाला था। अल हदाद नाम की कम्पनी का मॉडल नम्बर 271 जूता इस कदर मशहूर हुआ कि इसका नाम ही बुश का जूता पड़ गया। पादुकाओं के अस्त्र बनने की इस घटना ने बाद में इतनी ख्याति प्राप्त कर ली कि अधिकांश नेताओं और प्रशासनिक अधिकारियों के दफ्तरों के बाहर बाकायदा बोर्ड्स लगाए जाने लगे कि जूते बाहर उतारकर ही अन्दर आयें। मगर जूते तो बने ही चलने के लिए थे, उन्हें कोई बोर्ड या सूचना क्या खाक रोक पाती! जूतों पर विशद विमर्श इसलिए है क्योंकि पिछले सप्ताह से चरणकमलों और पादुकाओं वाले देश में एक खिलाडि? के जूते चर्चा का विषय बने हुए हैं। मरहूम अकबर इलाहाबादी साहब के एक लोकप्रिय शेर को मौजूं बनाने के लिए थोड़ा बदल कर कहें तो; 'जाल शकुनि ने बिछाया, साक्षी ने जूता रखा / शकुनि का पांसा रह गया, साक्षी का जूता चल गया।' ओलम्पिक मैडल जीतकर आने वाली अब तक की अकेली महिला कुश्ती खिलाड़ी साक्षी मलिक ने भारत की महिला खिलाडियों की प्रतिनिधि के रूप में टेबल पर रखे अपने जूतों के बिम्ब से तेल और पानी में भीगे जूतों की मार को असरदार बताने वाले मुहावरे को नया रूप दे दिया और बता दिया कि उनसे भी ज्यादा ताकतवर मारकता आंसुओं से भीगे जूतों में होती है। यह भी दिखा दिया कि कुछ जूते हजार जूतों के बराबर होते हैं। जो हुआ उसे अब सारा देश जानता है और वह यह है कि यौन उत्पीड़क भाजपाई सांसद ब्रजभूषण शरण सिंह की अध्यक्षता वाली भारतीय कुश्ती संघ की मान्यता जब अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक एसोसिएशन ने समाप्त कर दी, दुनिया के कुश्ती महासंघ ने भी उसके लिए सारे दरवाजे बंद कर दिए तब इस आरोपी का इस्तीफा और नया चुनाव कराना मजबूरी हो गया था। कथित रूप से 'कराये गए' इन नए चुनावों में यौन उत्पीड़क भाजपाई ब्रजभूषण शरण सिंह का खडाऊ–उठाऊ संजय सिंह अपने पूरे पैनल के साथ न सिर्फ 'जीत कर' आ गया बल्कि उसके जीतते ही अहंकारी निर्लज्जता के साथ खुद यौन आरोपी गा–बजाकर महिला खिलाडियों को धमकाने लगा।

11 महीने से अपने आत्मसम्मान और आने यौन उत्पीड? के मामलों में न्याय पाने की लड़ाई लड़ रही महिला खिलाडियों और बाकी पहलवानों के लिए यह जीत और उसके बाद की यह बेहूदगी बर्दाश्त की सारी हदों को पार करने वाली थी। उनकी प्रतिनिधि के रूप में साक्षी मलिक, बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट के साथ प्रेस क्लब में आयीं और पत्रकारों के बीच महज 1 मिनट 9 सेकंड में अपनी हताशा जताकर आंसुओं के बीच अपने जूते टेबल पर रखकर खेल छोड? का ऐलान कर दिया। खिलाडियों की इस कार्रवाई ने पूरे देश को हिला दिया। लोगों की प्रतिक्रिया इतनी जबरदस्त थी कि तीन दिन के बाद अचानक खेल मंत्रालय ने इस 'नवनिर्वाचित' कुश्ती संघ को निलंबित करने का ऐलान कर दिया।

कुछ भले मानुष इसके साथ दिए उस नत्थी बयान को सच मानने के मुगालते में हैं जिसमें चुनाव गलत तरीके से होने, नयी समिति का काम पुराने पदाधिकारियों के नियंत्रण वाले परिसर से चलने और बिना किसी पूर्व तैयारी के 15 और 20 वर्ष से कम उम्र की लड़कियों और लड़कों की राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन ब्रजभूषण शरण सिंह के घर नंदिनी नगर गोंडा में करने की घोषणा को आधार बताया गया है।

नागपुर से कांग्रेस का बड़ा संदेश

कांग्रेस का स्थापना दिवस अमूमन दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में ध्वजारोहण और कुछेक औपचारिक भाषणों के साथ मना लिया जाता है। दो–चार बड़े नेताओं के सोशल मीडिया पोस्ट्स इस मौके पर आ जाते हैं, जिन्हें उनके मुट्ठी भर समर्थक फॉरवर्ड और लाइक कर देते हैं। देश की सबसे पुरानी राजनैतिक पार्टी, जिसके बिना भारत के स्वाधीनता संग्राम का इतिहास अधूरा रह जाएगा, उसके प्रति बीते वर्षों में आम जनता ने उदासीन भाव ही रखा है। देश के अधिकतर लोगों को इस बात का इल्म ही नहीं होगा कि कांग्रेस का स्थापना दिवस कब आया और कब बीत गया। लेकिन इस बार ऐसा शायद न हो। अपने 139वें स्थापना दिवस पर कांग्रेस ने– नागपुर में हैं तैयार हम, नाम से महारैली कर वाकई ऐलान कर दिया है कि 2024 के चुनावों में दो बार से सत्ता पर काबिज भाजपा का सामना करने के लिए कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पूरी तरह तैयार हैं।

नागपुर की इस महारैली की घोषणा कांग्रेस ने पहले ही कर दी थी। छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश और राजस्थान के विधानसभा चुनावों के बाद मीडिया ने फिर से माहौल बनाना शुरू कर दिया था कि अब कांग्रेस का जोश ठंडा पड़ जाएगा या इंडिया गठबंधन में उसकी बात नहीं सुनी जाएगी। लेकिन यह साफ दिख रहा है कि कांग्रेस ने इस कोशिश को अपने संकल्प पर हावी नहीं होने दिया। पहले 19 दिसंबर को कांग्रेस ने इंडिया गठबंधन की चौथी बैठक की मेजबानी की। उसके बाद निलंबित सांसदों के समर्थन में जंतर–मंतर के प्रदर्शन में अपना दम दिखाया। 138 साल पूरे होने पर देश के लिए दान अभियान चलाकर क्राउड फंडिंग की। मणिपुर से महाराष्ट्र तक भारत न्याय यात्रा निकालने का ऐलान कर दिया। इन सबसे पता चलता है कि कांग्रेस जनता के बीच जाने और जनता से जुड़ने का कोई अवसर नहीं छोड़ रही है।

कांग्रेस ने नागपुर में अपना स्थापना दिवस मनाने का जो फैसला लिया, उसके भी गहरे निहितार्थ हैं। विदर्भ का यह इलाका लंबे वक्त तक कांग्रेसमय रहा है। गांधीजी का इस इलाके से खास लगाव रहा है। दिसंबर 1920 में आयोजित कांग्रेस के नागपुर सत्र में महात्मा गांधी के नेतृत्व में पार्टी ने अंग्रेजों के खिलाफ असहयोग आंदोलन शुरू करने का आह्वान किया था।

इसके बाद 1959 में कांग्रेस के नागपुर सत्र में ही इंदिरा गांधी को कांग्रेस अध्यक्ष चुना गया था। नागपुर दीक्षा भूमि के लिए जाना जाता है, जहां संविधान निमार्ता बी आर अंबेडकर ने बौद्ध धर्म अपनाया था। मौजूदा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे भी दलित समुदाय से हैं। इसलिए उनके नेतृत्व में कांग्रेस की नागपुर में महारैली से दलितों को जोड़ने में मदद मिल सकती है। नागपुर की एक खास बात ये भी है कि यहां राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ का मुख्यालय भी है। इसलिए कहा जा सकता है कि कांग्रेस ने इस बार संघ को उसके गढ़ में घुसकर चुनौती दी है

हैं तैयार हम महारैली में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे दोनों के भाषणों में वही सारी बातें सुनने मिलीं, जो इससे पहले संसद में या चुनावी सभाओं में जनता सुन चुकी है। जैसे दोनों ने ही इस बार की लड़ाई को विचारधारा की लड़ाई कहा। एक ओर संविधानविरोधी, गोडसे वाली विचारधारा है, जो हिंदुत्व को बढ़ाना चाहती है, गुलामी के दौर वाले नियम–कानून फिर से देश में लाना चाहती है, दूसरी ओर गांधी–नेहरू–अंबेडकर की विचारधारा है, जिसने देश को आजाद करने की लड़ाई लड़ी, जिसके कारण देश को संविधान मिला, जिसके कारण हिंदुस्तान के हर व्यक्ति को सभी भेदों से परे बराबरी का हक मिला, अपनी सरकार चुनने का हक मिला। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे दोनों ने ही जनता को बतलाया कि किस तरह मोदी सरकार के 10 सालों के शासन में देश में महंगाई और बेरोजगारी बढ़ी है, लोगों की तकलीफें बढ़ी हैं और केवल 2–3 अरबपतियों को फायदा हुआ है।

राहुल गांधी ने फिर से जातिगत जनगणना का मुद्दा उठाया तो वहीं मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि आप अगर हमें सत्ता में आने का मौका देते हैं तो हम आपको न्याय देंगे। यानी सबसे गरीब परिवारों को हर साल 72 हजार रूपए देने की कांग्रेस की न्याय योजना को लागू करने की बात कांग्रेस अध्यक्ष ने कही। लेकिन इन दोनों नेताओं के भाषणों में सबसे खास बात ये रही कि दोनों ने आने वाले चुनावों में केवल कांग्रेस की जीत की बात न कहकर इंडिया गठबंधन के जीतने की बात कही है। इसके बाद अब कोई संदेह नहीं रह जाता कि अब भाजपा को 28 दलों की एकता का मुकाबला करना होगा।

इंडिया गठबंधन बनने के बाद से कई बार उसमें दरार की खबरें चलाई जा चुकी हैं। 19 दिसंबर की बैठक के बाद यह मुहिम और तेज की जा चुकी है। लेकिन इन तमाम कोशिशों के बाद अपने स्थापना दिवस कार्यक्रम के मंच से अगर कांग्रेस अध्यक्ष और कांग्रेस के एक बड़े नेता 2024 की जीत को केवल अपनी पार्टी तक सीमित न रखकर उसमें इंडिया गठबंधन का नाम जोड़ रहे हैं, तो इससे साबित हो गया है कि गठबंधन के सभी दल छिटपुट विरोधों और असहमतियों के बावजूद एक होकर ही चुनाव लड़ेंगे।

अनसुनी को सुनाने के लिए धमाका

– प्रेरणा

हमारे यहां ज्यूरी जैसा कोई सिस्टम नहीं है। लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन मानी जाती है तो हम ही ज्यूरी बनकर इस केस की सुनवाई करते हैं। सबसे पहले हमें साफ दिखता है कि जिन युवाओं ने यह किया वे हमारे शहीदे–आजम भगत सिंह से प्रभावित थे। 8 अप्रैल, 1929 को भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने इसी तरह 'सेंट्रल स्टेट असेंबली' में धमाका किया था तथा अपनी गिरफ्तारी दी थी। उन्होंने बम के साथ वह पर्चा भी असेंबली में बांटा था। अमेरिका की न्याय–प्रणाली में सुनवाई के लिए नागरिकों की एक ज्यूरी गठित की जाती है जो न्याय तक पहुंचने में जज की मदद करती है, लेकिन सवाल है कि क्या न्याय दिल से करना चाहिए या दिमाग से? दिमाग पूर्वाग्रहों से भरा, इंसानी कमजोरियों से घिरा होता है। जब तक हम, जो न्याय करने बैठे हैं, ईमानदार और निष्पक्ष न हों तब तक हमें अपने दिल से पूछते रहना चाहिए कि सामने खड़ा व्यक्ति अपराधी है कि नहीं। गांधीजी भी कुछ ऐसा ही कहते हैं कि एक ही लाठी से हर गुनहगार को हांकना न्याय नहीं है।

चोरी का उदाहरण देते हुए वे कहते हैं कि यदि घर में चोर घुस आया है तो आप क्या करेंगे? अगर चोर आपके पिता हैं तो आप चुपचाप सोये रहेंगे; चोर आपसे तगड़ा–मजबूत कोई पट्ठा है तो भी आप सोये रहेंगे। दोनों मामलों में सोने के कारण अलग–अलग हैं – एक में करुणा छिपी है तो दूसरे में डर! दोनों को सजा देने के पैमाने अलग–अलग होंगे। अगर आप यह जानने की कोशिश करेंगे कि चोर ने चोरी क्यों की तो हो सकता है कि करुणा में आकर आप उसकी मदद ही कर दें। तो बात यह समझने की है कि एक ही प्रकार के गुनाह की, एक ही प्रकार की सजा का आधुनिक न्यायतंत्र अधूरा और अपर्याप्त है। यह बात मैं क्यों लिख रही हूं? इसलिए कि पिछले दिनों भारत की संसद के सुरक्षा घेरे को तोड़ते हुए कुछ युवा चलती संसद में कूद पड़े और कुछ पटाखे फोड़े जिससे वहां अफरा–तफरी मच गई। सांसद डरे–घबराए तथा भागने भी लगे।

कुछ सांसद ऐसे भी निकले जिन्होंने उन दोनों युवकों को धर दबोचा और उन्हें पीटने लगे। फिर कुछ सांसद बहादुर भी बन गए और सांसदों की भीड़ चीरते हुए, अपना हाथ साफ करने कूद पड़े। किसी ने इस पर एक कार्टून भी बना दिया– एक पूछता है– इनकी हिम्मत कैसे हुई संसद में घुसने की? दूसरा जवाब देता है– हां, यहां तो चुनाव जीतने वाले अपराधी ही घुस सकते हैं! हमारे यहां ज्यूरी जैसा कोई सिस्टम नहीं है। लोकतंत्र में जनता ही जनार्दन मानी जाती है तो हम ही ज्यूरी बनकर इस केस की सुनवाई करते हैं।

सबसे पहले हमें साफ दिखता है कि जिन युवाओं ने यह किया वे हमारे शहीदे–आजम भगत सिंह से प्रभावित थे। 8 अप्रैल, 1929 को भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने इसी तरह 'सेंट्रल स्टेट असेंबली' में धमाका किया था तथा अपनी गिरफ्तारी दी थी। उन्होंने बम के साथ वह पर्चा भी असेंबली में बांटा था जिस पर फ्रेंच शहीद अगस्ता वैलां का यह उद्धरण छपा था: 'बहरों को सुनाने के लिए धमाकों की जरूरत पड़ती है।' भगत सिंह के बम का निशाना कोई इंसान नहीं था; इन बच्चों के पटाखों का भी निशाना कोई व्यक्ति नहीं था।

राम मंदिर को लेकर विपक्ष के मुंह में राम, बगल में छुरी

धर्मसंकट में विपक्ष, हिन्दू या मुस्लिम की मोहर लगना तय,

-राम मंदिर जाने में श्रद्धा नही राजनीतिक नफा-नुकसान का आकलन कर रहे विपक्षी

स्तंभ/शिव कुमार यादव/- जैसे-जैसे राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का समय नजदीक आता जा रहा है वैसे-वैसे देश में इसमें शामिल होने या न होने का मुद्दा गरमाता जा रहा है। पहले विपक्ष पीएम को राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के निमंत्रण मिलने को लेकर काफी हंगामा कर रहा था लेकिन जब से विपक्ष को निमंत्रण मिला है तब से दूसरी तरह की राजनीति शुरू हो गई है। जिसे देखकर यही लगता है कि विपक्ष के मुंह में राम है और बगल में छुरी भी है क्योंकि अब राम मंदिर सिर्फ राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह नही रह गया है इसके साथ अब हिन्दू और मुस्लिम शब्द भी जुड़ गया है जिसकारण अब कांग्रेस समेत कई पार्टियों के सामने श्रद्धा व राजनीति को लेकर मुश्किल खड़ी हो गई है कि वह राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाये या ना जायें। हालांकि वामपंथी पार्टियों ने पहले ही अयोध्या न जाने का एलान कर दिया है।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह पर विपक्ष शुरू से राजनीति कर रहा था। निमंत्रण नही मिला था तब हल्ला मचा रहा था और अब जब निमंत्रण मिल गया तो भाजपा पर राजनीति करने का आरोप लगा रहा है। यह तो स्पष्ट था कि राम मंदिर पर राजनीति तो होनी ही थी। बीजेपी ने फिलहाल विपक्ष को आमंत्रण देकर गुगली फेंक दिया है। इंडिया गठबंधन की कई पार्टियों के लिए धर्म संकट खड़ा हो गया है। स्थिति यह है कि सारी राजनीति हिन्दू और मुस्लिम पर आकर रूक गई है और यह भी तय हो गया है कि इस बार हिन्दू या मुस्लिम की मोहर लगना तय है। फिलहाल बीजेपी भी यही चाहती थी। इंडिया गठबंधन की 19 दिसंबर वाली बैठक में इस मुद्दे

पर चर्चा हुई थी कि राम मंदिर का श्रेय लेने से किस तरह बीजेपी को रोका जाए, परन्तु राममंदिर को लेकर बीजेपी की आक्रामक रणनीति में विपक्ष बुरी तरह फंस गया है। कम्युनिस्ट पार्टियों को छोड़कर अन्य दल अभी भी समझ नहीं पा रहे हैं कि उन्हें क्या कदम उठाना है। इस समय सभी दल राम मंदिर जाने में श्रद्धा नही राजनीतिक नफा-नुकसान का आकलन कर रहे है ताकि सांप भी मर जाये और लाठी भी ना टूटे।

विपक्ष पर श्रद्धा से बड़ा धर्मसंकट

राम मंदिर मुद्दे पर अब विपक्ष पूरी तरह से भाजपा के बुने जाल में फंस गया है। हालांकि यह जाल विपक्ष ने ही खुद अपने लिए बुना है। वैसे तो विपक्ष को हिन्दू वोट चाहिए लेकिन इस समय विपक्ष का मानना है कि हिन्दू वोट बैंक भाजपा की तरफ ज्यादा झुका हुआ है और मुस्लिम वोट बैंक ही अब उनकी राजनीतिक नैया को पार करने का एकमात्र सहारा है। जैसा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में तेलंगाना में मुस्लिमों ने बीआरएस को छोड़कर कांग्रेस को खुलकर वोट दिये थे। अब कांग्रेस के सामने सबसे बड़ा धर्मसंकट यही है कि राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जाने से कही मुस्लिम वोट बैंक उसके हाथ से ना खिसक जाये। वहीं यूपी में अखिलेश यादव के सामने भी यही धर्म संकट खड़ा है। आज यूपी में सपा सुप्रीमों अपने आपकों मुसलमानों का सबसे बड़ा हितैषी बताते हैं और खुलकर उनकी पैरवी भी कर रहे है। लेकिन उन्हे यह नही पता कि जिस राम मंदिर को लेकर वह राजनीति कर रहे है उसी राम मंदिर के निर्माण में मुस्लिमों ने भी खुलकर दान दिया है। हालांकि अखिलेश यादव के दो सिपहसालार सांसद शफीकुर्रहान बर्क और स्वामी प्रसाद मौर्य जमकर हिन्दूओं के खिलाफ जहर उगल रहे हैं। यह बात ओर है कि सपा ने इनके बयानों अपने आपको अलग कर लिया है लेकिन फिर भी नेता तो ये सपा के ही हैं।

राम मंदिर मुद्दे को भाजपा किस तरह भुनाएगी और लोकसभा चुनाव में वह इसका कैसे फायदा उठाएगी, इस बात की सबसे पहली चिंता सीपीएम नेता सीताराम येचुरी ने की थी। इंडिया गुट की बैठक में उन्होंने सभी साझेदार दलों से आग्रह किया था कि वह राम मंदिर मुद्दे पर एक काउंटर स्ट्रेटेजी तैयार करे। पूरा विपक्ष इस बारे में कोई साझा रणनीति तय कर पाता, उससे पहले वामदलों की ओर से बृंदा करात ने क्लियर कर दिया है कि हमारी पार्टी अयोध्या में राम मंदिर के ह्णप्राण प्रतिष्ठाह्न समारोह में शामिल नहीं होगी। हम धार्मिक मान्यताओं का सम्मान करते हैं लेकिन वे एक धार्मिक कार्यक्रम को राजनीति से जोड़ रहे हैं। यह एक धार्मिक कार्यक्रम का राजनीतिकरण है। यह सही नहीं हैं। वहीं अयोध्या से आए निमंत्रण पर सीताराम येचुरी ने कहा कि हमने किसी को कुछ नहीं कहा। वो आए थे निमंत्रण देने, हमने चाय कॉफी पूछी उनको, हमे निमंत्रण मिला। लेकिन उद्घाटन समारोह में पीएम, योगी और पदाधिकारी रहेंगे। राजनीतिकरण होगा इसका, ये गलत है, राजनीतिकरण के खिलाफ हम हैं, इसलिए हम नहीं जाएंगे वहां। धर्म का मतलब उनको समझना पड़ेगा बाकि का नहीं पता, लेकिन हम नही जाएंगे।

अखिलेश यादव और सुप्रिया सुले की हां की ना जारी

उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री व समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और एनसीपी की नेता सुप्रिया सुले ने इस हफ्ते जिस तरह की बातें की हैं उससे तो यही लगता है कि दोनों कन्फ्यूज हैं कि उन्हें क्या करना है अखिलेश यादव ने इसी हफ्ते यह कहा था कि अगर राम मंदिर तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट उन्हें आमंत्रित करता है तो वो प्राण प्रतिष्ठा समारोह में जरूर शामिल होंगे।

रामलला का किसे कराया जाएगा सबसे पहले दर्शन?

मानसी शर्मा /- अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। जिसको लेकर तैयारियां तेज चल रही हैं। प्राण प्रतिष्ठा के कार्यक्रम में तमाम वीआईपी और वीवीआईपी को न्योता दिया गया है। वहीं विश्व हिंदू परिषद के सेक्रेटरी मिलिंद परांदे ने राम मंदिर को लेकर बड़ी जानकारी दी है।

मिलिंद परांदे ने बताया कि 22 जनवरी को पीएम मोदी और संघ प्रमुख मोहन भागवत के साथ-साथ 7 से 8 हजार लोग उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल होंने वाले हैं। उसके बाद 23 जनवरी से आम लोग राम लला का दर्शन कर सकेंगे।

जिसको लेकर विशेष तैयारी की जा रही है। उन्होंने कहा कि बिहार से भी हजारों लोग अयोध्या में राम लला के दर्शन करने आएंगे। उन्होंने बताया कि राम मंदिर आंदोलन से जुड़े हुए जो लोग हैं उनको सबसे पहले राम लला का दर्शन कराया जाएगा।

इन्हें कराया जाएगा दर्शन

मिलिंद परांदे ने जानकारी दी कि विश्व हिंदू परिषद बिहार से उनलोगों को राम लला का दर्शन कराने ले जाएगी, जिनके परिवार के सदस्य राम मंदिर बनाने के आंदोलन से जुड़े हुए थे और जिन्होंने अपना बलिदान दिया था। विश्व हिंदू परिषद खासतौर पर ऐसे परिवार को अयोध्या ले जाकर राम लला का दर्शन करवाएगी। बिहार में विश्व हिंदू परिषद तेजी से इसकी तैयारी भी कर रही है। मिलिंद परांदे ने कहा कि इसी को लेकर हमलोग पटना पहुंचे हैं।

रहने की भी की गई व्यवस्था

उन्होंने आगे कहा कि जो लोग अयोध्या जाएंगे उन्हें रहने में कोई दिक्कत नहीं हो इसको लेकर विश्व हिंदू परिषद ने तैयारी कर ली है। हमलोगों ने बिहार से वैसे बलिदानी परिवार के सदस्य को राम लला का दर्शन कराने का योजना बनाई है जो राम मंदिर जन्मभूमि आंदोलन से जुड़े हुए थे। उन्होंने बताया कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर का उद्घाटन 22 जनवरी को होना है।

4 घंटे में सामने आए कोरोना के 529 नए मामले

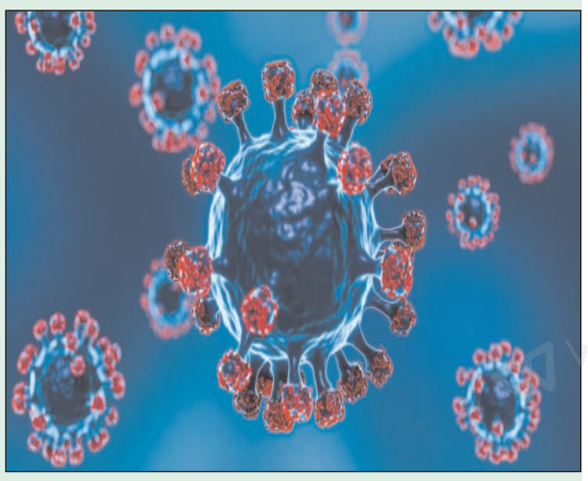

मानसी शर्मा /- कोरोना ने एक बार फिर से दस्तक दे दी है। वहीं भारत में भी कोरोना के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। कोरोना का नया सब वेरिएंट खठ.1के कई मामले सामने आए हैं। ये अब 7 राज्यों में लोगों को अपनी चपेट में ले चुका है और नए वेरिएंट से संक्रमित मरीजों की संख्या बढ़कर 83 हो गई है।

आंकड़ों के अनुसार कोरोना के नए वेरिएंट का सबसे ज्यादा असर गुजरात में देखने को मिल रहा है। गुजरात में खठ.1वेरिएंट के 34केस मिले हैं। वहीं इसके अलावा गोवा से 18, कर्नाटक से 8, महाराष्ट्र से 7, केरल और राजस्थान से 5-5, तमिलनाडु से 4और तेलंगाना से 2पॉजिटिव केस मिले हैं।

एक दिन में सामने आए 529 मामले

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, बुधवार को भारत में एक दिन में कोरोना के 529नए मामले सामने आए हैं, जिससे कुल एक्टिव मामलों की संख्या 4093हो गई है। 3संक्रमितों की मौत भी हुई है जिनमें से 2कर्नाटक के और एक गुजरात का मरीज शामिल हैं।

4.50 करोड़ है कुल मामले

कोरोना की कुल मामलों की बात की जाए तो तक कोविड-19 के मामलों की कुल संख्या 4.50 करोड़ (4,50,10,189) है। इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,33,340 हो गई है। मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,44,72,756 हो गई है। स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.81 प्रतिशत है, वहीं मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है। मंत्रालय के अनुसार, देश में अभी तक कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत 220.67 करोड़ खुराक दी जा चुकी है।

कर्नाटक सरकार ने जारी की एडवाइजरी

दूसरी तरफ,कर्नाटक सरकार ने कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के बीच एक नई एडवाइजरी जारी की है। जिसके तहत अब संक्रमितों को सात दिनों के लिए घर के अंदर आइसोलेशन में रहना होगा। इसके साथ ही उनके संपर्क में आए लोगों की भी जांच का निर्देश दिया गया है।

सलमान खान के जन्मदिन पर करण जौहर ने फैंस को दिया बड़ा तोहफा

मानसी शर्मा /- बॉलीवुड के सुपरस्टार और भाईजान कहे जाने वाले सलमान खान आज अपना 58वां जन्मदिन मना रहे हैं। भाईजान के जन्मदिन पर उन्हें फैंस से लेकर सेलेब्स तक सभी बधाईयां दे रहे हैं। वहीं सलमान खान के जन्मदिन पर उनके दोस्त करण जौहर ने बधाई के साथ सलमान के फैंस को बड़ा तोहफा दे दिया है। जिसके बाद भाईजान के फैंस में खुशी का ठिकाना नहीं है। करण जौहर ने सलमान खान के लिए एक लंबा-चौड़ा पोस्ट भी लिखा।

करण जौहर ने सलमान खान की अमन के किरदार की फोटो शेयर करते हुए लिखा-25 साल पहले मैं एक पार्टी में खोया हुआ और कंफ्यूज था। एक बड़ा फिल्म सितारा मेरे पास आया और मुझसे पूछा कि मैं एक कोने में क्यों खड़ा हूं। मैंने उसे बताया कि मैं एक किरदार के लिए कई एक्टर्स के पास गया था, लेकिन विनम्रता से सभी ने उसे रिजेक्ट कर दिया। सुपरस्टार की बहन मेरे करीब है, इसलिए उसने विनम्रतापूर्वक कहा कि उसने मेरी स्क्रिप्ट के बारे में बहुत बात की थी और यह कि मुझे अगले दिन उनसे मिलकर फिल्म

सुनानी चाहिए।

'मैं हैरान हो गया

करण ने आगे लिखा कि मैंने कभी नहीं सोचा था कि मुझे सलमान को फिल्म नेरेट करने का मौका मिलेगा और फिल्म की आधी स्क्रिप्ट सुनने के बाद ही उन्होंने फिल्म के लिए हां कह दी थी।

करण ने आगे लिखा-'मैं हैरान हो गया और बोला, लेकिन 'आप सेकेंड हाफ में हैं' आपने यह नहीं सुना? उन्होंने कहा, मैं तुम्हारे पिता से प्यार करता हूं और अगर मैंने यह फिल्म नहीं की तो मेरी बहन मुझे मार डालेगी और इस तरह से सलमान खान की कुछ कुछ होता है में एंट्री हुई।

सलमान खान के साथ किया कोलेबरेट

करण जौहर ने लिखा कि वह अलवीरा और उनके पिता यश जौहर के आभारी हैं, जिन्होंने यह सुनिश्चित किया कि उनकी फिल्म में 'परफेक्ट अमन' हो। इसके बाद उन्होंने कंफर्म किया कि वह एक प्रोजेक्ट के लिए एक बार फिर सलमान खान के साथ कोलेबरेट कर रहे हैं। जन्मदिन मुबारक हो सलमान! आपके लिए हमेशा इतना प्यार और सम्मान... साथ ही 25 साल बाद हमारे पास फिर से बताने के लिए एक कहानी होगी। जन्मदिन मुबारक हो, इसके अलावा और कुछ नहीं कह सकता।

फॉग अलर्ट : घने कोहरे की चपेट में उत्तर भारत, इस हफ्ते दिल्ली से पंजाब तक रहेगी धुंध की चादर

मानसी शर्मा /- दिल्ली समेत कई राजयों में पिछले कुछ दिनों से कोहरे का सितम देखने को मिल रहा है। उत्तर भारत के राज्यों में दिसंबर खतम होने से पहले ही घने कोहरे की शुरूआत हो गई है। 27 दिसंबर यानि आज नई दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और उत्तर भारत में घना कोहरा देखने को मिला है। दिल्ली में कोहरे का आलम ये रहा कि सड़कों पर गाड़ियों की रफ्तार धीमी हो गई। उत्तर भारत के अधिकतर इलाकों में विजिबिलिटी जीरो दर्ज की गई। उत्तर भारत से सटे मध्य भारत के हिस्सों में भी घना कोहरा देखने को मिल रहा है।

दिल्ली में कोहरे का हाल

मौसम विभाग की मानें तो सुबह 05:30 बजे सफदरजंग इलाके में विजिबिलिटी 50 मीटर दर्ज की गई। वहीं दिल्ली के पालम इलाके में विजिबिलिटी 125 दर्ज की गई। दिल्ली के साथ-साथ नोएडा और गाजियाबाद में भी घना कोहरा देखने को मिला। सड़कों पर वाहन चलाते हुए लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा। अगर तापमान की बात करें तो मौसम विभाग के अनुसार आज न्यूनतम तापमान 07 डिग्री और अधिकतम तापमान 24 डिग्री दर्ज किया जा सकता है।

यूपी का हाल

मौसम विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश के भी अलग-अलग शहरों में कोहरे का सितम देखने को मिला। उत्तर प्रदेश के बरेली में आज सुबह विजिबिलिटी 25 दर्ज की गई। वहीं, लखनऊ और प्रयागराज में भी विजिबिलिटी 25 रही। वाराणसी की बात करें तो यहां विजिबिलिटी 50 और झांसी में 200 मीटर दर्ज की गई। लखनऊ के तापमान की बात करें तो आज न्यूनतम तापमान 12 डिग्री और अधिकतम तापमान 24 डिग्री दर्ज किया गया।

पंजाब, मध्य प्रदेश समेत अन्य राज्यों का हाल

यूपी के कन्नौज में सिपाही का शव देखकर मंगेतर बेसुध..सीएम योगी लेंगे हिसाब

उत्तर प्रदेश के कन्नौज में हिस्ट्रीशीटर को गिरफ्तार करने गई पुलिस टीम पर हमले में घायल सिपाही सचिन (ग्रूँल्ल) की मौत हो गई है। कानपुर में इलाज कर रहे सिपाही की इलाज के दौरान मृत्यु हो गई।

सचिन की मंगेतर बोली- मैं भी सचिन के साथ जाऊंगी

सिपाही सचिन की शहादत पर उनकी मंगेतर कोमल चीखकर रो पड़ी। पोस्टमार्टम हाउस में चिल्लाकर बोली मैं भी सचिन के साथ जाऊंगी। 5 फरवरी को हमारी शादी है। वह पूछती रही, पैर में गोली लगने से सचिन कैसे मर सकता है। पार्थिव शरीर वाहन से उतारा गया तो बोली मैं भी उसके साथ जाऊंगी, उसे नीचे नहीं उतारा तो गाड़ी से कूद जाऊंगी। उसकी हालत देख परिजनों को उसे संभालना मुश्किल हो गया था।

शव को कंधा देते हुए वह बोली कि अब सचिन की विधवा बनकर जिऊंगी। सचिन की मंगेतर भी पुलिस महकमे में है। गोली लगने की खबर के बाद वह रात में ही सौ शैय्या अस्पताल पहुंच गई थी। डॉक्टरों के कानपुर (डंल्लस्र४१) रेफर करने पर वह भी साथ गई। क्या पता था कि जिसकी वह जीवन संगिनी बनने वाली थी वह नहीं रहेगा। सचिन की मौत ने उसे हिला कर रख दिया। इसके बाद वह उसके साथ ही रही और पोस्टमार्टम के बाद पार्थिव शरीर के साथ पुलिस लाइन पहुंची।

जानिए क्या था पूरा मामला?

सचिन को एक दिन पहले कन्नौज के धरनीधरपुर नगरिया गांव में 4

घंटे चली मुठभेड़ में उन्हें हिस्ट्रीशीटर अशोक कुमार उर्फ मुन्ना यादव की गोली लगी थी। कानपुर में इलाज के दौरान सोमवार रात करीब एक बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। डॉक्टरों के मुताबिक, अधिक रक्तस्राव के चलते उन्हें बचाया नहीं जा सका।

पुलिस ने हिस्ट्रीशीटर कुनबे पर हत्या समेत कई संगीन धाराओं में 2 मुकदमे दर्ज कराए हैं। वहीं पत्नी को जेल भेज दिया गया है। मुजफ्फरनगर के बुढ़ाना थाने के गांव शाहडब्बर के रहने वाले सचिन राठी 16 मई 2019 को पुलिस में भर्ती हुए थे। उनकी पहली नियुक्ति कन्नौज में ही हुई थी और पिछले 6 महीने से विशुनगढ़ थाने में तैनात थे। बीते सोमवार शाम टीम के साथ हिस्ट्रीशीटर की गिरफ्तारी के लिए धरनीधरपुर नगरिया पहुंचे थे। अचानक फायरिंग में सचिन की जांघ में गोली लगी थी।

हड्डी में घुस गई थी गोली

पोस्टमार्टम बिधनू सीएचसी के डॉ. राजेश सिंह ने किया। रिपोर्ट के मुताबिक अधिक खून बहने से मौत हुई। गोली सचिन की दायीं जांघ की नसों को चीरते हुए हड्डी में जा धंसी थी। इसी वजह से अधिक रक्तस्राव हो गया। शरीर पर कोई गंभीर चोट के निशान नहीं मिले। पीठ और हाथ में कुछ मामूली खरोंचे मिली हैं।

शव देख पिता हो गए बदहवास

सचिन के पिता कुछ रिश्तेदारों के साथ पोस्टमार्टम हाउस पहुंचे। बेटे के शव को देखकर वह बदहवास हो गये। बेटे की मौत पर पुलिस अफसरों से नाराजगी जताई। कई सवाल उठाए। उनका कहना था कि अगर इतना दुर्दात अपराधी पुलिस को पकड़ना था। तो पूरी तैयारी से जाना चाहिए था। अफसर थोड़ी संजीदगी दिखाते तो उनका बेटा जिंदा होता।

5 फरवरी को होने वाली थी सचिन की शादी

परिजनों के मुताबिक सचिन राठी की शादी 5 फरवरी 2024 को होनी तय हुई थी। शादी से महज 40 दिन पहले सचिन की मौत ने कोमल को झकझोर कर रख दिया।

26/11 आतंकी हमले के मास्टरमाइंड का पीएम बनने का सपना

मानसी शर्मा /- पाकिस्तान में एक बार फिर आम चुनाव होने जा रहे है। फरवरी 2024 में चुनाव होंगे और इसके लिए आतंकी हाफिज सईद और उसकी पार्टी ने कमर कस ली है। उसने अपने हर विधानसभा क्षेत्रों से उम्मीद्वार मैदान में उतारे है। जिसमें आतंकी हाफिज सईद का बेटा भी शामिल है। बता दें कि आतंकी हाफिज सईद 26/11मुंबई हमले के मास्टरमाइंड है। जो फिलहाल पाकिस्तान का पीएम बनने के सपने बुन रहा है।

आतंकी हाफिज सईद पीएम बनने के देख रहा सपने

पाकिस्तान में मोस्ट वांटेड आतंकी हाफिज सईद को पीएम बनाने की तैयारी की जा रही है। हाफिज के गुर्गों ने नई राजनीतिक पार्टी बनाई है। इसका नाम है पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग यानी पीएमएमएल। इसके पोस्टर और बैनर पिछले नौ महीने से कराची में लगे हुए हैं। इसकी शुरूआत महंगाई के विरोध में हुई थी, लेकिन अब यह पाकिस्तानी राजनीति में नया दावेदार बनता जा रहा है।

वहीं एक वीडियो संदेश में ढटटछ के अध्यक्ष खालिद मसूद सिंधु ने कहा, उनकी पार्टी अधिकांश राष्ट्रीय और प्रांतीय विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। उन्होंने कहा, हम भ्रष्टाचार के लिए नहीं, बल्कि लोगों की सेवा करने और पाकिस्तान को एक इस्लामिक कल्याणकारी राज्य बनाने के लिए सत्ता में आना चाहते हैं।

कश्मीर का फिर पाकिस्तान में उठा मुद्दा

दरअसल पाकिस्तान में फिर से कश्मीर के एजेंडे को जिंदा करने की कोशिश की जा रही है। पाकिस्तान का मतलब क्याह्न कश्मीर बनेगा पाकिस्तानह्न कश्मीरियों से रिश्ता क्या? ला इलाहा इ लल्लाहह्न? के नारे गूंज रहे हैं। लश्कर-ए-तैयबा के चीफ हाफिज सईद के जेल जाते ही ये नारे बंद हुए थे, लेकिन अब हाफिज सईद के बेटे तल्हा सईद इन नारों को जिंदा करने की कोशिश में जुटा है।

26/11आतंकी हमले का मास्टरमाइंड हैं सईद

बता दें कि मुंबई में 26/11आतंकी हमले का हाफिज मोहम्मद सईद मास्टरमाइंड है। इस हमले में छह अमेरिकियों समेत 166लोग मारे गए थे। अमेरिका ने भी उसके संगठन को आतंकी घोषित कर रखा है। यूएस ने उस पर 1करोड़ डॉलर का इनाम रखा है। फिलहाल, लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक हाफिज मोहम्मद सईद प्रतिबंधित जमात-उद-दावा (ख४ऊ) के कुछ अन्य नेताओं के साथ 2019से जेल में है। उसे आतंकी फंडिंग मामलों में दोषी ठहराया गया है।

इतना ही नहीं हाफिज से जुड़ा संगठन पाकिस्तान के लोगों को गुमराह करने के लिए राजनीतिक एजेंडा भी लेकर आया है. उनकी पार्टी चुनाव में इस्लामिक स्टेट का सपना दिखा रही है. हालांकि उनकी बातों और दावों पर कितने लोग भरोसा करते हैं ये चुनाव नतीजों के बाद साफ हो जाएगा. लेकिन, पाकिस्तान में बड़ी संख्या में पढ़े-लिखे युवा रोजगार चाहते हैं.

आपको बता दें कि इससे पहले मिल्ली मुस्लिम लीग (एमएमएल) 2018 के चुनाव में जेयूडी का राजनीतिक चेहरा थी। इसने अधिकांश सीटों पर, विशेषकर पंजाब प्रांत में, अपने उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन एक भी सीट जीतने में असफल रही। 2024 के चुनावों में एमएमएल पर प्रतिबंध के कारण पीएमएमएल का गठन किया गया है।

पहले की खूब मस्ती..फिर दोस्तों पर ही चढ़ा दी कार

मानसी शर्मा /- जयपुर में एक खौफनाक वारदात सामने आई है।यहां एक युवती पर कार चढ़ाकर उसकी हत्या कर दी गई। वहीं एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस ने आरोप के खिलाफ मामला दर्ज कर दिया है। वहीं पुलिस ने तलाश भी शुरू कर दी है।

मामूली बहस से युवती पर चढ़ाई कार

हुंआ यूं कि कुछ दोस्त मिलकर देर रात को पार्टी करने के लिए एक होटल में पहुंचे थे। सभी खा-पीकर होटल से बाहर आते है। लेकिन, अचानक बातचीत के दौरान है दो दोस्तों में बहस शुरू हो जाती है। ये बहस इतनी बढ़ जाती है कि एक युवक जो कार में पहले से ही बैठता हुआ था वह कार को थोड़ा पीछे लेता और फिर तेजी के साथ दो लोगों पर गाड़ी चढ़ा देते है। इसमें में एक युवक और युवती गंभीर रूप से घायल हो जाते है जिन्हें आनन-फानन में अस्पताल में भर्ती करवाया जाता है। लेकिन, डाक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया।

24 व 25 दिसंबर को बीआरजी ने 5 बड़ी रन में गाड़े सफलता के झंडे, जीते ईनाम

-बीआर जी ने 24 दिसंबर कैलास मैराथन नोएडा, स्टेडियम रन फरीदाबाद, 25 दिसंबर को नोएडा से ग्रेटर नोएडा दौड, दिल्ली स्टेट मास्टर्स जे एल एन स्टेडियम और हरियाणा स्टेट मास्टर्स खेल, गुडगाँव स्टेडियम में बहादुरगढ़ का नाम किया रोशन

बहादुरगढ़/शिव कुमार यादव/- बीते दो दिन में बहादुरगढ रर्नस ग्रुप ने वो कर दिखाया जो किसी भी कल्ब का सपना होता है। अब इसमें कोई अतिश्योक्ति नही रही है कि बीआरजी ग्रुप जहां भी जाता है अपनी पहचान छोड़कर आता है, उसी कडी मे बीते रविवार और सोमवार को हुए छोटी और बडी दुरी की दौड़ मे न केवल बीआरजी ने अपनी छाप छोड़ी है बल्कि सफलता के अपने झण्डे गाडे हैं।

नोएडा के सेक्टर-71 कैलाश हॉस्पिटल द्वारा न्यू भारत फिट भारत अभियान के तहत आयोजित ग्रैंड कैलाश मैराथन का आयोजन किया गया। इसमें अलग-अलग आयु वर्ग के 1000 से ज्यादा लोगों ने भाग लिया। इस मैराथन दौड़ मे बी आर जी ग्रुप से 70 धावक रन में उतरे जिसमे 12 धावको ने टाप 3 मे स्थान प्राप्त किया।

इस संबंध में दीपक छिल्लर ने बताया कि 5 किमी दौड मे वीरू कुशवाह ने तृतीय स्थान, परवीन कुमार (नील) ने 30 $ आयु वर्ग मे प्रथम स्थान, हितेश अहलावत ने द्वितीय, सुनील ने 40$ मे दूसरा स्थान, अजय नागपाल ने 50$ में द्वितीय स्थान, रणबीर सांगवान ने 55$ आयु वर्ग में तीसरा स्थान, मुन्नी देवी ने 70 $ आयु मे द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वही 10 किमी की दौड़ में आसिफ ने तृतीय स्थान, ब्रह्म प्रकाश मान ने 55$ आयु वर्ग मे प्रथम स्थान, पुनम अग्रवाल आयु वर्ग में में द्वितीय स्थान, शालू ने आयु वर्ग मे तृतीय स्थान हासिल किया। बिजय सिंह ने 10 किमी दौड़ में पेसर की भुमिका निभाई। दीपक छिल्लर व डा. किरण छिल्लर बतौर अम्बेस्डर बुलाया गया।

वही रविवार को ही फरीदाबाद मे आयोजित स्टेडियम रन मे बादल तेवतिया 3 घंटे की दौड़ में 39.65 किमी पहला स्थान, परवीन सांगवान द्वितीय 37 किमी 3 घंटे की दौड़, मयंक शर्मा 58.24 किमी 6 घंटे की दौड़ में प्रथम, मुकेश कुमार 57.82 किमी 6 घंटे की दौड़ में दूसरे स्थान पर रहे। नीरज छिल्लर, अरुण बिजयरन, सुमित राणा ने 3 घंटे की दौड़ पूरी की।

लम्बी दुरी की 7वीं क्रिसमस दौड़ नोएडा से ग्रेटर नोएडा के बीच 25 दिसंबर को 25 चयनित खिलाडियों को लेकर कराई गई। बी आर जी ग्रुप से शलभ खरे, नवीन राणा, दीपक छिल्लर, कौशल शर्मा ने की जिसका फ्लैग आफ दीपक छिल्लर और दीपक मेहरा ने किया।

खेड़ा डाबर चारक संस्थान में विदेशी छात्र कर रहे आयुर्वेद का अध्ययन

-मलेशिया, नेपाल, रवांडा, सीरिया, इंडोनेशिया और बांग्लादेश के 13 छात्र-छात्राएँ इस साल लेंगे आयुर्वेद की डिग्री

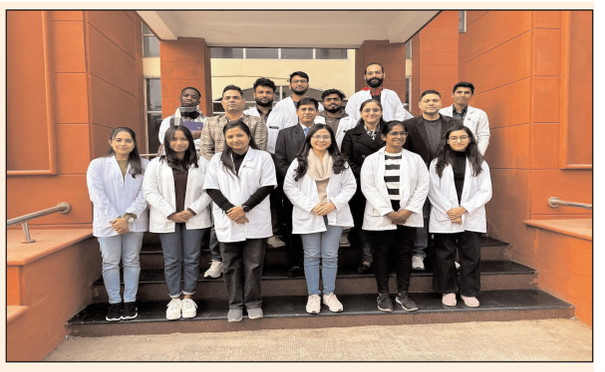

नजफगढ़ मेट्रो न्यूज/ शिवकुमार यादव/- चौधरी ब्रह्म प्रकाश आयुर्वेद चरक संस्थान, खेड़ा डाबर, नजफगढ़ में बी.ए.एम.एस. पाठ्यक्रम में विदेशी छात्र - छात्राएँ आयुर्वेद का अध्ययन कर रहें हैं।

संस्थान के डायरेक्टर-प्रिंसिपल प्रोफेसर (डॉ.) एम. बी. गौड़ ने बताया कि "भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद" (कउ-उफ), भारत सरकार के माध्यम से हर वर्ष यहाँ विदेशी छात्रों का प्रवेश होता है। अभी मलेशिया, नेपाल, रवांडा, सीरिया, इंडोनेशिया और बांग्लादेश के 13 छात्र-छात्राएँ संस्थान में अध्ययन कर रहें हैं। ये छात्र यहाँ से आयुर्वेद की डिग्री लेकर अपने देश में जाकर आयुर्वेद चिकित्सा के माध्यम से लोगों का इलाज करेंगें। आज शनिवार को डायरेक्टर प्रिंसिपल प्रोफेसर (डॉ.) एम. बी. गौड़ की अध्यक्षता में सभी विदेशी छात्रों के साथ एक मीटिंग का आयोजन किया गया, जिसमे सभी छात्रों ने संस्थान की व्यवस्था एवं अध्ययन के लिए संतोष जताया। इस अवसर पर डॉ. पूजा सभरवाल, इंचार्ज ऐकडेमिक । और ओ. एस. डी., डॉ. जयसिंह यादव, एस्टेट ऑफिसर एवं इंचार्ज ऐकडेमिक - ।।, डॉ. पंकज कटारा, प्रशानिक अधिकारी उपस्थित थे.

भारत रत्न अटल जी की जयन्ती पर हुआ काव्योत्सव-फिट एन शाइन क्लब में कवि कुल गौरव अटल जी को कवियों ने दी श्रद्धाजंलि

बहादुरगढ़/कृष्ण गोपाल विद्यार्थी/- भारत रत्न पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की जयंती पर स्थानीय फिट एन शाइन क्लब में काव्योत्सव का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली, रोहतक व बहादुरगढ़ के कवियों ने कवि कुल गौरव अटल जी को याद करते हुए उन्हें अपने भाव पुष्प अर्पित किए। मुख्य अतिथि बीके नवीन वाही के सानिध्य में हुए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि कृष्ण गोपाल विद्यार्थी ने की।

कवयित्री सुनीता सिंह की सरस्वती वंदना से शुरू हुए काव्योत्सव में जहाँ उपस्थित कवियों ने अपनी रचनाएँ प्रस्तुत कीं वहीं लंदन की यात्रा पर गये कवि विनोद गिरधर ने वीडियो कॉलिंग के जरिये एक गीत सुनाकर अटल जी की जीवन शैली पर अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. मंजु दलाल,बिल्लू मांडोठी,पवन गहलोत, देशराज देश व स. गुरमीत सिंह ने जहाँ अपनी काव्य रचनाओं से मंत्रमुग्ध किया वहीं कवि- कलाकार विरेंद्र कौशिक ने अपनी हरियाणवी रचनाओं की छटा बिखेरी। मुख्य अतिथि नवीन वाही व कुमार राघव ने अपनी कविताओं के अलावा अटल जी की कविताएं भी सुनाईं। किशोर मनु, कृष्ण प्रजापति व कौशल समीर ने भी अपनी उपस्थिती दर्ज कराई। गीतकार विद्यार्थी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन के दौरान अटल जी से हुई अपनी यादगार मुलाकातों से जुड़े कुछ रोचक संस्मरण भी सुनाए। देर शाम तक चले इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे मुख्य अतिथि वाही सहित सभी कवियों को सम्मानित भी किया गया। क्लब के निदेशक दम्पति डॉ. मोनिका व राजीव अहलावत के आभार ज्ञापन के साथ काव्योत्सव का समापन हुआ।

जदयू में टूट पक्की..!, ललन सिंह ने दिया इस्तीफा

पीएम पद पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के नाम से जदयू में नाराजगी

पटना/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दिल्ली में इंडी एलांयस की बैठक में पीएम पद पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम प्रस्तावित होने से जदयू में खासी नाराजगी है,। हालांकि सीएम नीतीश के नकारने के बावजूद यह पक्का हो गया है। लेकिन सीएम नीतीश के जदयू के अंदर सब कुछ ठीक होने के दावे की हकीकत का अर्थ कुछ और निकल रहा है। क्योंकि जदयू में टूट की आशंका की अटकले ललन सिंह के इस्तीफे के बाद पक्की होती दिखाई दे रही है।

बिहार विधानसभा में तीसरे नंबर की पार्टी जनता दल यूनाईटेड के अंदर सब कुछ ठीक है, यह कहना शायद ह्यठीकह्न होता तो 29 दिसंबर को दिल्ली में होने वाली राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक के ठीक पहले 25 दिसंबर को पटना में पूर्व मुख्यमंत्री दिवंगत कपूर्री ठाकुर के नाम पर होने वाला जदयू का बड़ा कार्यक्रम रद्द नहीं होता। इस बार अपेक्षाकृत बहुत कम ठंड है, इसलिए सर्दी के आधार पर कार्यक्रम रद्द होने की बात सहज नहीं लगती। बात उतनी भी सहज नही है क्योंकि कभी जदयू के टूटकर राजद में विलय की चर्चा आ रही, कभी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कुर्सी छोड़ने की, कभी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह को हटाकर खुद उस कुर्सी पर बैठने की और, इस बीच नीतीश कुमार खुद ललन सिंह के घर पर पहुंचकर भी इन अटकलों पर विराम नहीं लगा पा रहे।

जदयू के अंदर बात नहीं, भाजपा के अंदर खूब

मंगलवार को एक बार फिर ललन सिंह के जदयू अध्यक्ष पद से हटने की अटकलों ने जोर पकड़ा। इस बार उन्हें हटाए जाने की अटकल नहीं, बल्कि खुद हटने की। ह्यअमर उजालाह्न ने इस बारे में जदयू में छोटे-बड़े हर स्तर के नेताओं से बात की। बड़े नेताओं ने स्पष्ट तौर पर खंडन किया। जदयू कोटे से बिहार के वरिष्ठ मंत्री और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आसपास दिखने वाले विजय कुमार चौधरी ने दो दिन पहले भी इस बात का खंडन किया था। अब भी किया। इसके पहले ललन सिंह ने ऐसी तमाम अफवाहों पर साफ-साफ कहा था कि यह भाजपा में खाली पड़े नेताओं की दिमागी उपज है। इसी क्रम में जब भाजपा के नेताओं से बात की गई तो पता चला कि जदयू से ज्यादा भाजपा में नीतीश कुमार की पार्टी को लेकर खबरें हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सम्राट चौधरी और पूर्व उप मुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी तो दुहरा भी रहे हैं कि जदयू टूटने वाला है, राजद में विलय होने वाला है, कुछ लोग भाजपा में आएंगे, ललन सिंह की कुर्सी जाएगी... वगैरह-वगैरह। भाजपा के प्रदेश कार्यालय में दो कदम आगे भी चर्चा है। जैसे- ह्यनीतीश कुमार को पता चल गया है कि ललन सिंह उनके खिलाफ साजिश रच रहे थे, इसलिए उनसे मिलकर कह आए हैं कि खुद इस्तीफा सौंप दें।ह्न जितने मुंह उतनी बातें, खासकर भाजपा खेमे से।

तो, जदयू में क्या होने वाला है और कब- यह भी जानें

जदयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक 29 दिसंबर को दिल्ली में है। उस बैठक की पार्टी में पूरी तैयारी है। जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी इस तैयारी में अहम भूमिका निभा रहे हैं। त्यागी ने ही स्वीकार किया था कि इंडी एलायंस की बैठक में प्रधानमंत्री पद को लेकर किसी नाम का प्रस्ताव नहीं किए जाने की बात थी। मतलब, जदयू में इस बात के असंतोष की पुष्टि सिर्फ त्यागी ने की थी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू अध्यक्ष ललन सिंह भी इसे नकार चुके थे। इसलिए, बात तो है। 29 नवंबर को इस बात पर चर्चा होगी, यह पक्का है। इसके अलावा राजद-कांग्रेस के साथ सीट बंटवारे पर भी बात होगी और आम आदमी पार्टी या किसी अन्य की एंट्री पर भी पार्टी का फैसला होगा। जहां तक ललन सिंह के हटने का सवाल है तो ऐसा होने का मतलब है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और जदयू अध्यक्ष का दावा बेकार गया।

दिल्ली में नाबालिग ने दोस्तो संग सेक्शुअल हैरेसमेंट करने वाले युवक को मार डाला

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- दिल्ली के साउथ-ईस्ट इलाकें की निजामुद्दीन बस्ती में सेक्शुअल हैरेसमेंट से तंग आकर नाबालिग लड़के ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर सेक्शुअल हैरेसमेंट करने वाले युवक की हत्या कर दी। शव की पहचान न हो, इसलिए आरोपियों ने चेहरा पत्थर से कुचल दिया। फिर शव को आग लगा दी। दिल्ली पुलिस ने तीनों को पकड़ लिया है।

साउथ-ईस्ट दिल्ली के डिप्टी कमिश्नर राजेश राव के मुताबिक, 23 दिसंबर को पुलिस को सड़क पर तीन संदिग्ध नाबालिग दिखे। टीम को देख वे वे डर गए। इस पर टीम ने उनसे पूछताछ की तो उन्होंने बताया- हमने एक युवक की हत्या की है। आरोपियों ने बताया कि वे निजामुद्दीन बस्ती के रहने वाले हैं। हमनें आजाद अहमद (25 साल) नाम के शख्स की हत्या की है। उसका शव खुसरो पार्क में पड़ा है।

पुलिस ने आरोपियों की बताई जगह पर पहुंची तो वहां युवक का अधजला शव पड़ा मिला। शव के पास ही खुखरी (चाकू), लाठी और पत्थर भी पड़े थे, जिन्हें आरोपियों ने हत्या में इस्तेमाल किया था। क्राइम टीम और फोरेंसिक टीम को मौके पर बुलाया गया। सबूत इकट्ठा किए गए और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए एम्स भेज दिया गया।

डिप्टी कमिश्नर राजेश राव ने बताया कि पूछताछ में सामने आया कि आजाद ने एक आरोपी का कई बार सेक्सुअल हैरेसमेंट किया था। इसका बदला लेने के लिए नाबालिग ने अपने दो दोस्तों के साथ मिलकर उसकी हत्या का प्लान बनाया। तीनों ने 21 दिसंबर की रात 10 बजे आजाद को पार्क में पीटा, फिर खुखरी घोंपकर हत्या कर दी।

तीनों नाबालिग शेल्टर होम भेजे गए

डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि तीनों के खिलाफ हत्या संबंधी धाराओं में केस दर्ज कर लिया गया है। उन्हें जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सामने पेश करने के बाद शेल्टर होम भेज दिया गया है।

पुरुषों के सेक्शुअल हैरासमेंट पर देश में कानून सीमित

इंडियन पीनल कोड (आईपीसी) की धारा 354, 509 और 376 सेक्सुअल हैरेसमेंट से जुड़े हैं। लेकिन ये सारे कानून महिलाओं के साथ ईव टीजिंग, सेक्सुअल हैरेसमेंट और रेप के हैं जो पुरुषों पर लागू नहीं होते। पुरुषों के यौन उत्पीड़न से जुड़ा केवल एक ही धारा है वह है आईपीसी की धारा 377।

द्वारका कोर्ट में वरिष्ठ वकील उमेश यादव ने बताया कि कोई पुरुष किसी पुरुष के साथ अप्राकृतिक संबंध बनाए तो इसे अपराध माना जाएगा। ऐसा साबित होने पर 10 साल से लेकर उम्र कैद तक की सजा हो सकती है। अगर पुरुष महिला के साथ भी ऐसा करे तो इस परिस्थिति में भी धारा 377 के तहत अपराध माना जाता है।

फ्रांस में 4 दिन रोके गए 276 भारतीय मुंबई पहुंचे :-एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ ने की पूछताछ, मीडिया के सवालों से मुंह छिपाकर भागते नजर आए

पेरिस/मुंबई/शिव कुमार यादव/- मानव तस्करी के शक में फ्रांस में 4 दिन रोका गया प्लेन बाद मंगलवार सुबह मुंबई ले आया गया। इसने 25 दिसंबर की शाम पेरिस के वाट्री एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। यह मंगलवार सुबह 4 बजे मुंबई एयरपोर्ट पर लैंड हुआ। इस फ्लाइट से 276 लोग लौटे हैं। एयरपोर्ट पर पहुंचते ही सीआईएसएफ ने इनसे पूछताछ की। वहीं, कई लोग मीडिया के सवालों का जवाब देने से बचने के लिए भागते नजर आए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इनमें ज्यादातर लोग पंजाब, गुजरात और दक्षिण भारत के हैं।

पहले इस फ्लाइट के सोमवार दोपहर 2:20 बजे भारत आने की जानकारी दी गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, कुछ लोग देश वापसी नहीं करना चाहते थे। इस वजह से फ्लाइट के उड़ान भरने में देरी हो गई। इन लोगों ने फ्रांस में ही शरण देने की मांग की थी। दरअसल, 22 दिसंबर को दुबई से निकारागुआ जा रहे भारतीय नागरिकों वाला विमान वाट्री एयरपोर्ट पर ईंधन भरने के लिए उतरा था। इस दौरान फ्रांस के अधिकारियों को सूचना मिली कि इसमें मानव तस्करी के पीड़ितों को ले जाया जा रहा है, जिसके बाद फ्लाइट को उड़ान भरने से रोक दिया गया था।

मानव तस्करी के शक में पकड़ गए 2 आरोपी रिहा

पहले खबर थी कि इस प्लेन से 300 यात्री भारत आ रहे हैं। इनमें से 25 भारतीयों ने फ्रांस में शरण मांगी है, इन्हें पेरिस के स्पेशल जोन ह्यचार्ल्स द गॉलह्न एयरपोर्ट पर उस जगह भेज दिया गया है, जहां शरण मांगने वालों को रखा जाता है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, फ्रांस की पुलिस ने उन दो लोगों को भी रिहा कर दिया है, जिनसे मानव तस्करी के शक में पूछताछ की जा रही थी। इन पर फ्रेंच लॉ के तहत केस चलने वाला था, लेकिन जब उन्हें एक जज के सामने पेश किया गया तो दोनों को रिहा कर दिया गया। दोनों लोगों को विटनेस स्टेटस पर रखा गया है। वहीं, एक फ्रेंच टीवी चैनल ने दावा किया है कि प्लेन में कुछ पैसेंजर्स भारत की बजाय निकारागुआ ही जाना चाहते थे।

मानव तस्करी के एंगल से केस की जांच नहीं करेगी फ्रांस पुलिस

फ्रेंच न्यूजपेपर ला मोंड की रिपोर्ट के मुताबिक, दुबई से फ्रांस पहुंचने वाली फ्लाइट में लोग अपनी मर्जी से आए थे। इसलिए फ्रांस की पुलिस ने मानव तस्करी के एंगल से मामले की जांच बंद कर दी है। अब इसे इमिग्रेशन के कानूनों के उल्लंघन के तौर पर देखा जा रहा है।

अब पूरा मामला टाइमलाइन में समझें...

21 दिसंबर को रोमानिया की चार्टर कंपनी का एक प्लेन दुबई से निकारागुआ के लिए उड़ान भरता है, 23 दिसंबर को इस प्लेन का फ्रांस के वाट्री एयरपोर्ट पर फ्यूल और टेक्निकल मेंटेनेंस के लिए उतरना पहले से तय था। लैंडिंग के कुछ देर बाद ही फ्रांस पुलिस की कई गाड़ियां यहां पहुंचीं और एयरक्राफ्ट को कब्जे में ले लिया। फ्रांस को शक था कि इस प्लेन में मौजूद लोगों की तस्करी हो रही थी। फ्रांस की एंटी ऑर्गनाइज्ड क्राइम यूनिट को इस मामले की जांच सौंपी गई।

जिस एयरक्राफ्ट को वाट्री एयरपोर्ट पर पुलिस ने रोका था। पुलिस के मुताबिक यह ए-340 एयरक्राफ्ट है। रोमानिया की लीजेंड एयरलाइंस ने इस प्लेन को कुछ लोगों के लिए बुक किया था। फ्रांस ने मानव तस्करी के शक में प्लेन में मौजूद 2 लोगों को अलग से हिरासत में लिया और इनसे कड़ाई से पूछताछ की। वाट्री एयरपोर्ट पर रिसेप्शन हॉल को वेटिंग एरिया में बदल दिया गया और सभी यात्रियों को वहां रखा गया।

मुस्लिम समाज को भी भेजी जा रही श्रीराम की पाती

रामलला के आंगन के लिए अब्दुल-इकरा ने दी निधि

वाराणसी/नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- अयोध्या में बन रहे भव्य राममंदिर के लिए पूरे देश के हिन्दूओं के साथ-साथ काशी प्रांत के चार हजार से ज्यादा मुसलमानों ने दान स्वरूप लाखों रुपये की धनराशि प्रदान की है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के काशी प्रांत के 27 जिलों में निधि समर्पण अभियान में मुसलमानों राम-रहीम, कृष्ण-करीम और महादेव-मोहम्मद में एकरूपता की मिसाल पेश करते हुए बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया था। यही कारण है कि काशी प्रांत से ही मुस्लिम समाज का सहयोग दो करोड़ रुपये से ज्यादा तक पहुंच गया। अब अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के लिए समर्पण राशि देने वाले मुस्लिम समाज के लोगों को भगवान श्रीराम की पाती भेजी जा रही है।

परंपरा और सौहार्द की सिरमौर रही काशी में रामलला के अयोध्या में विराजमान होने के निर्णय के बाद ही मुस्लिम समाज भी समर्पण निधि का हिस्सा बन गया था। मयार्दा पुरुषोत्तम राम के प्रति मुस्लिम समाज के रुझान को देखते हुए आरएसएस ने प्रत्येक जिले में समर्पण निधि के कार्यक्रम आयोजित किए। 27 जिलों में 30 से ज्यादा कार्यक्रमों में चार हजार से ज्यादा मुसलमानों ने अपनी क्षमता के अनुसार मंदिर निर्माण में दान दिया।

जौनपुर के डॉ. अब्दुल कादिर ने दिए एक लाख 11 हजार

जौनपुर के मोहम्मद हसन पीजी कालेज के प्राचार्य डॉ. अब्दुल कादिर ने राम मंदिर के निर्माण के लिए एक लाख 11 हजार रुपये की धनराशि दी है। डॉ. कादिर का कहना है कि यह हमारे देश के लिए गौरव की बात है कि अयोध्या में श्रीराम का मंदिर का बन रहा है। मंदिर के निर्माण के लिए सहयोग राशि के जरिये यह संदेश देने की कोशिश है कि इस देश में हमें एक दूसरे की पूजा, परंपरा और तौर तरीकों का सम्मान करना चाहिए। जब हम समाज में एक दूसरे के सुख दुख में साथी हैं तो फिर मंदिर-मस्जिद में भेद नहीं कर सकते।

इकरा ने धनराशि समर्पित कर हाथ पर गुदवाया जय श्रीराम

वाराणसी की इकरा अनवर ने राम मंदिर निर्माण की शुरूआत होने से पहले महामंडलेश्वर जितेंद्रानंद सरस्वती से संपर्क किया और उन्हें मंदिर निर्माण कोष में 11 हजार रुपये की सहयोग राशि समर्पित की। इकरा अनवर ने अपने दाहिने हाथ पर जय श्रीराम भी गुदवाया है। महामंडलेश्वर जितेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि इकरा अनवर ने अपने समाज के कई लोगों को सहयोग के लिए प्रेरित भी किया। इसके पीछे उनकी मंशा सौहार्द की डोर को मजबूत करना ही है।

काशी प्रांत के 27 जिलों में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग निधि समर्पण अभियान में भागीदार बने। मुस्लिम समाज के लोग सार्वजनिक मंचों तक बेहिचक समर्पण राशि देने पहुंचे। चार हजार से ज्यादा मुस्लिम समाज के लोगों ने सहयोग राशि प्रदान की है। -

विकास का फायदा हर किसी को- पीएम मोदी- क्रिसमस डे पर आयोजित कार्यक्रम में बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली/शिव कुमार यादव/- लोक कल्याण मार्ग पर क्रिसमस डे पर आयोजित एक कार्यक्रम में पीएम मोदी ने कहा कि वह सबका साथ, सबका विकास के मंत्र पर विश्वास करते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हम ये सुनिश्चित कर रहे हैं कि विकास का फायदा हर किसी तक पहुंचे और कोई इससे अछूता ना रहे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कुछ साल पहले वह पोप से मिले थे। इस मुलाकात ने मुझ पर अमिट छाप छोड़ी। उन्होंने कहा कि क्रिसमस वह दिन है, जब हम ईसा मसीह के जन्म का जश्न मनाते हैं. यह उनके जीवन, संदेश और मूल्यों को याद करने का भी दिन है।

वंचितों तक पहुंच रहा विकास का लाभ

पीएम मोदी ने कहा कि ईसाई समुदाय के कई लोगों तक विशेषकर गरीब और वंचितों तक भी आज देश में हो रहे विकास का लाभ पहुंच रहा है। ईसा मसीह ने करुणा और सेवा के मूल्यों को जीया है। उन्होंने एक ऐसा समाज बनाने के लिए काम किया, जिसमें सबके लिए न्याय हो।

भारत को विकसित देश बनाने की ओर बढ़ रहे

उन्होंने कहा कि सरकार 2047 तक विकसित भारत बनाने के लक्ष्य के साथ अपनी विकास यात्रा को तेज गति से आगे बढ़ा रहे हैं। इस यात्रा में हमारे सबसे महत्वपूर्ण साथी हमारे युवा हैं. पीएम मोदी ने कहा कि क्रिसमिस पर गिफ्ट देने की परंपरा है, इसलिए हमें इस बात पर विचार करना चाहिए कि कैसे हम आने वाली पीढ़ियों को एक बेहतर प्लानेट गिफ्ट के रूप में दे सकते हैं।

लोगों को क्रिसमिस की शुभकामनाएं दीं

इससे पहले पीएम मोदी ने कार्यक्रम में मौजूद लोगों के साथ -साथ देश और दुनिया को क्रिसमिस की शुभकामनाएं दीं और कहा मैरी क्रिसमिस। पीएम मोदी ने बताया कि जब वह गुजरात के सीएम थे तो ईसाइ समाज के लोगों और नेताओं के साथ अक्सर मिलते थे। इस दौरान उन्होंने कई मुद्दों पर चर्चा की थी।

अपूर्वा में स्टंट करते समय तारा सुतारिया ने बॉडी डबल का इस्तेमाल नहीं किया

मानसी शर्मा/- तारा सुतारिया, डिज्नी+हॉटस्टार पर 15 नवंबर से स्ट्रीम होने वाली सीरियस सर्वाइवल थ्रिलर ह्यअपूर्वाह्न में अपने दमदार किरदार से अपने बारे में बनी धारणाओं को तोड़ देंगी.

तारा सुतारिया ने अपने किरदार के लिए चौबीसों घंटे मेहनत की है और सभी स्टंट खुद किए हैं. वह याद करती हैं, ह्यजैसलमेर में शूटिंग के दौरान मैं नंगे पैर थी. मैं ट्रेन से कूद रही थी, गर्म रेत पर चल रही थी और अपने सभी स्टंट बिना बॉडी डबल के कर रही थी. मैं रुक-रुक कर झपकी लेती रहती थी क्योंकि हम दिन-रात शूटिंग कर रहे थे।

वह आगे कहती हैं, ह्यबहुत सारी नायक-केंद्रित फिल्में हैं लेकिन महिला-ओरिएंटेड फिल्में काफी कम हैं. मुझे खुशी है कि इस फिल्म के लिए मुझे चुना गया. महिलाओं में एक जन्मजात शक्ति होती है जो विपरीत परिस्थितियों में सामने उभर कर आती है. किसी भी महिला की जिन्दगी में ऐसी स्थिति न आएं लेकिन एक अभिनेत्री के रूप में यह भूमिका मेरे लिए काफी स्पेशल है.अपूर्वा एक साधारण लड़की की कहानी है जो असाधारण परिस्थितियों का सामना करती है और जिंदा रहने के लिए कुछ भी कर सकती है. भारत के सबसे खतरनाक जगह में से एक, चंबल में सेट यह फिल्म भारत के कुछ प्रमुख क्रिएटिव माइंड्स द्वारा प्रस्तुत की गई है, जो इस गंभीर थ्रिलर के लिए एक साथ आए हैं.

सिने1 स्टूडियोज और स्टार स्टूडियोज प्रोडक्शन वाली फिल्म अपूर्वा को स्टार स्टूडियोज प्रजेंट कर रहा है. यह फिल्म निखिल नागेश भट द्वारा लिखित और निर्देशित है, जो मुराद खेतानी और स्टार स्टूडियो द्वारा निर्मित है. यह 15 नवंबर से केवल डिज्नी+हॉटस्टार पर स्ट्रीमिंग होगी.

दुआ लीपा

ने इंडिया में मनाया अपना वेकेशन, तस्वीरें शेयर कर सिंगर ने लिखा, मैं बहुत भाग्यशाली हूं

नया साल यानी 2024 की शुरुआत होने जा रही है। ऐसे में दुनिया भर में इस नए साल का जश्न मनाया जा रहा है। हर कोई अपने-अपने अंदाज में साल 2023 को बाय-बाय कर रहे हैं और नए साल के जोर-दार स्वागत के लिए खड़े हैं।एक तरह जहां बॉलीवुड सेलेब्स विदेशों में अपना साल मना रहे हैं तो वहीं हॉलीवुड की जानी मानी सिंगर दुआ लीपा (Dua Lipa) पिछले कुछ दिनों से इंडिया में रही और उन्होंने शानदार वेकेशन सेलिब्रेट किया। सोशल मीडिया पर उन्होंने अब अपनी कुछ नई फोटोज साझा की है, जिसमें उन्होंने इंडिया की भी खूब तारीफ की है।

भारत में ऐसा रहा दुआ का सफर

दुआ लीपा अल्बानिया की मशहूर सिंगर हैं। जो बीते दिनों भारत में वेकेशन पर रही। ऐसे में अब सिंगर ने अपने इंस्टाग्राम पर कुछ नई तस्वीरें शेयर की हैं। एक तस्वीर में वह पीले रंग के राजस्थानी कुर्ते में हाथों में कप पकड़े नजर आ रही हैं। इसके अलावा एक वीडियो में राजस्थानी महिलाओं का एक सुंदर नृत्य

प्रदर्शन भी दिखाया गया। तो वहीं तीसरी फोटो में दुआ लीपा एक हाथी के साथ मुस्कुराती नजर आ रही हैं। इसके अलावा घोड़े पर सवारी करती नजर आ रही है।

मैं बहुत भाग्यशाली महसूस कर रही हूं

इन फोटोज में एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, भारत में अपना साल खत्म करके मैं बेहद भाग्यशाली महसूस कर रही हूं। यहां के सभी अद्भुत लोगों को धन्यवाद, जिन्होंने हमें इतना प्यार, दयालुता, आतिथ्य और उदारता दिखाई है। यह अनुभव गहरा अर्थपूर्ण रहा है। मैं अपने परिवार के साथ उस जादू में रहने के लिए भाग्यशाली महसूस करती हूं जहां हमें तलाशने, फिर से संगठित होने, रिचार्ज करने और पुन: आरंभ करने का समय मिला है। आने वाले वर्ष के लिए तैयार हूं।

फैंस ने किए कमेंट्स

सिंगर की तस्वीरों पर फैंस ने जमकर कमेंट्स आ रहे हैं। एक फैन ने लिखा, विश्वास नहीं हुआ कि हॉलीवुड पॉप सिंगर भारत में छुट्टियां मनाई। एक यूजर ने लिखा, क्या दुआ भारत में है यकीन नहीं हो रहा।

दुनिया भर में फेमस है दुआ लीपा

महज 28 की उम्र में वह दुनिया भर में पहचान बना चुकी हैं। सिंगर ने साल 2014 में अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने वार्नर ब्रदर्स रिकॉर्ड्स के साथ एक रिकॉर्ड समझौते पर हस्ताक्षर करके अपने संगीत करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने अपने करियर में कई सुपरहिट गाने गाए हैं, जिसकी पूरी दुनिया फैन है।

सारा अली खान

ने साझा की साल 2023 की खूबसूरत यादें, वीडियो शेयर कर दिखाई एक झलक

नए साल यानी 2024 की शुरुआत । हर कोई नए साल के जश्न में डूबा हुआ है। आमजन से लेकर फिल्मी सितारे भी नए 2023 को बाय-बाय कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर हर कोई साल 2023 की खूबसूरत यादों का पिटारा खोल रहा है। अब इस साल के जाते-जाते एक्ट्रेस सारा अली खान ने भी एक वीडियो साझा किया है।

ऐसा रहा सारा का साल 2023

इस वीडियो में सारा अली खान (Sara Ali Khan) ने अपने साल 2023 की कुछ यादगार पलों को फैंस के साथ शेयर किया है। इस वीडियो में देख सकते हैं कि सारा ने इस साल कितनी फिल्मों की शूटिंग की। कान्स फिल्म फेस्टिवल की झलक दिखाई। इसके अलावा एक्ट्रेस ने ये भी दिखाया कि वह इस पूरे साल कितनी जगहों पर वेकेशन मनाने गई। सारा अली खान का ये वीडियो इतना ज्यादा बेहतरीन है, जिस पर से आप अपनी नजरें नहीं हटा पाएंगे।

बाय-बाय साल 2023- सारा अली खान

इस वीडियो के कैप्शन में सारा अली खान ने लिखा, 2023 बाय-बाय। फिल्मों, मस्ती, पहाड़ों, मम्मी और कई प्रियजनों के लिए धन्यवाद आभार संतोष आनंद । प्रकट प्यार, शांति, परिवार और तस्वीरें (और पॉपकॉर्न) । जय भोलेनाथ। सोशल मीडिया पर एक्ट्रेस के इस वीडियो को काफी पसंद किया जा रहा है।

लंदन में नया साल मना रही हैं सारा

सारा अली खान इस वक्त लंदन में अपना न्यू ईयर हॉलीडे मना रही हैं। हाल ही में एक्ट्रेस ने मां अमृता सिंह और पापा सैफ अली खान के साथ फोटोज शेयर की थी। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा था, इस मैरी क्रिसमस के लिए धन्यवाद सांता। इब्राहिम, काश तुम पेकन पाई खाने के लिए, जश्न मनाने और क्रिसमस सेलिब्रेट करने के लिए यहां होते।

एक्ट्रेस की आने वाली फिल्में

सारा के वर्कफ्रंट की बात करे तो, ऐ वतन मेरे वतन में नजर आएंगी। इस फिल्म में वह स्वतंत्रता सेनानी उषा मेहता के किरदार में होंगी। इसके अलावा उनके पास अनुराग बसु की फिल्म और होमी अदजानिया की मर्डर मुबारक भी हैं।

डबल एविक्शन के बाद एक और कंटेस्टेंट चढ़ा एलिमिनेशन की बली, तगड़ी फैन फॉलोइंग नहीं आई काम

बिग बॉस 17 में धड़ाधड़ कंटेस्टेंट विकेट की तरह गिरते जा रहा हैं। हाल ही में डबल एलिमिनेशन की खबर ने झटका दिया। वहीं, अब एक और कंटेस्टेंट के एविक्शन की चौंका देने वाली जानकारी सामने आई है। बिग बॉस 17 की शुरुआत 17 सेलिब्रिटीज के साथ हुई थी। बीच में कुछ वाइल्ड कार्ड एंट्री भी शो में शामिल हुई। वहीं, अब हर किसी के लिए आगे बढ़ना मुश्किल होता जा रहा है।

तीन कंटेस्टेंट हुए बाहर

बिग बॉस 17 अपने फिनाले की ओर बढ़ रहा है। ऐसे में शो में टिके रहना भी कंटेस्टेंट्स के लिए चैलेंजिंग होता जा रहा है। बिग बॉस की शख्ती बढ़ती जा रही है। इस बार तो बिग बॉस 17 से सीधा तीन कंटेस्टेंट्स को एक हफ्ते में बाहर कर दिया गया है।

किस कंटेस्टेंट का हुआ एविक्शन ?

बिग बॉस 17 में इस हफ्ते चार कंटेस्टेंट्स नॉमिनेटेड थे। इनमें रिंकू धवन, अभिषेक कुमार, नील भट्ट और आयशा खान का नाम शामिल है। एविक्शन के दौरान रिंकू धवन का पत्ता साफ हो गया है। वहीं, डबल एलिमिनेशन की मार नील भट्ट को झेलनी पड़ी। अब अनुराग डोभाल के बाहर जाने की अपडेट आई है।

बिग बॉस से पंगा पड़ा भारी

अनुराग डोभाल और बिग बॉस के बीच अनबन शुरुआत से देखने को मिल रही थी। बीच में राइडर ने शो से बाहर जाने की भी जिद्द की। वहीं, अब खुद बिग बॉस ने उन्हें शो से बाहर का रास्ता दिखा दिया है। बिग बॉस 17 से जुड़ी अपडेट शेयर करने वाले फैन पेज के अनुसार, बिग बॉस ने ऑरा, मुनव्वर फारुकी और ईशा मालवीय को बुलाया और किसी एक कंटेस्टेंट को एलिमिनेट करने के लिए कहा।

बिग बॉस से राइडर की हुई छुट्टी

मुनव्वर फारुकी ने अनुराग डोभाल का नाम लिया। वहीं, ऑरा ने अभिषेक कुमार और ईशा मालवीय ने आयशा खान का नाम लिया। अंत में तीनों ने आपसी सहमति से अनुराग डोभाल का नाम लिया और शो से उनकी छुट्टी हो गई।

मंजुलिका, सिल्क स्मिता, बेगम जान... वो किरदार, जो निभा सकती हैं सिर्फ विद्या बालन

विद्या बालन को फिल्म इंडस्ट्री की बहुमुखी प्रतिभाओं में से एक माना जाता है। किरदार को जिस बारीकी के साथ विद्या निभाती हैं, वैसा हुनर कम ही अभिनेत्रियों में देखने को मिलता है। अपनी पहली फिल्म परिणीता से लेकर शेरनी तक विद्या ने हर किरदार को शिद्दत से निभाया।सिनेमा में योगदान के लिए भारत सरकार ने उन्हें 2014 में प्रतिष्ठित पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित किया था। 2005 में बॉलीवुड में डेब्यू करने के बाद से अब तक उन्होंने कुछ बेहतरीन परफॉर्मेंसेज दी हैं। जन्मदिन के मौके पर विद्या की कुछ यागदार परफॉर्मेंसेज।

परिणीता

2005 में आई प्रदीप सरकार द्वारा निर्देशित यह रोमांटिक फिल्म शरत चंद्र चट्टोपाध्याय के 1914 के इसी नाम के बंगाली नॉवल पर आधारित थी। इस फिल्म में विद्या बालन के साथ सैफ अली खान और संजय दत्त ने महत्वपूर्ण भूमिकाएं निभाई थीं। रेखा भी फिल्म में एक छोटी सी भूमिका में नजर आई थीं।

लगे रहो मुन्नाभाई

अपनी पहली फिल्म के तुरंत बाद 2006 में राजकुमार हिरानी की मुन्नाभाई एम.बी.बी.एस. की अगली कड़ी लगे रहो मुन्नाभाई में नजर आई। इस फिल्म में विद्या ने चंचल आरजे जाह्नवी की भूमिका निभाई। फिल्म को हर किसी ने बेहद पसंद किया था। साथ ही इसे ढेर सारे पुरस्कार मिले।

भूल भुलैया

प्रियदर्शन द्वारा निर्देशित फिल्म साल 2007 में रिलीज हुई थी। इसमें विद्या बालन, अक्षय कुमार, अमीषा पटेल और शाइनी आहूजा ने मुख्य भूमिकाएं निभाई थीं। साइकोलॉजिकल थ्रिलर फिल्म में विद्या का मंजुलिका वाला किरदार आज भी याद किया जाता है।

इश्किया

2010 में आई अभिषेक चौबे निर्देशित इश्किया रोमांटिक थ्रिलर फिल्म है, जिसमें विद्या बालन ने नसीरुद्दीन शाह और अरशद वारसी के साथ मुख्य भूमिका निभाई थी। आदिल हुसैन भी अहम किरदार में थे। इस फिल्म में विद्या बालन का सिडक्ट्रेस वाला अंदाज खूब लोकप्रिय हुआ था।

पुतिन ने युद्ध तो जिनपिंग ने अर्थव्यवस्था पर दिया संदेश

मास्को/बीजिंग। नया साल शुरू हो चुका है। आज साल का पहला दिन है। लोगों ने पटाखे फोड़कर 2024 का स्वागत किया। इसी के साथ, 2023 की विदाई हो गई। देशभर में जश्न का माहौल है। लोग एक-दूसरे को नववर्ष की शुभकामनाएं दे रहे हैं। ऑकलैंड में आतिशबाजी के प्रदर्शन के साथ 2024 के आगमन का जश्न मनाने वाले न्यूजीलैंडवासी दुनिया के पहले लोगों में से थे। आतिशबाजी ने रात के बादलों से जगमगाते आसमान को रोशन कर दिया और इसके साथ ही लेजर लाइट और एनीमेशन शो भी हुआ। आइए जानते हैं दुनिया भर के नेताओं ने किस तरह से 2023 को विदाई दी और नए साल का जश्न मनाया।

व्लादिमीर पुतिन: रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने नए साल के मौके पर रविवार को देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध का जिक्र किया और अपने सैनिकों को नायक बताया। साथ ही एकता एवं साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

शी जिनपिंग: चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने रविवार को एक टीवी पर दिए भाषण में सबको नए साल की बधाई दी। साथ ही उन्होंने इस दौरान कहा कि देश 2024 में अपनी आर्थिक बहाली की सकारात्मक प्रवृत्ति को और बढ़ाएगा।

लाइव आकर डेनमार्क की महारानी मार्ग्रेट द्वितीय ने किया यह एलान, सब सुनकर रह गए दंग

काठमांडू। डेनमार्क की महारानी मार्ग्रेट द्वितीय ने नई साल पर सबको चौंकाने वाली खबर दी है। उन्होंने अपने 52 साल के शासनकाल पर विराम लगाने की घोषणा की है। महारानी ने रविवार को बताया कि वह इसी महीने 14 जनवरी को अपना पद छोड़ देंगी और अपनी राजगद्दी अपने सबसे बड़े बेटे को सौंपेंगी।

सिंहासन पर आधी सदी पूरी

हर साल की तरह ही 83 वर्षीय महारानी इस वर्ष भी नए साल की पूर्व संध्या पर एक लाइव टीवी पर भाषण दे रही थीं, तभी अचानक उन्होंने पद छोड़ने की घोषणा कर दी। इससे हर कोई हैरान रह गया। महारानी मार्ग्रेट द्वितीय ने सिंहासन पर आधी सदी पूरी की है। अपने इस 52 साल के दौर में उन्होंने डेनिश राजघराने के आधुनिकीकरण के लिए जो किया, उसके लिए उनकी हर तरफ सराहना की जाती है।

1972 से डेनमार्क की शासिका

गौरतलब है कि महारानी मार्ग्रेट द्वितीय 1972 से डेनमार्क की शासिका हैं।

पीठ के ऑपरेशन के बाद आया विचार

फरवरी में पीठ के सफल ऑपरेशन का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे साल 2023 की शुरुआत में पीठ की सर्जरी के बाद भविष्य के बारे में विचार आने लगे। इससे यह भी पता चला कि कब अपने बेटे को ताज की जिम्मेदारियां सौंपनी हैं। इसलिए मैंने तय कर लिया है कि अब सही समय है।' उन्होंने कहा, 'अपने पिता की जगह लेने के 52 साल बाद 14 जनवरी को मैं डेनमार्क की रानी का पद छोड़ दूंगी। इसके बाद मेरा बड़ा बेटा क्राउन प्रिंस फ्रेडरिक जिम्मेदारी संभालेगा।'सितंबर 2022 में ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की मृत्यु के बाद वह यूरोप में सबसे लंबे समय तक सेवा करने वाली महारानी बन गईं। जुलाई में, वह डेनमार्क के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सिंहासन पर बैठने वाली सम्राट बन गईं।

दूसरे कार्यकाल के लिए फिर से चुने गए कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स, नेताओं ने दी बधाई

कांगो। कांगो के राष्ट्रपति फेलिक्स शीसेकेदी ने एक बार फिर राष्ट्रपति का चुनाव जीत लिया है। उन्हें 73 फीसदी से अधिक वोट मिले हैं। शीसेकेदी को यह लगातार दूसरी बार राष्ट्रपति चुनाव में जीत मिली है, जिसमें उन्होंने प्रतिद्वंद्वी विपक्षी नेता मोइसे कटुम्बी को हरा दिया है। उनकी जीत के बाद नेताओं की बधाइयों का तांता लग गया है। देश में 20 दिसंबर को मतदान कराया गया था, जिसके परिणाम राजधानी किंशासा में घोषित किये गये। इस बीच विपक्ष एवं कुछ नागरिक समूहों ने लॉजिस्टिक संबंधी समस्या के कारण फिर से मतदान कराने की मांग की है, जिससे घोषित परिणाम की वैधता पर सवाल खड़ा हो गया है। सीईएनआई के अध्यक्ष डेनिस कदीमा ने बताया कि कुल 1.8 करोड़ में से 1.3 करोड़ से अधिक वोट शीसेकेदी को मिले थे। 43 प्रतिशत से अधिक मतदाताओं ने भाग लिया था। वही, फेलिक्स के निकटतम प्रतिद्वंद्वी और व्यवसायी मोइज कटुम्बी को 18 फीसदी जबकि एक अन्य प्रत्याशी मार्टिन फायुलू को पांच प्रतिशत मत मिले हैं ।

जापान में आया 7.5 तीव्रता का भूकंप, टकराई सुनामी की लहरें; लोगों को सुरक्षित जगह जाने को कहा

टोक्यो। नए साल पर जापान से एक चिंता करने वाली खबर सामने आ रही है। यहां के पूर्वोत्तर क्षेत्र में 7.5 तीव्रता का एक शक्तिशाली भूकंप आया है। इससे देश के पश्चिमी तट के एक बड़े हिस्से में सुनामी की चेतावनी जारी की गई है। हालांकि, इस बीच यह भी जानकारी सामने आई है कि इशिकावा प्रांत के वाजिमा शहर में 1.2 मीटर की सुनामी की लहर टकराई है। फिलहाल, किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। एक रिपोर्ट के अनुसार, सुनामी की चेतावनी के बाद लोगों से इशिकावा, निगाता, तोयामा और यामागाता प्रान्तों के तटीय क्षेत्रों को जल्द से जल्द छोड़ने का आग्रह किया गया है। कहा जा रहा है कि पांच मीटर (16 फीट) ऊंची लहरें उठ सकती हैं। कोस्टल एरिया में रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने के लिए कहा गया है।

हवाई स्थित प्रशांत सुनामी चेतावनी केंद्र ने कहा है कि जापान तट पर भूकंप के केंद्र के 300 किलोमीटर के दायरे में खतरनाक सुनामी लहरें उठने की आशंका है। बता दें, भूकंप के झटके टोक्यो और पूरे कांटो इलाके में महसूस किए गए हैं।

इतनी बार महसूस किए गए झटके

जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने कहा कि जापान के मुख्य द्वीप होन्शू के जापान सागर की ओर नोटो क्षेत्र में स्थानीय समयानुसार शाम चार बजकर छह मिनट पर 5.7 तीव्रता का भूकंप

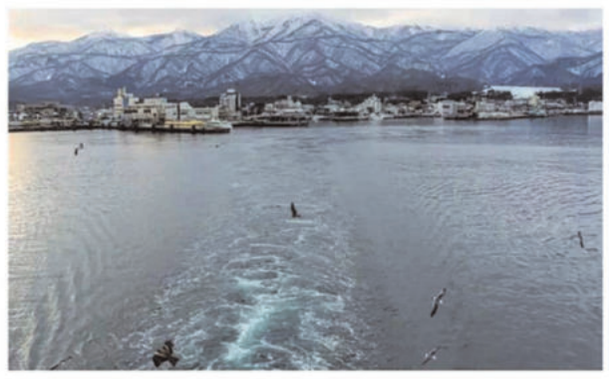

आया। इसके बाद शाम चार बजकर 10 मिनट पर 7.6 तीव्रता का भूकंप, चार बजकर 18 मिनट पर 6.1 तीव्रता का भूकंप, चार बजकर 23 मिनट पर 4.5 तीव्रता का भूकंप, चार बजकर 29 मिनट पर 4.6 तीव्रता का भूकंप और चार बजकर 32 मिनट पर 4.8 तीव्रता का भूकंप आया।

अमेरिकी भूगर्भ सर्वेक्षण ने बताया कि इसके तुरंत बाद 6.2 तीव्रता का एक और भूकंप आया।

2011 में भूकंप के बाद सुनामी से हुई थीं 18 हजार मौतें

जापान में मार्च 2011 में नौ तीव्रता वाले विनाशकारी भूकंप के कारण जबर्दस्त सुनामी आई थी। तब उठी सुनामी की लहरों ने फुकुशिमा न्यूक्लियर प्लांट को तबाह कर दिया था। इसे पर्यावरण को नुकसान के लिहाज से बड़ी घटना माना गया था। तब समुद्र में उठी 10 मीटर ऊंची लहरों ने कई शहरों में तबाही मचाई थी। इसमें करीब 18 हजार लोगों की मौत हुई थी।

रिंग ऑफ फायर पर बसा है जापान

जापान भूकंप के सबसे ज्यादा सेंसेटिव एरिया में है। यह पैसिफिक रिंग ऑफ फायर में आता है। रिंग ऑफ फायर ऐसा इलाका है जहां कॉन्टिनेंटल प्लेट्स के साथ ओशियनिक टेक्टॉनिक प्लेट्स भी मौजूद हैं। ये प्लेट्स आपस में टकराती हैं तो भूकंप आता है। इनके असर से ही सुनामी आती है और वॉल्केनो भी फटते हैं। इससे पहले, पिछले साल दिसंबर की शुरुआत में फिलीपींस में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे। रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 6.8 मापी गई थी। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने बताया था कि तड़के करीब 01:20 बजे भूकंप आया था। इसका केंद्र मिंडानाओ में 82 किमी की गहराई में था। अमेरिकी सुनामी चेतावनी प्रणाली ने शुरुआत में फिलीपींस तट के कुछ हिस्सों में तीन मीटर (10 फीट) तक की लहरें उठने का अनुमान लगाया था, लेकिन बाद में सुनामी का कोई खतरा नहीं होने की घोषणा की।

अंतरिक्ष में अनूठे तरीके से मनाया गया नववर्ष का जश्न, 16 बार किया नए साल का अनुभव

प्योंगयांग। जब पूरी दुनिया धूमधाम से नए साल का स्वागत कर रही थी, तब आंतरिक्ष में अंतरिक्ष यात्रियों ने अनूठे तरीके से नए साल का जश्न मनाया। उन्होंने नए साल के मौके पर पृथ्वी पर 16 बार नए साल देखें। यह घटना अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर देखा गया जहां सात लोगों के एक दल ने 24 घंटों में 16 बार नए साल का अनुभव किया।

अंतरिक्ष यात्रियों ने किया 16 बार नए साल का अनुभव

स्टेशन का कक्षा मार्ग पृथ्वी की 90 फीसदी से अधिक आबादी को कवर करता है। पृथ्वी पर एक दिन में आमतौर पर 12 घंटे की रोशनी रहती है और 12

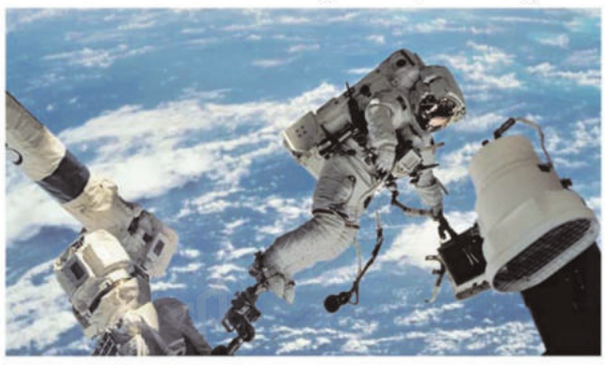

घंटे अंधेरा। लगभग 28,000 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से यात्रा करते हुए अंतरिक्ष हर 90 मिनट में पृथ्वी का एक चक्कर पूरा करता है। ऐसे में अंतरिक्ष को 45 मिनट के दिन के उजाले से होकर 45 मिनट के अंधेरे का अनुभव करना पड़ता है। यह चक्र एक दिन में 16 बार चलता है, जिससे 16 बार अंतरिक्ष को दिन के उजाले से होकर रात के अंधेरे से गुजरना पड़ता है।

बता दें कि यह अंतरिक्ष स्टेशन 15 देशों के पांच अंतरिक्ष एजेंसियों के अंतरराष्ट्रीय साझेदारी का परिणाम है। नासा के अनुसार साल 2000 से लगातार अंतरिक्ष स्टेशन पर कब्जा किया जा रहा है। इस अंतरिक्ष स्टेशन पर मुख्य रूप से सात लोग काम करते हैं, लेकिन जब क्रू हैंडओवर करते हैं तो वहां कई लोग मौजूद रहते हैं।

कराची में नए साल की खुशी में चौतरफा गोलीबारी, 30 घायल, 65 गिरफ्तार

कराची। पाकिस्तान की सांस्कृतिक, आर्थिक और शैक्षणिक राजधानी कराची में नए साल पर हिंसा को रोकने के पुलिस के तमाम इंतजाम और प्रतिबंध धरे रह गए। आधीरात को घड़ी की टिक-टिक के साथ कराची की गलियां गोलियों की आवाज से दहल उठीं। इस गोलीबारी में कम से कम 30 लोग हो गए। पुलिस ने 65 लोगों को गिरफ्तार किया है। रिपोर्ट के अनुसार समूचे महानगर में नए साल की रात को जमकर हवाई फायरिंग हुई। इसमें 30 से अधिक लोग घायल हो गए। हत्या के प्रयास के आरोप में 65 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। घायलों में महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। उन्होंने अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। सबसे ज्यादा गोलीबारी उत्तरी नाजिमाबाद, लियाकताबाद सी-आई एरिया, रिजविया सोसाइटी, हुसैनाबाद, बहादराबाद, शाह फैसल कॉलोनी, केमारी, नेटिव जेट्टी ब्रिज, ल्यारी, रैंचोर लाइन, क्लिफ्टन बाल्डिया टाउन, उत्तरी कराची, सी व्यू, कोरंगी, डालमिया, गुलशन-ए-इकबाल 13-डी, लाइंस एरिया, महमूदाबाद, पीआईबी कॉलोनी और मालिर में हुई है।

'अमेरिका और दक्षिण कोरिया अगर उकसाएं तो उन्हें तबाह कर दो', किम जोंग ने अपनी सेना को दिया आदेश

प्योंगयांग। उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन ने अपनी सेना को आदेश दिया है कि अगर अमेरिका और दक्षिण कोरिया कोई उकसावे वाली कार्रवाई करें तो वह उन्हें पूरी तरह से तबाह कर दें। उत्तर कोरियाई मीडिया के अनुसार, किम जोंग उन ने राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने पर भी जोर दिया। उत्तर कोरिया में सत्ताधारी पार्टी की पांच दिवसीय बैठक चल रही है। इसी बैठक के दौरान शनिवार को किम जोंग उन ने बताया कि साल 2024 में तीन और सैन्य जासूसी सैटेलाइट लॉन्च करने का लक्ष्य रखा गया है। बीते नवंबर में ही उत्तर कोरिया ने अपने पहले सैन्य जासूसी सैटेलाइट का सफल प्रक्षेपण किया था। किम जोंग उन ने उत्तर कोरियाई सेना के कमांडिंग अफसरों के साथ बैठक की। इस बैठक में उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए अपनी सैन्य तैयारियों को मजबूत करने की जरूरत है। किम ने कहा कि 'हमारी सेना को सभी जरूरी

कदम उठाकर हमारे खिलाफ कार्रवाई करने वाले देशों को पूरी तरह से तबाह कर देना चाहिए और इसके लिए उन्हें पलभर नहीं हिचकना चाहिए।'

कोरियाई तानाशाह ने कहा कि 'कोरिया गणराज्य ताकत के माध्यम से वास्तविक, स्थायी शांति का निर्माण कर रहा है, न कि एक विनम्र शांति का, जो प्रतिद्वंद्वी की सद्भावना पर निर्भर करती है।' किम ने दक्षिण कोरिया की आलोचना करते हुए उसे 'औपनिवेशिक अधीनस्थ राज्य' बताया, जिसका समाज 'यांकी संस्कृति से कलंकित' है। उन्होंने कहा सेना को संघर्ष की स्थिति में 'दक्षिण कोरिया के पूरे क्षेत्र को कब्जाने के लिए परमाणु हथियारों सहित सभी उपलब्ध साधनों का उपयोग करना चाहिए।

बता दें कि उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन चीन और रूस के साथ मिलकर अपनी सेना को मजबूत बनाने में जुटे हैं। साथ ही उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियारों के जखीरे को भी बढ़ाने में जुटे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक उत्तर कोरिया के पास 20-30 परमाणु बमों से लेकर 100 से ज्यादा बम तक हो सकते हैं। हालांकि कई रक्षा विशेषज्ञ ऐसा मानते हैं कि उत्तर कोरिया के सामने अभी भी कुछ तकनीकी चुनौतियां हैं, जिसकी वजह से वह इंटर-कॉन्टिनेंटल मिसाइल बनाने में सफल नहीं हुआ है। हालांकि इसकी कम दूरी की परमाणु मिसाइलें जापान और दक्षिण कोरिया को निशाना बना सकती हैं।

गाजा से हजारों सैनिकों को वापस बुलाएगी इस्राइली सेना, इस्राइल के हमलों में 150 की मौत

तेल अवीव। इस्राइली सेना (आईडीएफ) ने गाजा में जमीनी सैन्य अभियान शामिल हजारों सैनिकों को वापस बुलाने का फैसला किया है। आईडीएफ ने कहना है कि गाजा में जमीनी आक्रमण में भाग लेने वाली पांच लड़ाकू ब्रिगेड को वापस लिया जाएगा, ताकि सैनिक आगे की लड़ाई के लिए खुद को मजबूत कर सकें। वहीं, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि पिछले 24 घंटों में मध्य गाजा में इस्राइली सेना के हमलों में 150 फलस्तीनियों की मौत हो गई, जबकि 286 लोग घायल हुए। आईडीएफ के प्रवक्ता डेनियल हगारी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कुछ आरक्षित सैनिक इस सप्ताह ही अपने परिवारों और नौकरियों में लौट आएंगे। इससे अर्थव्यवस्था को महत्वपूर्ण राहत मिलेगी और उन्हें नए साल में आने वाली गतिविधियों से पहले ताकत इकट्ठा करने की अनुमति मिलेगी, और लड़ाई जारी रहेगी और हमें उनकी आवश्यकता होगी।

हगारी ने कहा कि गाजा में हमास की सुरंगों को नष्ट करने का काम जारी है। गाजा से इस्राइल की ओर दागे गए रॉकेट की तीव्रता को कम करने पर भी काम हो रहा है।

नेपाली नागरिकों को रूस भेजने के नाम पर मानव तस्करी के चीनी गिरोह का खुलासा

काठमांडू। नेपाल सरकार के प्रतिबन्ध के बावजूद राजधानी काठमांडू में मानव तस्करी के गोरखधंधा का खुलासा हुआ है। यह धंधा कुछ चीनी नागरिकों के जरिये चलाया जा रहा है। नेपाली युवाओं को रूस भेजने के नाम पर बाकायदा उनका फिजिकल टेस्ट लिया जा रहा है।

राजधानी काठमांडू के सिनामंगल क्षेत्र में फिजिकल टेस्ट देने वाले युवाओं की भारी भीड़ देखी जा सकती है। पंक्तिबद्ध होकर करीब पांच हजार युवा अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं। यहां 'सिनोपेक इंजीनियरिंग ग्रुप रसिया' लिखा हुआ बैनर टंगा है, लेकिन भीतर परीक्षा लेने वाले पांच चीनी नागरिक हैं। मुख्य द्वार के सुरक्षा गार्ड ने बताया कि रूस की किसी कंपनी के माध्यम से नेपाली युवाओं को सिक्युरिटी गार्ड के रूप में भर्ती किया जा रहा है। हाथ में कुछ कागज, शैक्षिक योग्यता का प्रमाणपत्र हेल्थ सर्टिफिकेट लेकर पंक्तिबद्ध खड़े युवाओं की उम्र 18 से 30 वर्ष बीच दिख रही थी। इनमें अधिकतर युवा 25 से कम उम्र के थे। इस चीनी कंपनी के नेपाली प्रतिनिधि ने बताया कि तीन सौ कामगारों की आवश्यकता थी, जिसके लिए दस हजार लोगों ने फार्म भरा है। जब उनसे पूछा गया कि नेपाल से रूस में किसी भी काम के लिए जाने पर सरकार ने प्रतिबन्ध लगाया हुआ है तो इस

पर जवाब मिला कि चीनी कंपनी ने नेपाल सरकार से अनुमति ले रखी है। रूस में नौकरी पाने के इच्छुक युवकों ने बताया कि रूस की इस कंपनी में 600 अमेरिकी डॉलर प्रति महीने सैलेरी बताई गई है। युवाओं ने यह भी खुलासा किया कि नौकरी लेने के लिए पहले कंपनी वालों को 5 लाख रुपये एडवांस में देना होगा। सेलेक्शन होने के तीन महीने बाद ही उन्हें रूस भेजा जाएगा। जांच के नाम पर युवाओं से बालू से भरी बोरियां उठाने को कहा जा रहा है। अब तक पांच सौ से अधिक युवाओं को शारीरिक परीक्षण में उत्तीर्ण करके फाइनल मेडिकल जांच के लिए भेजा रहा है। इस मामले में गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय के प्रवक्ताओं ने कहा कि किसी भी कंपनी को रूस में कामगारों को भेजने की अनुमति नहीं दी गई है। विदेश मंत्री के प्रवक्ता अमृत राई ने कहा कि यदि यह अवैध रूप से किया जा रहा है तो यह मानव तस्करी की श्रेणी में आएगा।

नए साल की पहली सुबह हमास ने इजराइल पर बरसाए बम

तेल अवीव। गाजा पट्टी पर छिड़े इजराइल-हमास युद्ध पर विराम के कोई आसार फिलहाल नजर नहीं आ रहे। इस बीच, सोमवार सुबह फिलिस्तीन के आतंकवादी संगठन हमास के आतंकवादियों ने इजराइल पर करीब 20 रॉकेट दागे। इस हवाई आक्रमण में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

समाचार पत्र द टाइम्स ऑफ इजराइल के अनुसार, हमास ने इस हमले की जिम्मेदारी ली। हमास ने टेलीग्राम पोस्ट में कहा है कि उसकी अल-कसम ब्रिगेड जायोनी नरसंहार के जवाब में तेल

अवीव शहर और उसके बाहरी इलाके में 'एम90' रॉकेटों से बमबारी कर रही है।

इस युद्ध की शुरुआत पिछले साल सात अक्टूबर को हुई थी। हमास के सैकड़ों आतंकवादियों ने इजराइल में घुसकर नरसंहार करने के बाद 200 से अधिक लोगों को बंधक बना लिया था। इस दौरान लगभग 1200 इजराइली मारे गए थे। इसके प्रतिशोध में इजराइल ने गाजा पट्टी में ताबड़तोड़ हमले शुरू किए। आज युद्ध का 87वां दिन है। इस युद्ध में अब तक लगभग 21,822 फिलिस्तीनी मारे गए हैं। इनमें हमास के खूंखार कमांडर भी शामिल हैं। हमास के खिलाफ इजराइल की जमीनी और हवाई कार्रवाई जारी है।

भारत के साथ बिगड़ते रिश्तों के बीच चीन का दौरा करेंगे राष्ट्रपति मुइजू, बड़े एलानों की संभावना

माले। चीन और मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइजू के बीच बीजिंग में द्विपक्षीय वार्ता के लिए बातचीत चल रही है जो कुछ ही हफ्तों में हो सकती है। अगर यह वार्ता होती है तो मोहम्मद मुइजू चीन आने वाले मालदीव के पहले राष्ट्रपति होंगे।

मुइजू करेंगे चीन का दौरा

मालदीव के पूर्व राष्ट्रपतियों ने भारत को अपने पहले दौरे के तौर पर चुना था, लेकिन मुइजू ने सीओपी28 शिखर सम्मेलन में दुबई पहुंचने से पहले तुर्किये का दौरा किया था। यहां तक की कट्टर भारत विरोधी नेता मोहम्मद वाहीद ने 2012 में और इसके दो साल बाद अब्दुल्ला यामीन ने भी अपना पहला दौरा भारत का ही किया था। हालांकि, चीन तीसरा ऐसा देश होगा जहां मालदीव के नए राष्ट्रपति यात्रा करेंगे।मुइजू के तुर्किये दौरे ने चीन और भारत को यह दिखा दिया कि मालदीव अब अपने विकास के लिए दोनों में से किसी भी देश पर निर्भर नहीं है। भारत समर्थक पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम सोलिह के पद से हटने के बाद चीन ने नए राष्ट्रपति मोहम्मद मुइजू को आमंत्रित

करने में समय बर्बाद नहीं किया। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि मुइजू को भारत से भी आमंत्रण मिला है या नहीं। मुइजू की यह यात्रा एचएडीआर गतिविधियों के लिए मालदीव को भारत द्वारा उपहार में दिए गए नौसैनिक हेलिकॉप्टरों के संचालन में शामिल भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस भेजने के मुइजू के आग्रह के बीच होगी। हालांकि, भारत इसके लिए एक व्यावहारिक समाधान की उम्मीद कर रहा है। सीओपी28 सम्मेलन में भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने के बाद मुइजू ने कहा कि भारत अपने सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने के लिए तैयार है। इनके बीच ही मुइजू ने यह भी बताया कि मालदीव भारत के साथ किए गए उस समझौते को खत्म करना चाहता है, जिसमें भारतीय नौसेना को मालदीव के जलक्षेत्र में हाइड्रोग्राफिक सर्वेक्षण करने की अनुमति दी गई थी। यह समझौता साल 2019 में पीएम मोदी के माले दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच की गई थी। चीन का दौरा करने वाले आखिरी राष्ट्रपति यामीन थे, जिन्होंने 2017 में चीन की यात्रा की थी। दोनों देशों के बीच गुप्त व्यापार समझौता हुआ था। इसी के साथ चीन को पश्चिमी एटोल में एक ऑवजरवेटरी बनाने के समझौते पर भी हस्ताक्षर किया गया था, जिसने भारत के लिए चिंताए बढ़ा दी थी। दरअसल, इस समझौते के तहत चीन के पास हिंद महासागर के एक बड़े से क्षेत्र में शिपिंग मार्ग का अधिकारी प्राप्त होगा, जहां से कई व्यापारी जहाज गुजरते हैं।

प्रभात खबर के प्रधान संपादक को धमकी पर एनयूजेआई ने सरकार से की सख्त कार्रवाई की मांग

नई दिल्ली। नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट्स (इंडिया) के अध्यक्ष रास बिहारी ने हिन्दी दैनिक प्रभात खबर के प्रधान संपादक आशुतोष चतुर्वेदी को शराब माफिया द्वारा दी गई धमकी पर गहरी चिंता जताते हुए सख्त कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि रांची के होटवार जेल से फोन करके प्रमुख हिन्दी दैनिक के प्रधान संपादक को धमकी देने से झारखंड सरकार पर भी सवाल उठते हैं। इस मामले में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, झारखंड के राज्यपाल और मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर धमकी देने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की गई है। इस मामले को भारतीय प्रेस परिषद में भी उठाया जाएगा।

एनयूजेआई के राष्ट्रीय अध्यक्ष रास बिहारी ने इस पूरी घटना पर चिंता जाहिर करते हुए कहा कि जेल के फोन नंबर से धमकी देना सीधे तौर पर राज्य सरकार की कार्यशैली पर गहरा प्रश्न चिह्न उठाता है। उन्होंने कहा कि सरकारी संरक्षण की वजह से अपराधियों और माफिया के हौसले बुलंद हैं। उन्होंने बताया कि 29 दिसंबर, 2023 को प्रभात खबर के मुख्य संपादक आशुतोष चतुर्वेदी को योगेंद्र तिवारी नाम के एक माफिया द्वारा धमकियां दी गईं। कॉल करने वालों के बारे में पूछताछ करने पर अजीबो-गरीब तथ्य मिले। माफिया द्वारा वरिष्ठ पत्रकार को धमकी देने के लिए इस्तेमाल किये गये नंबरों (0612-2911807, 2911805, 2911806, 227002) के तार रांची स्थित बिरसा मुंडा जेल से जुड़े मिले। इसकी शिकायत उसी दिन पुलिस आयुक्त के समक्ष दर्ज करायी गयी। जेल से धमकी देने की जानकारी डीजीपी झारखंड, गृह सचिव, झारखंड सरकार और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों दी गई।

दिल्ली के रोहिणी में पैथ लैब की इमारत में लगी आग, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के रोहिणी में एक पैथोलॉजी लैब में रविवार देर रात भीषण आग लग गयी। अग्निशमन विभाग ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। अधिकारियों ने बताया कि आग एक इमारत की तीसरी और चौथी मंजिल पर लगी, जहां पैथोलॉजी लैब है। उन्होंने बताया कि आग लगने की सूचना विभाग को रात करीब 12:45 बजे मिली।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के एक अधिकारी ने कहा, ''कुल 10 दमकल गाड़ियों को तुरंत घटनास्थल पर भेजा गया। आग को पूरी तरह से बुझाने में दो घंटे से अधिक समय लगा। घटना में कोई घायल नहीं हुआ है।' उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए पुलिस को सूचित कर दिया गया है।

पत्नी की हत्या कर पति ने दी जान, कौशांबी मेट्रो स्टेशन से कूदा युवक

गाजियाबाद। गाजियाबाद के कौशांबी मेट्रो स्टेशन से कूदकर एक शख्स ने आत्महत्या कर ली है। प्लेटफार्म से कूदने वाले शख्स की नीचे गिरते ही मौत हो गई। मृतक की पहचान गौरव शर्मा निवासी आगरा के रूप में हुई। बताया जा रहा है कि एक दिन पहले ही गुरुग्राम में पत्नी की हत्या करके वह फरार हो गया था। गौरव ने आज सुबह करीब 10:30 बजे कौशांबी के प्लेटफार्म नंबर एक से नीचे छलांग लगा दी, जहां उसकी मौके पर ही मौत हो गई। गौरव मूलत आगरे का रहने वाला था। वह अपनी पत्नी और डेढ़ साल के बच्चे के साथ गुड़गांव रहता था। बताया जा रहा है कि उसने अपनी पत्नी की हत्या कर दी थी और फरार था। पुलिस ने गौरव के परिजनों को सूचना दी और गौरव के परिजन कौशांबी थाने पहुंच चुके हैं। गुड़गांव पुलिस भी गाजियाबाद पुलिस से संपर्क कर रही है। तेज धारदार हथियार से की पत्नी की हत्या गुरुग्राम के डीएलएफ क्षेत्र में रहने वाले गौरव पर तेज धारदार हथियार से पत्नी की हत्या का आरोप था। महिला के शव के साथ दो साल का बच्चा भी रोता रहा। छह महीने पहले ही परिवार डीएलएफ फेस तीन के एस ब्लॉक में रहने के लिए आया था। महिला के शरीर पर ब्लेड से काटने के निशान पाए गए है। उसके मोबाइल फोन को टॉयलेट सीट में डाल दिया गया।

ठंड के बावजूद कम नहीं हुआ दिल्ली में लोगों का उत्साह, मंदिरों में नव वर्ष की पहली आरती

नई दिल्ली। नए साल के स्वागत में दिल्लीवाले कल देर रात तक जमकर थिरके। राजधानी के कई बड़े होटलों, रेस्त्रां व बार में नए साल का जश्न लंबा चला। आज नए साल के पहले दिन राजधानी के कई बड़े मंदिरों मे सवेरे की आरती के लिए लोग बड़ी संख्या में पहुंचे हैं।

कनॉट प्लेस, इंडिया गेट समेत सभी बड़े बाजारों व पर्यटक स्थलों पर लोगों का हुजूम देखते ही बना। इसी तरह विभिन्न धार्मिक स्थलों पर भी नए साल का स्वागत भजनों व अपने-अपने तरीके से किया गया। दोपहर बाद से ही पुलिस कनॉट प्लेस आने वाले सभी प्रमुख मार्गों और अन्य पॉश इलाकों में जगह-जगह बैरीकेडिंग कर आने-जाने वाले चालकों की तलाशी लेती दिखी। किसी भी स्थान पर लोगों को भीड़ के रूप में इकट्ठा नहीं होने दिया जा रहा है।देर रात तक पुलिस के आला अधिकारी भी सड़कों पर गश्त करते दिखाई दे रही है। हमेशा की तरह कुछ युवाओं की टोलियों ने बाइक और कार में

सवार होकर सड़कों पर जश्न मना रहे हैं। कुछ लोगों ने इंडिया गेट पर केक की तैयारियों में जुटे हैं।

कोरोना के नए वेरिएंट के कारण सुरक्षा निर्देशों का पालन करते हुए कुछ लोगों ने घर में अपने परिवार के साथ म्यूजिकल पार्टी का आयोजन किया। हालांकि कई लोग इस खास मौके को सेलिब्रेट करने के लिए होटल और रेस्त्रां विशेष डिनर करने बाहर भी निकले हैं, लेकिन इनकी संख्या कम रही। इंद्रपुरी निवासी राम नरेश ने बताया कि हर साल न्यू ईयर पार्टी बाहर अपने दोस्तों के साथ मनाते थे, लेकिन इस बार वह अपने परिवार के साथ दोस्तों को घर बुलाकर ही पार्टी कर रहे। उन्होंने बताया कि सारी तैयारियां हो गई हैं, घर में ही कई प्रकार के व्यंजन तैयार कर रहे हैं। इंटरनेट के युग में नए वर्ष को लेकर बधाई देने में देर नहीं लगती। यही वजह है कि नववर्ष की पूर्व संध्या पर शाम ढलते ही बधाई देने का सिलसिला शुरू हो गया। एक-दूसरे को मैसेज कर नववर्ष में बेहतर स्वास्थ्य की कामना की।

दिल्ली में 'बेहद खराब' हवा के बीच 2024 का स्वागत, 10.1 डिग्री सेल्सियस तापमान

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, दिल्ली में न्यूनतम तापमान 10.1 डिग्री सेल्सियस रहा, जो इस समय के औसत से तीन डिग्री अधिक है। राष्ट्रीय राजधानी में हल्का कोहरा छाया रहा, जिससे विजिबिलिटी प्रभावित हुई। यात्रियों और सुबह जल्दी उठने वालों को अलग-अलग स्तर की कम विजिबिलिटी का अनुभव हुआ, सुबह 7 बजे के आसपास सफदरजंग में सबसे कम विजिबिलिटी 700 मीटर दर्ज की गई। इस बीच, पालम में 1,100 मीटर की थोड़ी बेहतर विजिबिलिटी थी। भारतीय रेलवे के मुताबिक, खराब विजिबिलिटी के कारण मुंबई-फिरोजपुर, बेंगलुरु-निजामुद्दीन राजधानी, हैदराबाद-नई दिल्ली समेत 21 ट्रेनें घंटों की देरी से चलीं। हालांकि, राष्ट्रीय राजधानी की वायु गुणवत्ता 'बहुत खराब' श्रेणी में बनी हुई है।

केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार, आनंद विहार में हवा की गुणवत्ता पीएम 2.5 का स्तर 331 और पीएम 10 का स्तर 236 के साथ 'बहुत खराब' श्रेणी में प्रवेश कर गई, जबकि एनओ2 का स्तर 54 पर पहुंच गया और सीओ 74 यानी 'संतोषजनक' पर था।बवाना स्टेशन ने पीएम 2.5 को 325 पर दर्ज किया, जो 'बहुत खराब' श्रेणी में था, जबकि पीएम 10 का स्तर 195 पर पहुंच गया, जो 'मध्यम' श्रेणी में था, जबकि सीओ 50 यानी 'अच्छे' स्तर पर पहुंच गया। द्वारका सेक्टर 8 में एक्यूआई मॉनिटरिंग स्टेशन में पीएम 2.5 को 373 पर 'बहुत खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया, जबकि पीएम 10 को 262 या 'खराब' पर दर्ज किया गया, जबकि सीओ 46 पर, 'अच्छे' स्तर पर था।

आईटीओ स्टेशन पर एक्यूआई 'बहुत खराब' श्रेणी में था, पीएम 2.5 का स्तर 316 पर और पीएम 10 का स्तर 172 पर, 'मध्यम' श्रेणी में था, जबकि सीओ 41 पर, 'अच्छे' स्तर पर था। ओखला फेज-2 में पीएम 2.5 का स्तर 332 पर, 'बहुत खराब' श्रेणी में और पीएम 10 202 पर, 'खराब' श्रेणी में दर्ज किया गया।

उभरते गतिशील भारत के लिए बच्चे सबसे मूल्यवान, वो सर्वोच्च सुरक्षित वातावरण के हकदार; दिल्ली हाईकोर्ट की अहम टिप्पणी

नई दिल्ली। , नई दिल्ली। एक गुमशुदा बच्चे के पिता की याचिका पर अहम टिप्पणी करते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने जरूरी

दिशा-निर्देश जारी किए हैं। हाई कोर्ट ने कहा कि अपहरण व मानव तस्करी के शिकार होने वाले बच्चों को जल्द तलाशने के सर्वोच्च प्राथमिकता पर सभी एजेंसियों व जांच अधिकारियों को संयुक्त रूप से कार्य करने की जरूरत है। अदालत ने कहा कि इस तरह के प्रयास किए जाने की जरूरत है कि न सिर्फ बच्चों को जल्द से जल्द तलाश किया जाए बल्कि अपराधियों को सजा भी दिलाई जा सके। अदालत ने कहा कि निश्चित तौर पर याचिकाकर्ता पिता को उसकी बेटी सौभाग्य से वापस मिल गई, लेकिन इसके लिए उन्हें कठिनाइयों और तनाव का सामना करना पड़ा, क्योंकि दिल्ली पुलिस की ओर से मामले में समय पर जारी दिशा-निर्देशों का पालन नहीं किया गया।

सामूहिक दुष्कर्म जैसे मामले में साक्ष्य न मिलने से खत्म हो जाएगी न्याय की उम्मीद- दिल्ली हाईकोर्ट

अदालत ने पाया कि जांच अधिकारियों को बच्चों की गुमशुदगी से जुड़े ऐसे मामलों की जांच करते समय कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, ऐसे में इस संबंध में जरूरी मानक दिशानिर्देश जाते हैं।

दूतावास के पास मिले प्लास्टिक के फूल से गहराया रहस्य, देसी बम से किया गया था धमाका

नई दिल्ली। इस्त्राइल दूतावास के पास देसी बम से हुए धमाके की जांच घटनास्थल से मिले प्लास्टिक के फूल से रहस्यमयी हो गई है। इसके अलावा पुलिस की जांच में ये बात सामने आई है कि आरोपी ने रेकी कर बम विस्फोट की वारदात को अंजाम दिया है और पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए आने-जाने के लिए कई ऑटो व अन्य साधनों का इस्तेमाल किया है। एनएसजी को मौके पर देसी बम से विस्फोट होने के पूरे सबूत मिले हैं।

गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने बताया कि रात होने की वजह से दिल्ली पुलिस को मौके से शुरुआती जांच में अंधेरा होने की वजह से देसी बम के सबूत नहीं मिले थे। अगले दिन एनएसजी व एनआईए की टीमें फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंचीं तो देसी बम होने के पूरे सबूत मिले हैं।

एनएसजी व दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की जांच में ये लग रहा है कि आरोपी ने देसी बम झाड़ियों में फोड़ा हुआ है। इस

कारण झाड़ियों से काफी पत्ते नीचे गिरे हैं। एनएसजी व स्पेशल सेल की टीम ने मौके से काफी मात्रा में पत्ते उठाए हैं। सुरक्षा एजेंसियों का कहना है कि जांच की जा रही है कि ये पत्ते नीचे कैसे गिरे हैं। इस बात की भी जांच की जा रही है कि इन पत्तियों में बम विस्फोट के नमूने या फिर कोई केमिकल तो नहीं है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मौके से प्लास्टिक के फूल मिलने का रहस्य काफी गहराया है। पुलिस अधिकारी इस बात की जांच कर रहे हैं कि आखिर बम विस्फोट वाली जगह पर प्लास्टिक के फूल क्यों हैं। स्पेशल सेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि 35 ऑटो चालकों को स्पेशल सेल के कार्यालय बुलाया था। इन ऑटो चालकों से भी किसी और संदिग्ध या आरोपी के बारे में जानकारी नहीं मिली है।

इंडिया गेट पर गायब हो गया नीली जैकेट वाला

जामिया नगर का नीली जैकेट वाला संदिग्ध युवक बम विस्फोट वाली जगह से ऑटो लेकर इंडिया गेट गया था। इंडिया गेट पर ये संदिग्ध कैद हुआ है। सीसीटीवी कैमरे खराब होने से ये पता नहीं लग रहा है कि ये संदिग्ध इंडिया गेट से कहां गया है। स्पेशल सेल अब इंडिया गेट के पास से गुजरने वाले सभी ऑटो का जीपीआरएस से डेटा ले रही है। जीपीआरएस ये पता लगाया जाएगा कि आरोपी ऑटो लेकर आगे कहां गया है।

नोएडा में 28 करोड़ से ज्यादा की रकम बैंक से ट्रांसफर करने के मामले की जांच अब क्राइम ब्रांच करेगी

नोएडा। नोएडा के सेक्टर 22 में बने साउथ इंडियन बैंक के सहायक प्रबंधक ने अपनी मां और पत्नी समेत कई अलग-अलग खातों में 28 करोड़ से ज्यादा की रकम ट्रांसफर की और परिवार समेत फरार हो गया। इस मामले की जांच अब जिले की क्राइम ब्रांच पुलिस करेगी। अभी तक इस मामले की जांच नोएडा के सेक्टर 24 थाना पुलिस कर रही थी। इस मामले में पुलिस अब तक 90 अकाउंट फ्रीज कर चुकी है। करोड़ों की धोखाधड़ी और गबन के मामले में संबंधित बैंक के डीजीएम रिजनल ने सहायक प्रबंधक, उसकी मां और पत्नी समेत अज्ञात के खिलाफ सेक्टर-24 थाने में बीते दिनों केस दर्ज कराया था। शिकायत में रैनजीत आर नायक ने बताया था कि उन्हें पिछले कुछ दिनों से सेक्टर-22 स्थित शाखा से गड़बड़ी की शिकायत मिल रही थी। जिस पर विभाग ने अपनी विजिलेंस टीम से यहां की जांच कराई। जांच में पता चला कि सेक्टर-48 स्थित एसोशिएट इलेक्ट्रॉनिक्स रिसर्च फाउंडेशन नामक कंपनी के खाते से सहायक बैंक प्रबंधक राहुल शर्मा ने 28.07 करोड़ रुपए पत्नी भूमिका शर्मा और मां सीमा समेत अन्य के खातों में ट्रांसफर कर कंपनी व बैंक के साथ धोखाधड़ी की है।

इंद्रेश कुमार बोले- 22 जनवरी को मस्जिद-मदरसों में करें देश की प्रगति के लिए इबादत, सभी का डीएनए एक

नई दिल्ली। आरएसएस की राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य एवं मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के मुख्य संरक्षक इंद्रेश कुमार ने अपील की कि 22 जनवरी को सुबह 11 बजे से दिन के एक बजे तक जब अयोध्या में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हो, दरगाहों, मदरसों, मकतबों, मस्जिदों में देश की उन्नति, प्रगति, सौहार्द के लिए इबादत करें।

शाम को इन स्थानों पर चिराग रोशन करें। इंद्रेश कुमार रविवार को आकाशवाणी के रंगभवन में 'राम मंदिर, राष्ट्र मंदिर-एक साझी विरासतः कुछ अनसुनी बातें'पुस्तक के विमोचन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, सभी का डीएनए एक है। सभी राम के हैं। नेकां नेता फारूक अब्दुल्ला कहते हैं कि राम हिंदुओं के ही नहीं, हमारे भी हैं। हमने कब इनकार किया है। फारूक आइएनडीआइए को समझाते क्यों नहीं कि इबादत के लिए न्योते की जरूरत नहीं होती। उन्होंने कहा, मुस्लिम राष्ट्रीय मंच के कार्यकर्ता छह दिन से 15 दिनों तक पदयात्रा कर अयोध्या पहुंचेंगे।

राम की भारत को आवश्यकताः आरिफ मोहम्मद खान

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, मर्यादा पुरुषोत्तम राम की भारत को आवश्यकता है। आने वाली नस्लों को चरित्र निर्माण के लिए राम को समझना और समझाना जरूरी है।

कहा, मनुष्य सामाजिक प्राणी भर नहीं, उसकी महत्वकाक्षाएं भी हैं। अगर उसके पास आदर्श नहीं है, तो यह बेलगाम हो जाती हैं। इसके चलते संस्कृतियां खराब हुईं। उन्होंने कहा, जी-20 के जरिये हमने वसुधैव कुटुम्बकम का संदेश दिया है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए वीएचपी के कार्यकारी अध्यक्ष आलोक कुमार ने कहा कि राममंदिर आंदोलन कभी भी मुसलमानों के विरोध में नहीं था।

विशिष्ट अतिथि राम जन्मभूमि न्यास अयोध्या के कोषाध्यक्ष गोविंद देव गिरि ने कहा, राम भारत की एकता का प्रतीक हैं, उन्होंने सिर्फ सेतु निर्माण नहीं किया था, अपने वनवास के दौरान सभी जनजातियों और लोगों को भी जोड़ा था। इससे पहले पुस्तक की लेखिका गीता सिंह और आरिफ खान भारती ने पुस्तक की सामग्री पर विस्तार से चर्चा की।

नोएडा में पुलिस की जीप में पिकअप ने मारी टक्कर, दरोगा की मौत

नोएडा। थाना फेस-वन में तैनात उप निरीक्षक बीती रात को कानून व्यवस्था के मद्देनजर सरकारी जीप पर सवार होकर गश्त कर रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दिया। गंभीर रूप से घायल दरोगा को उपचार के लिए नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां पर आज सुबह उनकी मौत हो गई है। इस घटना के चलते पुलिस विभाग में शोक की लहर फैल गई है।प्.लिस उपायुक्त (जोन प्रथम) हरिश चंदर ने बताया कि उपनिरीक्षक रामकिशोर शर्मा पुत्र वेद प्रकाश शर्मा निवासी ग्राम दशरथपुर थाना दौराला जनपद मेरठ उम्र 54 वर्ष थाना फेस-वन में तैनात थे। उन्होंने बताया कि बीती रात को वह थाने की सरकारी गाड़ी थार मोबाइल पर सवार होकर देर रात को सेक्टर-2 में गश्त कर रहे थे, तभी सेक्टर-दो चैराहे पर एक पिकअप गाड़ी के चालक ने तेजी और लापरवाही से वाहन चलाते हुए पुलिस की जीप में टक्कर मार दिया। उन्होंने बताया कि इस घटना में उप निरीक्षक रामकिशोर गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती करवाया गया, जहां पर उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई।

लोक सेना हिंद ने जन लोकपाल विधेयक पर केजरीवाल को घेरा

नई दिल्ली। लोक सेना हिंद के अध्यक्ष डॉ. मुनीश रायजादा ने आम आदमी पार्टी नेता और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जन लोकपाल विधेयक को लेकर बड़ा हमला किया है। अन्ना हजारे के आंदोलन में केजरीवाल व अन्य के साथ सक्रिय हिस्सा लेने वाले डॉ. रायजादा कभी आम आदमी पार्टी के मजबूत समर्थक रहे हैं। डॉ. रायजादा के नेतृत्व में लोक सेना हिंद ने राजीव चौक में मेट्रो के गेट नंबर छह के बाहर

शाम तक जन लोकपाल विधेयक की बरसी मनाई। डॉ. रायजादा ने दिल्ली के मुद्दों को फलक पर लाने के लिए राजनीतिक दल के रूप में लोक सेना हिंद का गठन किया है। राजीव चौक में यह कार्यक्रम आम लोगों के बीच कौतूहल का विषय रहा। डॉ. रायजादा का कहना है कि केजरीवाल ने 2013 में रामलीला मैदान में अन्ना हजारे के आंदोलन के दौरान यह वचन दिया था कि अगर आम आदमी पार्टी की सरकार सत्ता में आई तो जन लोकपाल विधेयक को पास कर उसका क्रियान्वयन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केजरीवाल को सत्ता में आए नौ वर्ष से अधिक का समय हो चुका है लेकिन उन्होंने इस विधेयक को सुध नहीं ली है। उसे पास करना तो दूर केजरीवाल ने अब इसके बारे में बात करना भी बंद कर दिया है। उन्होंने कहा कि लोक सेना हिंद जन लोकपाल विधेयक के प्रति अक्षमता को जनसमर्थन का गंभीर उल्लंघन मानती है। दिल्ली के नागरिकों को अरविंद केजरीवाल ने धोखा दिया है। वह कहते हैं कि अगर दिल्ली में लोक सेना हिंद की सरकार बनती है तो जन लोकपाल विधेयक को लागू किया जाएगा।

सेहतमंद रहने के लिए जीवन शैली में सुधार, स्वास्थ्य जांच है जरूरी: विष्णु मित्तल

नई दिल्ली। भाजपा की ओर से जारी मंडल स्तर पर स्वास्थ्य शिविर की श्रंखला में मयूर विहार फेज-1 में निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण व उपकरण वितरण शिविर आयोजित किया गया।

इस अवसर पर प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष विष्णु मित्तल ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात में भी अच्छे स्वास्थ्य पर जोर दिया है और अच्छे स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि समय पर जांच

हो, जीवन शैली में सुधार किया जाए। निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, निशुल्क कैंसर स्क्रीनिंग बस के अयोजन में निगम पार्षद रेणु चौधरी, मयूर विहार जिले के पूर्व जिला अध्यक्ष रामचरण गुजराती ,तेजपाल सिंह , ज़िला मंत्री जितेंद्र डेडा , पूर्व मंडल अध्यक्ष नरेश कपूर , अजय गोयल सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे और बड़ी संख्या में लोगों ने कैंप में पहुंचकर स्वास्थ्य की जांच कराई। इस मौक़े पर लोगों को आँख और कान के उपकरण भी दिये गये।

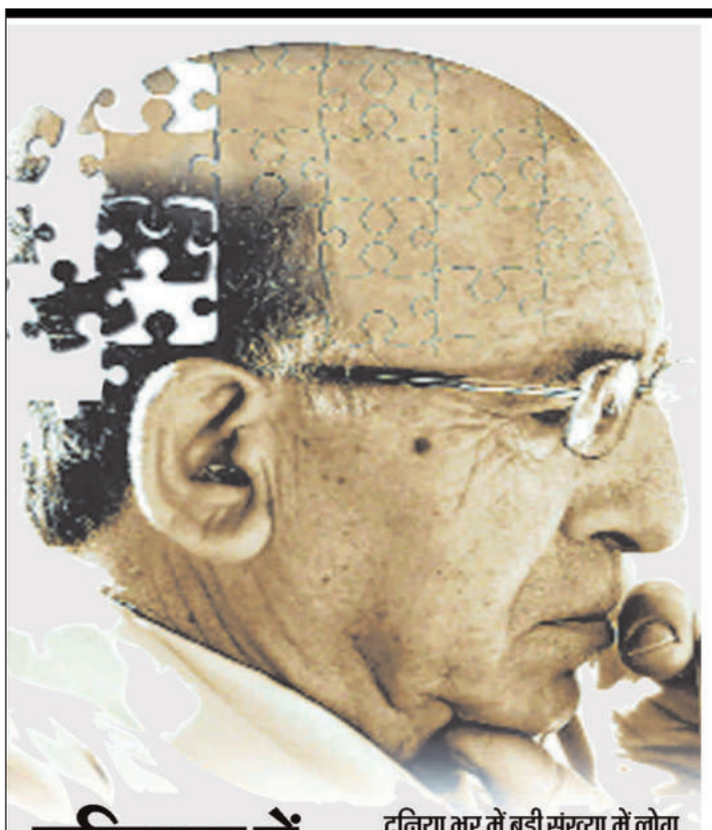

मस्तिष्क में प्रोटीन के गुच्छे बनने से घटती है याददाश्त

साइंस एडवांसेस में प्रकाशित जॉर्ज मिसल और उनके सहकर्मियों के शोध में अल्जाइमर रोगियों के आंकड़ों का विश्लेषण किया है। इस तरह से अनुसंधानकर्ता मस्तिष्क में अल्जाइमर बीमारी के बढ़ने को रोकने की प्रक्रिया के संबंध में बेहतर समझ बनाने में सक्षम हुए।

दुनिया भर में बड़ी संख्या में लोग अल्जाइमर और अन्य तरह की डिमेंशिया से प्रभावित हैं लेकिन दुनिया में इसका प्रभावी इलाज के संबंध में प्रगति धीमी है। वैज्ञानिकों ने बताया कि मरीज के मस्तिष्क में अल्जाइमर से संबंधित प्रोटीन गुच्छे के रूप में जमा होने लगते हैं, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं और स्मृति लोप होने संबंधी लक्षण दिखने लगते हैं।

गुच्छों के दोगुना होने में पांच साल का समय लगा

अध्ययन से पता चला कि गुच्छों के दोगुना होने में करीब पांच साल का समय लगा। अध्ययन में बताया गया कि कोविड-19 महामारी के प्रसार को रोकने के लिए देशों के बीच यात्रा रोकना बेहद प्रभावी कदम नहीं हो सकता है जब मूल देश में पहले से ही उल्लेखनीय रूप से संक्रमित लोगों की मौजूदगी पहले से ही हो। इसी तरह से मस्तिष्क क्षेत्रों के बीच गुच्छों के प्रसार को रोकना अल्जाइमर के एक बार शुरू हो जाने के बाद इसे धीमा करने में नाकाफी हो सकता है।

घीरे-धीरे बढ़ती जाती है गुच्छों की संख्या

अल्जाइमर की बीमारी और तंत्रिका तंत्र से संबंधित अन्य बीमारियों में प्रोटीन, वे सूक्ष्म गुच्छों में एकसाथ चिपकने लगते हैं। मरीज के मस्तिष्क में ये गुच्छे के रूप में जमा होने लगते हैं, जिससे मस्तिष्क की कोशिकाएं मरने लगती हैं और स्मृति लोप होने संबंधी लक्षण दिखने लगते हैं। जैसे-जैसे इन गुच्छों की संख्या बढ़ती जाती है, बीमारी बढ़ती जाती है और हल्के लक्षण सामने आने के वर्षों बाद मौत तक हो जाती है। अब तक विस्तार से वैज्ञानिकों के हाथ यह जानकारी नहीं लग पाई है कि आखिर ये गुच्छे बन कैसे जाते हैं और इन्हें कैसे नियंत्रित किया जा सकता है।

सुपरफूड है अंडा

कई बीमारियों से बचाता है

अंडा एक ऐसा सुपरफूड है, जिसमें प्रोटीन, कैल्शियम, ओमेगा-3 फैटी एसिड विटामिन ए और बी की भरपूर मात्रा होती है। इसका रोजाना सेवन शरीर को कई बीमारियों से बचाने में मदद करता है। वहीं हाल ही में हुए एक शोध के अनुसार रोजाना 1 अंडा खाने से डायबिटीज का खतरा कम होता है।

टाइप-2 डायबिटीज का खतरा कम करता है अंडा

इस स्टडी की रिपोर्ट के सामने आने के बाद कई दूसरे वैज्ञानिक इसका विरोध कर रहे हैं क्योंकि डायबिटीज में अंडा खाने को लेकर शोधकर्ताओं की राय अलग-अलग है। जहां कुछ वैज्ञानिक इसका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद मानते हैं वहीं अन्य शोधकर्ताओं के हिसाब से डायबिटीज के मरीजों को अंडे का सेवन नहीं करना चाहिए।

हफ्ते में कितने अंडे खाना है सुरक्षित?

इस नई स्टडी के अनुसार, हफ्ते में 3 अंडे खाना बिल्कुल सुरक्षित है। अगर आपको डायबिटीज है तो अंडे को उबालकर ही खाएं।

फायदेमंद है अंडे का सेवन

जो पुरुष रोजाना अंडे का सेवन करते हैं उनके खून में लिपिड की मात्रा थोड़ी ही पाई जाती है, जिससे इस बीमारी का खतरा काफी हद तक कम हो जाता है। अंडा सेहत को कई तरीके से फायदा पहुंचाता है। फिलहाल अंडा खाने या ना खाना अभी तक शोधकर्ताओं के लिए पहेली ही बना हुआ है। हालांकि इस नई स्टडी के नतीजों में दावा किया है कि रोजाना एक अंडा खाने से डायबिटीज का खतरा कुछ हद तक कम हो जाता है।

कैसे और कब खाना चाहिए अंडा

रोजाना 2 उबले हुए अंडे खाने से शरीर कई बीमारियों से बचाया जा सकता है। अंडा को ब्रेकफास्ट के रूप में खाने से शरीर को सबसे ज्यादा फायदा मिलता है। जिम जाने वाले लोगों को कच्चा अंडा दूध में मिलाकर खाना चाहिए। इसके अलावा कच्चे अंडे की जर्दी (एग योक) का सेवन भी आपको कई गंभीर बीमारियों से बचाता है।

व्हाइट या ब्राउन कौन है बेस्ट?

व्हाइट और ब्राउन दोनों ही अंडों पर काफी बार शोध किया जा चुका है, जिसमें इन दोनों में कोई खास अंतर पता नहीं चला। दोनों के फायदे, क्वॉलिटी, आकार सभी कुछ एक जैसा है। यहां तक दोनों में पोषण भी एक जैसा ही होता है लेकिन ब्राउन अंडे में व्हाइट अंडे से थोड़ा ज्यादा ओमेगा-3 फैटी एसिड होता है।

रोजाना अंडा खाने के अन्य फायदे

मजबूत इम्यून सिस्टम

रोजाना ब्रेकफास्ट में एक अंडा खाने से इम्यून सिस्टम मजबूत है। इससे आप सर्दी-जुकाम जैसे वायरल इंफेक्शन से बचे रहते हैं।

वजन कंट्रोल

अगर आप वजन कंट्रोल करना चाहते हैं तो रोजाना इसका सेवन जरूर करें। इससे दिनभर पेट भरा रहता है, जिससे आप ओवरइटिंग से बच जाते हैं और आपका वजन कंट्रोल में रहता है।

आंखों व दिमाग के लिए फायदेमंद

इसमें कॉलिन और कैरोटिनायड्स नाम का पोषक तत्व होता है, जो आंखे व दिमाग के लिए बेहद फायदेमंद है।

स्वस्थ दिल

इसका सेवन करने से बैड कोलेस्ट्रॉल की मात्रा कम होती है, जिससे दिल स्वस्थ रहता है और आप हार्ट अट्रैक जैसी समस्याओं से बचे रहते हैं।

ब्रैस्ट कैंसर से बचाव

अंडे में पाया जाने वाला फॉलिक एसिड और विटामिन बी12 ब्रैस्ट कैंसर से बचाव करता है। अगर आप भी ब्रैस्ट कैंसर से बचना चाहते हैं तो रोज इसका सेवन करें।

सर्दियों में होंठ और हाथों की यूं करें देखभाल

सर्दियों में होंठ व हाथ रूखे हो जाते हैं। ऐसे में इन्हें खास देखभाल की जरूरत होती है। होंठ और हाथों की देखभाल के संबंध में ये सुझाव दिए हैं :

हाथों के लिए सुझाव

- हाथ धुलने के बाद मॉइश्चराइजर बरकरार रखने के लिए हमेशा अच्छा हैंड क्रीम लगाएं।
- रात में हाथों को अच्छे नरीशिंग क्रीम से मसाज करें और नाखूनों व नाखूनों के आसपास के हिस्से में भी मसाज करना नहीं भूलें।
- नहाने से पहले त्वचा पर तेल से मसाज करें। इससे आपके हाथ मुलायम बनेंगे।
- नहाने के तुरंत बाद लोशन या क्रीम लगाएं। इससे त्वचा में नमी बरकरार रहेगी।
- सर्दियों में शावर जेल या ग्लिसरीन युक्त साबुन का इस्तेमाल करें।
- एक बड़े चम्मच एवोकैडो ऑयल में एक बड़ा चम्मच शहद और एक बड़ा चम्मच दही मिला लें और इससे हाथों की मसाज करें। हाथों का रूखापन दूर करने के लिए 10 मिनट बाद धो लें।

होंठ की देखभाल

- होंठों को रूखेपन व फटने से बचाने के लिए आर्गन प्योर कोल्ड प्रेस्ड ऑयल की कुछ बूंदों में एक बड़ा चम्मच ब्राउन शुगर मिलाकर लगाएं।
- फटे होंठों के लिए शहद मॉइश्चराइजर का काम करता है। शहद को अपने होंठों पर लगा लें या फिर रात में सोने से पहले शहद और ग्लिसरीन के मिश्रण को लगा लें।
- आप चाहे तो ताजे दूध की क्रीम भी होंठों पर लगा सकते हैं और इसे 10 मिनट तक लगा रहने दें। फिर इसे गुनगुने पानी में भीगी रूई के फाहे से हल्के हाथों से साफ कर लें। कोमल व गुलाबी रंगत के होंठों के लिए ऐसा रोजाना करें।
- रात में सोने जाने से पहले होंठों को गुनगुने पानी से धोकर मुलायम कपड़े से पोंछे ले और फिर तुरंत लिप बाम लगा लें।
- होंठों की नमी बरकरार रखने के लिए पानी का सेवन खूब करें, इससे आपके होंठों की कोमलता बरकरार रखने में मदद मिलेगी।
- सर्दियों में होंठों को फटने से बचाने के लिए ऑर्गेनिक घी, बादाम तेल और नारियल तेल युक्त लिप बाम का इस्तेमाल करें।
- सर्दियों में लिपस्टिक आपके होंठों को सुरक्षा प्रदान करता है। पिंक या प्लम कलर के लिपस्टिक लगा सकती हैं, जो आपके होंठों की न सिर्फ खूबसरती बढ़ाएगा, बल्कि इसे कोमल भी रखेगा। ऑर्गेनिक घी, शहद, बादाम तेल, रोज ऑयल जैसे इंग्रेडिएंट्स सर्दियों में आपके होंठों को कोमल रखेंगे।
- रोजाना हैंडक्रीम लगाने से हाथ रूखे नहीं होंगे। कोकम बटर, ऑर्गेनिक हनी, एलो, हल्दी, सेसम ऑयल, एप्रिकोट ऑयल जैसे इंग्रेडिएट्स अल्ट्रा-मॉइश्चराइजिंग होते हैं, जो त्वचा को मुलायम रखते हैं।
- गर्मियों की तरह ही सर्दियों में भी त्वचा को हानिकारक पराबैंगनी किरणों से बचाना जरूरी है। तेज धूप में त्वचा को टैनिंग से बचाने के लिए धूप में निकलने से पहले सन प्रोटेक्शन क्रीम का इस्तेमाल करें।

रोजाना लौंग चबाने से ये प्रॉब्लम्स हो जाएंगी दूर

मसाले खाने को स्वादिष्ट बनाने के ही नहीं बल्कि सेहत से जुड़ीं कई परेशानियों को भी ठीक करते हैं। जैसे, लौंग का इस्तेमाल खाने के साथ चाय को स्वादिष्ट बनाने में भी किया जाता है। लौंग के कई फायदे हैं।

दांत दर्द में राहत

लौंग खाने से दांत का दर्द ठीक होता है। लौंग में दर्द को शांत करने वाले गुण पाए जाते हैं। ऐसे में अगर आपके दांत में दर्द हो तो लौंग को अपने दांत के बीच में दबाकर रखें।

इंफेक्शन को दूर करता है

लौंग में एंटी-बैक्टीरियल और एंटी-माइक्रोबियल गुण होते हैं। जिसका मतलब है कि यह बैक्टीरिया या अन्य सूक्ष्मजीवों से होने वाले संक्रमण से बचाव प्रदान कर सकता है। स्किन पर कहीं इंफेक्शन होने पर गुस जगह पर लौंग का पेस्ट लगाने की सलाह दी जाती है।

एसिडिटी में राहत

सुबह खाली पेट लौंग के सेवन करने से पाचन संबंधी समस्या दूर हो जाती है। लौंग पाचन एंजाइम के स्राव को बढ़ाते हैं, जो डाइजेशन प्रॉब्लम्स को रोकने या ठीक करने में कारगर है।

पिंपल्स को ठीक करने में कारगर

आपको अगर ऑयली स्किन की वजह से चेहरे पर पिंपल्स हो जाते हैं, तो आपको लौंग का पेस्ट एलोवेरा जेल में डालकर पिंपल्स पे लगाना चाहिए। इससे पिंपल्स ठीक हो जाते हैं।

मुंह की बदबू को दूर करें

आपके मुंह से अगर सुबह उठने पर बदबू आती है या मसूड़ों में दर्द रहता है, तो आप रोजाना एक लौंग को अपने मुंह में दबा लें, इससे धीरे-धीरे मुंह से बदबू आनी बन्द हो जाएगी।

पेट का अल्सर

पेट के अल्सर के इलाज में लौंग काफी मदद कर सकता है। यह अल्सर आमतौर पर पेट की सेफ्टी लेयर के कम हो जाने के कारण हो जाते हैं, जिसमें लौंग खाने से फायदा होता है।

छोटी सी राई में कितनी खूबियां

- इसकी गिनती सरसों की जाति में होती है। इसका दाना छोटा व काला होता है। राई का प्रमुख गुण पाचक होता है।
- पेट के कीड़े इसका पानी पीने से मर जाते है।
- हैजे में राई को पीस कर पेट पर लेप करने से उदरशूल व मरोड़ में आराम मिलता है।
- इसकी पुल्टिस बना कर दर्द वाली जगह पर सेंक किया जाए तो तुरंत राहत मिलती है। राई के लेप से सूजन कम होती है।
- गर्म पानी में राई डालने से राई फूल जाती है। और उसके गुण पानी में पहुंच जाते हैं। इस पानी को गुनगुना सहने योग्य कर किसी टब में कमर तक भर कर बैठा जाए तो सभी प्रकार के यौन रोग प्रदर, प्रमेह आदि में बेहतर सुधार आता है।
- इसे पीस कर शहद में मिलाकर सूंघने से जुकाम में आराम मिलता है।

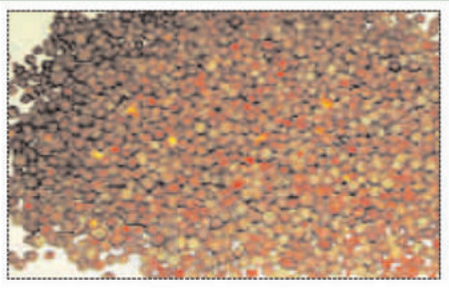

- मिर्गी-मूरच्छा में मात्र राई पीस कर सूंघाने से फायदा होता है।
- राई के तेल में बारीक नमक मिलाकर मंजन करने से पायरिया रोग का नाश होता है।
- राई के अधिक प्रयोग से उल्टी हो सकती है अत: राई का सीमित मात्रा में प्रयोग करना चाहिए।

सर्दियों में इम्यूनिटी बढ़ाएंगे गुड़ मेथी के लड्डू

सर्दियों में गुड़ मेथी के लड्डू खाने का मजा ही कुछ और है। गुड़ मेथी के लड्डू ना सिर्फ स्वाद में गजब होते हैं बल्कि इससे इम्यूनिटी बढ़ने के साथ सर्दी भी कम लगती है। जानते हैं, कैसे बनाएं गुड़ मेथी के लड्डू

लड्डू बनाने के लिए सामग्री

100 ग्राम मेथी दाना, 1/2 लीटर दूध
300 ग्राम गेहूं का आटा, 250 ग्राम घी
100 ग्राम गोंद, 30-35 बादाम
300 ग्राम गुड़ या चीनी
8-10 काली मिर्च, 2 छोटी चम्मच जीरा पाउडर, 2 चम्मच सोंठ पाउडर, 10 छोटी इलाइची, 4 टुकड़े दालचीनी, 2 जायफल

लड्डू बनाने की विधि

- सबसे पहले मेथी दाना को साफ कर लें। अब मेथी को मिक्सर से थोड़ी दरदरी पीस लें।
- एक पैन में दूध उबालने के लिए रख दें।
- अब पिसी हुई मेथी को 8-10 घंटे के लिए दूध में भिगो दें।
- बादाम को काट लें और काली मिर्च, दाल चीनी, इलाइची और जायफल को कूट लें।
- अब एक कड़ाही में आधा कप घी डालकर, भीगी हुई मेथी को भूनें. आपको मध्यम आंच पर इसे हल्का ब्राउन होने तक भूनना है।
- अब बचे हुए घी में गोंद को तल लें और किसी प्लेट में निकाल लें।
- इसी कड़ाही में बाकी घी डालकर आटे को हल्का ब्राउन होने तक भून लें।
- इसके बाद कड़ाही में 1चम्मच घी डाल कर, गुड़ को पिघला लें और चाशनी बना लें।
- गुड़ की चाशनी में, जीरा पाउडर, सोंठ पाउडर, कटे हुए बादाम, काली मिर्च, दालचीनी, जायफल और इलाइची डालकर अच्छी तरह मिला लें।
- अब इसमें भुनी हुई मेथी, भुना आटा, भुना गोंद डासकर अच्छी तरह से मिक्स कर लें।
- इस मिश्रण से अपनी पसंद के आकार के लड्डू बनाकर रख लें. लड्डू को थोड़ी देर के लिए हवा में खुला रहने दें।
- बाद में किसी एअर टाइट डब्बे में सभी लड्डू को भरकर रख लें।आप इन्हें दूध से रोज सुबह शाम खाएं।
- आप चाहें तो लड्डू में गुड़ की जगह पर चीनी या बूरा का भी इस्तेमाल कर सकते हैं।
- अपने पसंद के हिसाब से लड्डू में कोई मेवा कम या ज्यादा भी कर सकते हैं।
- मेथी के लड्डू खाने से आपको जोड़ों के दर्द, कमर दर्द और सर्दी में आराम मिलेगा।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक व संपादक शिव कुमार ने नाहरगढ़ प्रिंटिंग प्रेस आर जेड, 32, कश्मीरी कॉलोनी, खैरा विलेज, नजफगढ़, नई दिल्ली 110043 से मुद्रित कर कार्यालय सी 1677, टोडरमल कॉलोनी, मेन थाना रोड, नई दिल्ली 110043 से प्रकाशित
RNI NO. DELHIN/2009/28409, संपर्क: 9871096636, Email: Nazafgarhmetronews@gmail.com समाचार पत्र सामग्री या विज्ञापन से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे